www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, बुधवार, 2 अक्टूबर, 2024 | वर्ष-17 | अंक -178 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

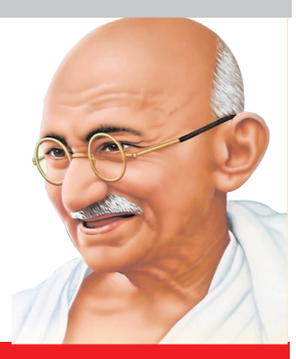

प्रौद्योगिकी की ताकत के इस्तेमाल में सक्षम बनें... 02

■ दिल्ली में बढ़ते अपराध चिंताजनक : कांग्रेस
■ राजधानी दिल्ली में आने का सबको अधिकार... 03

■ थाईलैंड में बस में आग लगने से 25 विद्यार्थियों...
■ विदेश मंत्री ने की अमेरिकी वाणिज्य मंत्री से मुलाकात 07

आज गांधी जयंती

भाजपा सरकार ने रोजगार के सारे रास्ते बंद किए : राहुल

विजय संकल्प रैलियों की श्रृंखला में सोनीपत पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी

सोनीपत, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने रोजगार के सारे रास्ते बंद कर दिए हैं और हरियाणा के युवा रोजगार के लिए विदेश जाने को मजबूर हो गए हैं। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विजय संकल्प रैलियों की श्रृंखला के तहत श्री राहुल गांधी मंगलवार को सोनीपत पहुंचे।

श्री गांधी ने कहा कि वे अमेरिका में हरियाणा के युवाओं से मिले, जिन्होंने बताया कि हरियाणा में एक तरफ महंगाई है तो दूसरी तरफ रिकार्ड बेरोजगारी है। उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार ने जवानों की पेंशन की राशि को अडाणी की जेब में डालने का काम किया है और युवाओं के लिए अग्निवीर योजना लाकर उनके भविष्य से खिलवाड़ किया है। कांग्रेस नेता ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमीरों का जितना कर्ज माफ किया है उतना ही रुपया गरीब, किसानों और मजदूरों को दिया जाएगा। श्री गांधी ने कहा कि किसान तीन चीज चाहता है। कर्ज माफ होना चाहिए, किसानों के लिए एक सिस्टम बनाया जाएगा। किसानों के लिए फसलों पर एमएसपी गारंटी कानून लागू करवाया जाएगा।

हरियाणा विधानसभा चुनाव

सरकार ने जवानों की पेंशन की राशि को अडाणी की जेब में डालने का काम किया है और युवाओं के लिए अग्निवीर योजना लाकर उनके भविष्य से खिलवाड़ किया है : राहुल गांधी

कांग्रेस की 36 बिरादरी की सरकार होगी

कांग्रेस नेता ने हरियाणा में परिवार पहचान पत्र स्कीम पर भी तंज कसते हुए कहा कि यह परिवार परेशान पत्र है। हरियाणा में जब कांग्रेस की सरकार बनेगी तो इसे बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई सिर्फ भाजपा के साथ है। सभी अन्य पार्टियां भाजपा की ए, बी, सी, डी टीम हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा व आरएसएस के कार्यकर्ता भाईचारा तोड़ने का काम करते हैं और दावा किया कि प्रदेश में जल्द कांग्रेस की 36 बिरादरी की सरकार होगी।

मोदी आएं या राहुल, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला : अभय चौटाला

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) के वरिष्ठ नेता अभय सिंह चौटाला ने कहा कि यहां (हरियाणा) पीएम मोदी आएं या राहुल गांधी। कोई फर्क नहीं पड़ने वाला, क्योंकि सूबे की जनता अब इन्हें बाहर का रास्ता दिखाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा, आईएनएलडी और बसपा 30 से 35 सीटों पर जीत का परचम लहराने जा रही है। हम सरकार बनाएंगे। इस बार प्रदेश में परिवर्तन की बयार बहने जा रही है।

अर्बन नक्सलियों के शिकंजे में कांग्रेस : मोदी

कांग्रेस को देश की सबसे बेईमान और धोखेबाज पार्टी बताया

कांग्रेस आर्टिकल 370 लाने की बात करती है, एक बार भी नहीं कहा पीओके वापस लाएंगे : नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

पलवल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हरियाणा के पलवल में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस को अपने निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आर्टिकल 370 घाटी में वापस लाने की बात करती है। लेकिन, एक बार भी यह नहीं कहा कि पीओके वापस लाएंगे। कांग्रेस देश की सबसे बेईमान और धोखेबाज पार्टी है। पीएम मोदी ने कहा कि आज की कांग्रेस अर्बन नक्सलियों के शिकंजे में है। दुनिया में जो भारत को बदनाम करने में जुटे हैं, जो हमारे दुश्मनों के एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं। कांग्रेस के नेता खुले आम उसे गले लगाते हैं, अर्बन नक्सली गठजोड़ भारत को कभी भी मजबूत होते नहीं देख सकता है।

जम्मू-कश्मीर में 65 फीसदी से अधिक मतदान

■ उधमपुर जिले में सबसे अधिक मतदान हुआ
■ बारामूला में सबसे कम 55.73 प्रतिशत मत पड़े

जम्मू/श्रीनगर, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे एवं अंतिम चरण में मंगलवार को सात जिलों के 40 निर्वाचन क्षेत्रों में शाम 17.00 बजे तक औसतन 65.48 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें सर्वाधिक वोट छंब विधानसभा सीट पर डाले गए। चुनाव आयोग के मुताबिक उधमपुर जिले में सबसे अधिक 72.91 प्रतिशत और बारामूला में सबसे कम 55.73 प्रतिशत मतदान हुआ।

इसके अलावा बांदीपोरा जिले में 63.33,जम्मू में 66.79, कठुआ में 70.53, कुपवाड़ा में 62.76 और सांबा जिले में 72.41 प्रतिशत मतदान हुआ। 415 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद हो गया। आयोग के मुताबिक इस दौरान छंब विधानसभा सीट पर सबसे अधिक 77.25 और सोपोर में सबसे कम 41.44 प्रतिशत मतदान हुआ। । अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव में मतदान करने वाले लोगों का उत्साह सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारों में देखा गया। 39.18 लाख से अधिक पात्र मतदाता 415 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया, जिनमें दो पूर्व उपमुख्यमंत्री तारा चंद और मुजफ्फर बेग और कई पूर्व मंत्री और विधायक शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर में पहले दो चरणों में पड़े मत

केन्द्र शासित प्रदेश की कुल 90 सीटों में से पहले दो चरणों में 18 सितंबर और 25 सितंबर को क्रमश: 24 और 26 सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गए हैं। पहले चरण में 61.38 और दूसरे चरण में 57.31 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव परिणाम 08 अक्टूबर को आएंगे और चुनाव प्रक्रिया 10 अक्टूबर को संपन्न हो जाएगी।

पाकिस्तान से आए शरणार्थियों ने पहली बार डाला वोट

जम्मू। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में पहली बार वोट डालने के बाद वाल्मीकि और गोरखा समुदाय के अतिरिक्त वेस्ट पाकिस्तान से आए शरणार्थियों ने बेहद खुशी जाहिर की है। अनुच्छेद 370 और 35-ए के निरस्त होने के बाद, ये समुदाय, पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थियों (डब्ल्यूपीआर) के साथ चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के पात्र हो गए। गांधी नगर में वाल्मीकि कालोनी और बहू फोर्ट में गोरखा बस्ती में माहौल उत्साहपूर्ण रहा, जहां बड़ी संख्या में पहली बार मतदान करने वाले लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्सुकता से कतार में खड़े थे। 67 वर्षों में पहली बार वाल्मीकि और गोरखा समुदायों को वोट देने और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तक पहुंच का अधिकार मिला।

मतदान के दौरान आतंकी बेटों से वापस लौटने की अपील

कश्मीर के सेबों के शहर सोपोर में आज उत्सव का माहौल था, क्योंकि एक दशक के बाद विधानसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के लिए मतदान हो रहा था। ब्राथ कलां इलाके में मतदान केंद्र के परिसर में एक दुर्लभ नजारा देखने को मिला। वोट डालने के बाद दो हताश लोगों को आंसू बहाते देखा जा सकता था, क्योंकि वे अपने आतंकवादी बेटों से वापस लौटने और अपने परिवारों के साथ खुशहाल जीवन जीने की अपील कर रहे थे। गुलाम हसन मीर, जिनके बेटे उमर कुछ साल पहले आतंकवाद में शामिल हो गए थे और फरार हैं, के लिए मतदान एक ऐसा अवसर है, जो लोग बंदूक और हथगोले के जरिए हासिल नहीं कर सकते।

सार संक्षेप

युवा कांग्रेस का सीतारमण के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने चुनावी बॉन्ड योजना के तहत कथित अवैध धन संग्रह को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ मंगलवार को विरोध प्रदर्शन करके उनके इस्तीफे की मांग की। युवा कांग्रेस के नव नियुक्त अध्यक्ष उदय भानु इस मौके पर प्रदर्शनकरियों से कहा, चुनावी बॉन्ड के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इशारे पर श्रीमती सीतारमण वसूली रैकेट चला रही हैं।

झारखंड के लातेहार में दो नक्सली कमांडर गिरफ्तार

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले की पुलिस ने मंगलवार को प्रतिबंधित नक्सली संगठन झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के दो कमांडरों को गिरफ्तार किया। इनके नाम खुर्शीद अंसारी और फेकू भुइयां उर्फ सर्वनाश हैं। इनके पास से एक मेड इन चाइना एके-47 और नौ कारतूस भी जब्त किए गए हैं। दोनों अपने साथियों के साथ मिलकर बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे।

जामताड़ा में छह साइबर अपराधी किए गए गिरफ्तार

जामताड़ा। झारखंड के जामताड़ा जिले में साइबर अपराधियों के विरुद्ध जारी अभियान में पुलिस ने साइबर अपराध में शामिल छह अपराधियों को करीब पांच लाख रुपए के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक एहतेशाम वकारिब ने मंगलवार को यहां बताया कि जिले में साइबर अपराधियों के विरुद्ध अभियान जारी है।

हिरासत में लिए गए सोनम वांगचुक

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर राजधानी दिल्ली तक मार्च करने वाले जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सहित लद्दाख के करीब 120 लोगों को दिल्ली पुलिस ने शहर की सीमा पर हिरासत में ले लिया है। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार वांगचुक समेत हिरासत में लिए गए लोगों को अलीपुर और शहर की सीमा से लगे अन्य पुलिस थानों में ले जाया गया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली की सीमाओं पर

धारा 163 बीएनएस लागू कर दी गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वांगचुक और अन्य लोग सीमा पर रात बिताना चाहते थे। दिल्ली में निषेधाज्ञा लागू होने के कारण उन्हें पहले वापस जाने के लिए कहा गया, लेकिन जब वे नहीं रुके तो सीमा पर पहले से तैनात पुलिसकर्मियों ने वांगचुक समेत करीब 120 लोगों को हिरासत में ले लिया। वांगचुक और उनके समर्थकों को सोमवार रात को सिंघु बॉर्डर पर हिरासत में ले लिया। वांगचुक और उनके समर्थक, केंद्र सरकार से लद्दाख के नेताओं के साथ उनकी मांगों पर बातचीत फिर से शुरू करने का आग्रह करने के लिए लेह से नई दिल्ली तक पदयात्रा पर थे।

■ लद्दाख से समर्थकों के साथ दिल्ली पहुंचे थे
■ वांगचुक को सिंघु बॉर्डर से हिरासत में लिया

वांगचुक की गिरफ्तारी के विरोध में लेह में पूर्ण बंद

जम्मू। सोनम वांगचुक समेत करीब 120 प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी के बाद करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और एपेक्स बाडी, लेह ने मंगलवार को पूरे लद्दाख में बंद का ऐलान किया, जिसका पूरा असर देखने को मिला है। इन गिरफ्तारियों के बाद लद्दाख में बवाल मचा हुआ है। लद्दाख में जनता वांगचुक और अन्य प्रदर्शनकारियों की हिरासत का कड़ा विरोध किया। ज्यादातर दुकानें बंद रहीं।

राम रहीम की पैरोल पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को मंगलवार को पैरोल मिल गई है। डिविजनल कमिश्नर रोहतक ने राम रहीम को पैरोल दी है। इसके बाद बुधवार को डेरा प्रमुख जेल से बाहर आ जाएगा। हालांकि राम रहीम की पैरोल पर सवाल भी उठ रहे हैं। वहीं विधानसभा चुनाव से ठीक पहले गुरमीत राम रहीम को पैरोल देने का हरियाणा कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखकर कहा है कि राम रहीम के श्रद्धालुओं की संख्या बड़ी है, जो चुनाव को प्रभावित कर सकती है। साथ ही कांग्रेस की तरफ से पत्र में ये भी कहा गया कि राम रहीम के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए उसे चुनाव के दौरान पैरोल नहीं दी जानी चाहिए। इससे पहले डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख और रेप के दोषी गुरमीत राम रहीम सिंह ने 20 दिन की पैरोल का अनुरोध किया था। राम रहीम ने पांच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले पैरोल मांगी थी। आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण डेरा प्रमुख का पैरोल का आवेदन निर्वाचन कार्यालय को भेज दिया गया था।

■ जेल से आज बाहर आएगा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख

अभिनेता गोविंदा को लगी गोली, अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता गोविंदा को मंगलवार सुबह गोली लग गई। उन्हें उनकी ही बंदूक से गोली लगी, जिससे वह घायल हो गए हैं।

उनकी ही बंदूक से लगी गोली

यह घटना सुबह 4.45 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार जब अभिनेता गोविंदा कहीं जाने के लिए बाहर निकल रहे थे। कथित तौर पर एक्टर अपनी ही बंदूक को संभालते समय मिस फायर कर बैठे, जिससे उनके पैर में गोली लग गई।

घटना के बाद तुरंत उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी हालत ठीक है। अभिनेता गोविंदा को अस्पताल में डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

प्याज-टमाटर के बाद हरी सब्जियां भी हुई लाल

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। देश में त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ ही आम आदमी को महंगाई का झटका लगने जा रहा है। एक तरफ जहां एलपीजी गैस सिलेंडर के कीमतों में इजाफा हुआ हैं। वहीं दूसरी तरफ मंडियों में हरी सब्जियों के दाम में बढ़ोतरी देखी जा रही है। मंडियों में प्याज, टमाटर के साथ ही अब धनिया, शिमला मिर्च, पालक और लौकी जैसी सामान्य सब्जियों की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। इन दिनों हरा धनिया 200 से 300 रुपए, लहसुन 300 से 400 रुपए, मेथी

■ धनिया-लहसुन भी 200 के पार पहुंचे

200 से 250 रुपए, हरा मटर 200 से 240 रुपए प्रति किलो के भाव से फुटकर में बेचा जा रहा है। इसी तरह हरी मिर्च, गोभी, सेमी, पालक, परमल 60 से 80 रुपए प्रति किलो के दाम पर बिक रहे हैं। जबकि आलू, प्याज व टमाटर में भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है। वहीं बाजार में टमाटर के दाम अभी भी 50 से 60 रुपए प्रति किलों और प्याज के दाम 60 से 70 रुपए प्रति किलों बने हुए है।

एशिया की सबसे बड़ी सब्जी और फल थोक मंडी आजादपुर मंडी के व्यापारियों का कहना है कि, पिछले एक महीने में सब्जियों की कीमतों में उछाल आया है, क्योंकि इसकी खेती होने वाले इलाकों में अत्यधिक बारिश ने फसलों और सड़कों को नुकसान पहुंचाया है।

भारत और जमैका कई क्षेत्रों सहयोग बढ़ाएंगे

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत और कैरेबियाई देश जमैका ने कौशल विकास, क्षमता निर्माण, डिजीटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, लघु उद्योग, जैविक ईंधन, नवान्वेषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस के बीच मंगलवार को हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय शिखर बैठक में यह निर्णय लिया गया। श्री मोदी ने बैठक के बाद अपने मीडिया वक्तव्य में श्री होलनेस और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हुए कहा कि आज पहली बार जमैका के प्रधानमंत्री भारत की द्विपक्षीय यात्रा पर आए हैं। इसलिए हम इस यात्रा को विशेष महत्व देते हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री होलनेस लंबे समय से भारत के मित्र रहे हैं। मुझे कई बार उनसे मिलने का अवसर मिला है। और हर बार मैंने उनके विचारों में भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को महसूस किया है।

भारत की यात्रा पर आए हैं जमैका के प्रधानमंत्री

जानकारी अप्रैल में ही अंतरराष्ट्रीय व घरेलू विमान भरेंगे उड़ान

नोएडा एयरपोर्ट का अगले साल 17 अप्रैल से पहले उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। देशका पहला और दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन अप्रैल 2025 में होगा। 17 अप्रैल 2025 से अंतरराष्ट्रीय और घरेलू वाणिज्यिक विमानों की उड़ान शुरु हो जाएगी। पहले दिन से दुबई व सिंगापुर की उड़ान के साथ हवाई अड्डे का उद्घाटन हो सकता है। इससे पहले नोएडा एयरपोर्ट से 30 नवंबर को वाणिज्यिक परिचालन को लेकर विमानों का ट्रायल किया जाएगा।

ट्रायल के लिए इंडिगो, आकासा और एयरपोर्ट अथॉरिटी आफ इंडिया वाणिज्यिक एयरबस विमानों को पूरी क्षमता के साथ उड़ान व लैंडिंग कराई जाएगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यात्री सेवा का संचालन शुरू करने की समय सारिणी तय करने को लेकर मंगलवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरूणवीर सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण, महानिदेशक नागरिक विमानन, यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के अधिकारी शामिल हुए। नागर विमानन मंत्रालय ने

यात्री सेवा का संचालन शुरू करने के लिए समय सारिणी तय करने का जिम्मा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड को दे रखा था। बैठक में तय किया गया कि 17 अप्रैल से नोएडा एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय व घरेलू वाणिज्यिक विमानों का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। नियाल की तरफ से नागर विमानन मंत्रालय को पत्र भेज दिया गया।

■ 30 नवंबर से वाणिज्यिक विमान परिचालन को लेकर होगा ट्रायल

किन-किन देशों के लिए कितने वाणिज्यिक विमान लैंडिंग व उड़ान भरेंगे इसका फैसला इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन को करना है। जिसके लिए यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने आईएटीए से अनुमति मांगी है। उम्मीद है कि इस माह आईएटीए यापल को इसकी जानकारी उपलब्ध करा देगा। हालांकि नियाल की तैयारी है कि 17 अप्रैल से पहले भी एयरपोर्ट का उद्घाटन का करा दिया जाएगा। नियाल सीईओ का कहना है कि नियमानुसार अगर एक बार वाणिज्यिक विमानों के परिचालन की अनुमति मिल गई और निर्धारित समय से एयरपोर्ट का संचालन शुरू नहीं हुआ तो छह माह बाद ही वाणिज्यिक विमानों का परिचालन शुरू हो पाएगा। इससे पहले बैठक में केंद्रीय विभागों की अनापत्ति, ट्रायल आदि का समय भी निर्धारित कर दिया गया है। चार से छह अक्टूबर के बीच इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम का परीक्षण किया जाएगा। 15 अक्टूबर को कैलिब्रेशन के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाएगा। 15 नवंबर को विमान परीक्षण के फाइल डीजीसीए को भेज दी जाएगी। 25 नवंबर तक विमान ट्रायल प्रमाण पत्र और एयरोड्रम लाइसेंस मिल जाएगा।

देश

उवाच

मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान ने राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया है। उनके बयान में क्या गलत है। हम लोगों को उनसे इतनी बड़ी प्रेरणा मिली है। हम लोग फिर से आजादी का आंदोलन चला रहे हैं। इनसे हम देश को आजाद कराएंगे।

-पवन खेड़ा,कांग्रेस नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.0	25.0
मुंबई	31.0	27.0
कोलकाता	32.0	28.0
चेन्नई	31.0	28.0

प्रौद्योगिकी की ताकत के इस्तेमाल में सक्षम बनें अधिकारी : द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि सैन्य और सिविल अधिकारियों के लिए प्रौद्योगिकी की ताकत के इस्तेमाल में सक्षम होना जरूरी है क्योंकि इस ताकत के बिना वे संगठन, देश और

■ राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज पाठ्यक्रम के संकाय सदस्यों से की मुलाकात

समग्र रूप से मानव जाति की भलाई के लिए कुछ नहीं कर सकते। नवाचार पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि यह भी एक दूसरा कारक है जो अधिकारियों को भविष्य के लिए तैयार रखेगा। मुर्मु ने मंगलवार को यहां 64वें राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज पाठ्यक्रम के संकाय और पाठ्यक्रम सदस्यों से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। राष्ट्रपति ने कहा कि निरंतर बदल रही वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति कई तरह की चुनौतियां पेश कर रही हैं।

हाल के दिनों में जिस तेज गति से घटनाएं सामने आई हैं, शायद एक दशक पहले इसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को, चाहे वे सिविल सेवाओं से हों या रक्षा सेवाओं से, उन्हें अपने सामने आने वाली चुनौतियों और कमजोरियों के बारे में पता होना चाहिए, और उन शक्तियों के बारे में पता होना चाहिए जो ऐसी चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकती हैं। एक ताकत जो उनके पास होनी चाहिए और उसके बिना वे

■ निरंतर बदल रही वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति कई तरह की चुनौतियां कर रहीं हैं पेश : द्रौपदी मुर्मू

कुछ नहीं कर सकते, वह है अपने संगठनों, देशों और समग्र रूप से मानव जाति की भलाई के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में सक्षम होना।

राष्ट्रपति ने नवाचार पर दिया जोर

नवाचार एक अन्य कारक है जो उन्हें भविष्य के लिए तैयार रखेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि आज, हमारी सुरक्षा संबंधी चिंताएं क्षेत्रीय अखंडता से आगे बढ़कर राष्ट्रीय कल्याण के अन्य क्षेत्रों जैसे आर्थिक, पर्यावरण, ऊर्जा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा मुद्दों तक भी पहुंच गई हैं। इन चिंताओं के समाधान के लिए गहन शोध तथा समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास ने राष्ट्रों के

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनकर उभरे हैं साइबर हमले : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि साइबर हमले राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनकर उभरे हैं। साइबर हमलों से निपटने और उनका मुकाबला करने के लिए उच्च-स्तरीय तकनीकी हस्तक्षेप के साथ-साथ अच्छी तरह से प्रशिक्षित मानव संसाधन के साथ-साथ मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है। यह उन क्षेत्रों में से एक है जहां सिविल सेवाओं और सशस्त्र बलों को ऐसे हमलों को विफल करने में सक्षम एक सुरक्षित राष्ट्रव्यापी प्रणाली बनाने के लिए हाथ मिलाना चाहिए।

लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे की स्थापना और उपयोग करना अनिवार्य बना दिया है। शासन प्रणालियों में भारी मात्रा में डेटा और संवेदनशील जानकारी भी उपलब्ध है जिसे असुरक्षित नहीं छोड़ा जा सकता है। उन्होंने सभी से इस मुद्दे की गंभीरता को समझने और इसके समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

भाजपा से हाथ मिलाने में संकोच नहीं करेगी नेकां : इंजीनियर रशीद

श्रीनगर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के अध्यक्ष अब्दुल रशीद शेख ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) बहुमत हासिल नहीं कर पाई तो वह अगली सरकार बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हाथ मिलाने में भी नहीं झिझकेगी। रशीद ने विधानसभा चुनाव के तीसरे और आखिरी चरण के मतदान के तहत कुपवाड़ा जिले के लंगेट में एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने के बाद यह बात कही। रशीद ने संवाददाताओं से कहा कि अगर भाजपा और नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को लगेगा है कि पीडीपी के साथ हाथ मिलाने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है...तो मेरी भविष्यवाणी है कि नेकां और भाजपा जम्मू-कश्मीर में मिलकर अगली सरकार बनाने से परहेज नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए और भी बुरी चीजें होंगी, जिन्हें नेकां-भाजपा सरकार को देखना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के भूखे इन नेताओं के लिए लोगों पर शासन करने से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग कश्मीर में सत्ता के लिए लड़ रहे हैं, वे यहां के लोगों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं बल्कि कश्मीर में दिल्ली के हितों की रक्षा कर रहे हैं। बारामूला से सांसद रशीद को अपनी एआईपी पार्टी के सदस्यों के पक्ष में प्रचार

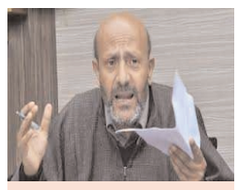

■ चुनाव में नेकां के बहुमत हासिल नहीं करने पर जताई संभावना

देश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने में वायुसेना पूरी तरह सक्षम : राजनाथ सिंह

■ जोगेंद्र सोलंकी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारतीय वायु सेना की 92वीं वर्षगांठ के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमें गर्व है अपनी वायुसेना पर, जो कि दुश्मनों के दांत खट्टे करने में पूरी तरह से सक्षम है। नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर एक कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने आत्मनिर्भर भारत पहल के साथ तालमेल बिठाते हुए, भारतीय वायुसेना को अत्याधुनिक तकनीक से मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर वायु वीर विजेता कार रैली के प्रतिभागियों को विदाई भी दी। लद्दाख के थोइस से शुरू होने वाला यह अनूठा कार्यक्रम, जो समुद्र तल से 3,068 मीटर ऊपर दुनिया के सबसे ऊंचे वायु सेना स्टेशनों में से एक है, का उद्देश्य भारतीय वायुसेना की वर्षगांठ मनाना है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग तक 7,000 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह रैली 8 अक्टूबर, 1932 को भारतीय वायुसेना की स्थापना का जश्न मनाना चाहती है। सिंह ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनके साहस, समर्पण और देशभक्तिपूर्ण सेवा के लिए वायु योद्धाओं की प्रशंसा की। यह रैली महज जश्न मनाने से कहीं बढ़कर एक महत्वपूर्ण उद्देश्य पूरा करती है। इसे युवाओं और भारतीय वायुसेना के सदस्यों के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देने, वायुसेना में रुचि जगाने और छात्रों में इसके प्रति सम्मान पैदा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पहल के

■ वायु सेना की वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में की शिरकत

जरिए, रक्षा मंत्री को उम्मीद है कि ज़्यादा से ज़्यादा युवा भारतीय सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए आकर्षित होंगे। गौरव, गर्व और राष्ट्रीय सेवा से भरे एक संपूर्ण जीवन की संभावनाओं को प्रदर्शित करके, इस कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक भूमिकाओं से परे भारत के युवाओं की करियर आकांक्षाओं को व्यापक बनाना है। इस कार्यक्रम में सिंह का संबोधन सिर्फ सेना की ताकत के बारे में ही नहीं था, बल्कि देश के युवाओं को प्रेरित करने के बारे में भी था।

उन्होंने भारत के प्रतिभाशाली व्यक्तियों के लिए सशस्त्र बलों में भविष्य की कल्पना करने की इच्छा व्यक्त की, जहां वे देश के लिए सम्मान और समर्पण से भरा जीवन जी सकें। रैली के प्रतिभागी लेह, कारगिल और जम्मू सहित विभिन्न रणनीतिक स्थानों पर रुकेंगे और 29 अक्टूबर को तवांग में अपनी यात्रा का समापन करेंगे। यह मार्ग भारतीय वायुसेना के ऐतिहासिक महत्व और भारत की संप्रभुता की रक्षा में इसकी भूमिका को रेखांकित करता है।

सार संक्षेप

मोदी ने कोविंद को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मोदी ने शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि हमारे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। समाज के प्रति उनकी सेवा और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान के लिए उन्हें व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है। विभिन्न विषयों पर उनकी अंतर्दृष्टि भी बहुत समृद्ध है। मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

पायलट कांग्रेस की 'न्याय यात्रा' की समाप्ति पर लेंगे भाग

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने नेतृत्व में चल रही कांग्रेस की 'न्याय यात्रा' मंगलवार को राजधानी के नगर निगम सीमा में प्रवेश कर गयी। यात्रा का रात्रि विश्राम सड्डू में होगा, जहां से यात्रा बुधवार यानी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की दो अक्टूबर को गांधी मैदान में विशाल आमसभा में परिवर्तित हो जायेगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी सचिन पायलट शास्त्री चौक से यात्रा में शामिल होंगे तथा वह गांधी चौक आमसभा में भी शामिल होंगे।

मुंबई में ट्रक ने स्कूली छात्रा को कुचला

मुंबई। महाराष्ट्र के उपनगर मुंबई में मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार डंपर ट्रक ने एक स्कूली छात्रा को कुचल दिया। पुलिस ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब बालिका अपने पिता के साथ स्कूल जा रही थी। ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना गोरेगांव में ओबेरॉय मॉल के पास हुई और लड़की की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पिता सुरक्षित बच गए। पुलिस ने ड्राइवर की गिरफ्तारी के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

बोकारो स्टील प्लांट के विस्थापितों को न्याय नहीं मिला : हेमन्त सोरेन

बोकारो। झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि एशिया का सबसे बड़ा स्टील प्लांट बोकारो में है लेकिन आज तक बोकारो के विस्थापितों को न्याय नहीं मिला। सोरेन ने मंगलवार को बोकारो जिले के चंदनकियारी में आयोजित योजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार के द्वारा कई योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है, चाहे वह मइँया योजना हो या 200 यूनिट मुफ्त बिजली या बिजली बिल माफ। अधिकारियों को गांव-गांव के घर तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईडी और सीबीआई से डरने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोकारो के लिए नया अध्याय जुड़ने जा रहा है।

भागलपुर में जोरदार बम धमाके से मचा हड़कंप

पटना/भागलपुर,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। भागलपुर में जोरदार बम धमाके से हड़कंप मच गया है। इसकी चपेट में आने से मैदान में खेल रहे तीन बच्चे बुरी तरह से झुलस गए हैं। घटना हबीबपुर थाना क्षेत्र के शाहजंही मैदान में हुआ है। दरअसल, शाहजंही मैदान इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया जब अचानक बम का जोरदार

■ तीन बच्चे बुरी तरह से झुलसे

धमाका हुआ। तेज धमाके की आवाज लोगों ने दूर तक सुनी। बम विस्फोट की बात सामने आ रही है। इसकी चपेट में आने से मैदान में खेल रहे तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मो. इरसाद के दो बेटे मन्ना और गोलू बुरी तरह से झुलस गए हैं। आनन-फानन में घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर रुप से झुलसे दो बच्चों को मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले के छानबीन में जुट गई है। धमाका बम का था या किसी दूसरी चीज का था, इसकी जांच चल रही है।

नीतीश मंत्रिमंडल की बैठक में 45 एजेंडों पर लगी सरकार की मुहर

शिक्षकों के ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर नहीं मिली मंजूरी

पटना,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री सचिवालय में चल रही नीतीश कैबिनेट की बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 45 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर लगी है। हालांकि शिक्षकों के ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर मंजूरी नहीं मिली है। ऐसे में अभी बिहार के शिक्षकों को और इंतेजार करना पड़ेगा।

मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में खगड़िया के गोगरी अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय में 10 कोर्ट भवन, हाजत भवन एवं एमिनिटी भवन के निर्माण के लिए 32 करोड़ 56 लाख 94 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई है। वही पूर्णिया के बनमनखी अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय में 10 कोर्ट भवन, हाजत भवन एवं एमिनिटी भवन के निर्माण कार्य के लिए 34 करोड़ 98 लाख 89 हजार रुपए की स्वीकृति मिली है। कटिहार के मनिहारी अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय में 10 कोर्ट भवन, हाजत भवन और एमिनिटी भवन बनेगा। इसके लिए 36 करोड़ 96 लाख 54 हजार की स्वीकृति दी गई है। वही वैशाली के महनार अनुमंडलीय व्यवहार

■ अब बिहार के शिक्षकों को करना पड़ेगा और इंतेजार

न्यायालय में भी 10 कोर्ट भवन के निर्माण के लिए 26 करोड़ 83 लाख 13 हजार रूपये, कैदी हाजत भवन के लिए 1 करोड़ 21 लाख 41 हजार और एमिनिटी भवन के लिए 6 करोड़ 83 लाख 60 हजार यानि कुल 34 करोड़ 88 लाख 14 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है।

वही सामान्य प्रशासन विभाग ने 2025 के लिए बिहार सरकार के कार्यालयों में अवकाश और निगोसियेबुल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत बिहार राज्य में अवकाश की घोषणा की है। वही बिहार सिविल सेवा (न्याय शाखा) (प्रशिक्षण एवं विभागीय परीक्षा) (संसोधन) नियमावली 2024 की स्वीकृति दी गई है। वही सारण समाहरणालय परिसर, छपरा में प्रस्तावित प्रशासनिक भवन के निर्माण में 44 करोड़ 37 लाख 74 हजार रुपये खर्च होंगे। इसके लिए भी स्वीकृति दी गई है। 11 नवम्बर से 20 नवम्बर तक राजगीर में हॉकी एशियन चैम्पियनशीप महिला ट्रॉफी के आयोजन के लिए बिहार सरकार ने हॉकी इंडिया को 10 करोड़ की राशि देने का फैसला लिया है। भवन निर्माण विभाग के नियंत्रणाधीन बापू टॉवर समिति के गठन एवं बिहार सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1960 के अंतर्गत निबंधन के लिए प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। वही मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच में नया केयर यूनिट बनाया जाएगा। मुख्य अभियंता संजय कुमार सिंह को 1 साल के लिए संविदा के आधार पर नियोजन दिया गया है।

चौथे कृषि रोड मैप के लिए 6212 करोड़ की मिली मंजूरी

पटना के बिहटा में 300 बेड का एक नया अस्पताल बनाने का भी फैसला लिया गया है। चौथी कृषि रोड मैप के लिए 6212 करोड रुपए की मंजूरी दी गई है। ललित नारायण मिश्रा आर्थिक विज्ञान संस्थान के सेवा शर्त नियमावली को मंजूरी दी गई। भवन निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता पटना राकेश कुमार को दो साल का एक्सटेंशन दे दिया गया। निगरानी विभाग में सीबीआई से सेवा प्राप्त पुलिस अधीक्षक को संविदा के आधार पर रखने को मंजूरी दी गई है। बिहार विधानसभा के सदस्य और बिहार विधान परिषद के सदस्य पूर्व सदस्य को चिकित्सा नियमावली में संशोधन किया गया है। उन्हें अब पहले से अधिक सुविधा मिलेगी। बिहार में मुख्यमंत्री वाहन चालक कल्याण योजना 2024 को मंजूरी दी गई है। सिवान के चंचूआ और जगदीशपुर को नगर पंचायत में शामिल किया जाएगा।

बिहार के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य में तेजी लाए सरकार : पप्पू यादव

दरभंगा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने मंगलवार को कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य में सरकार तेजी लाए और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की हेलीकॉप्टर से मॉनिटरिंग की जाए। यादव ने मंगलवार को बाइक पर सवार होकर दरभंगा जिले के अलग-अलग बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा किया और बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना। सांसद ने बाढ़ पीड़ितों को आर्थिक मदद पहुंचाई।

उन्होंने किरतपुर में कोसी नदी के टूटे तटबंध को देखा और बाढ़ पीड़ितों से उसका हालचाल भी जाना। यादव ने बाढ़ की त्रासदी को देखकर केंद्र और राज्य सरकार से बाढ़ पीड़तों की हर संभव मदद करने की मांग करते हुए कहा की चुनाव में तीस-चालीस हेलीकप्टर

■ बाइक पर सवार होकर दरभंगा में बाढ़ पीड़ितों का जाना हाल
■ केंद्र और राज्य सरकार से की बाढ़ पीड़तों की मदद की मांग

नेता और पार्टी लगाती है लेकिन बाढ़ पीड़ितों के लिए एक भी हेलीकप्टर मॉनिटर करने के लिए नहीं लगाया गया है।

उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा कि कोशी इलाके के लोगो का क्या दोष है। उन्होंने कहा कि सरकार को लगता है बाढ़ पीड़ितों को एक क्विंटल अनाज दे देंगे और

समूहिक रसोई चालू कराने की घोषणा की

जमालपुर पंचायत में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो के दौरा के क्रम में बाढ़ पीड़ितों का दर्द सुनकर पप्पू यादव भावुक हो गए और तत्काल उन्होंने दो जगहों पर अपनी तरफ से बाढ़ पीड़ितों के लिए कम्युनिटी किचन चालू कराने की न सिर्फ घोषणा की बल्कि इसके लिए उन्होंने तत्काल पचास-पचास हजार रुपए भी दिए, जिससे बाढ़ पीड़ितो का पेट भरा जा सके।

फिर 2025 के चुनाव में उनकी सरकार बन जाएगी। सांसद ने कहा कि बाढ़ की विभिषिका को देखते हुए सरकार को बाढ़ पीड़ित के लिए अपना खजाना खोल देना चाहिए।

अशोक कुमार वर्मा ने उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारतीय रेलवे भंडार सेवा के 1987 बैच के अधिकारी श्री अशोक कुमार वर्मा ने उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले श्री वर्मा केंद्रीय रेलवे विद्युतीकरण संगठन (कोर) प्रयागराज के महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। श्री वर्मा ने विभिन्न पदों पर भारतीय रेलवे की सेवा की है। श्री वर्मा को भंडार से संबंधित मुद्दों के साथ-साथ सामान्य प्रशासन में भी कार्य का व्यापक अनुभव प्राप्त है। श्री वर्मा ने उत्तर पश्चिम रेलवे में प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलुरु मंडल के मंडल रेल प्रबंधक और उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक के रूप में कार्य के साथ रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, रेलवे भंडार के रूप में भी काम किया है।

श्री अशोक कुमार वर्मा ने मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,

प्रयागराज से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री और आईआईएम, कोलकाता से एमबीए की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड मैटेरियल मैनेजमेंट से पब्लिक प्रोक्योरमेंट (बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं में पब्लिक प्रोक्योरमेंट) में डिप्लोमा और नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी से अल्टर्नेट डिस्प्यूट रिज़ोल्यूशन मेकैनिज़्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है। उन्हें वित्त और सार्वजनिक खरीद में व्यापक अनुभव है।

आज औपचारिक रूप से उत्तर रेलवे में कार्यभार संभालने के बाद श्री अशोक कुमार वर्मा ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। सभी मंडल रेल प्रबंधक भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए श्री वर्मा ने अपनी प्राथमिकताएं बताईं। उन्होंने कहा कि रेलवे की कार्यप्रणाली में समयपालनबद्धता और संरक्षा सबसे महत्वपूर्ण मापदंड हैं। श्री वर्मा ने आगे कहा कि कार्य स्थल पर संरक्षा और कर्मचारियों की संरक्षा भी बेहद महत्वपूर्ण है। कर्मचारी कल्याण मामलों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कर्मचारियों से जुड़े मामलों को निपटाते समय वरिष्ठ अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को उपलब्ध रहना चाहिए और ऐसे मामलों को एक निर्धारित समयावधि में निपटाया जाना चाहिए।

चुनाव — विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण में कश्मीर बार्डर पर सुनाई दी ईवीएम की बीप ध्वनि

एलओसी से सटे गांवों में मतदाताओं ने खुलकर डाले वोट

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। कश्मीर बार्डर पर एलओसी से सटे दो गांवों-करनाह और करनाह में पिछले एक दशक में पहली बार विधानसभा चुनाव का अंतिम चरण हुआ, जो बंदूकों और गोलियों की आवाजों से दूर रहा। मंगलवार सुबह सात बजे से ही इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की आवाजें सुनाई देने लगी थीं।

इस खूबसूरत गांव में सुबह से ही लंबी कतारें देखी गईं। करनाह निवासी जिब्रान खटाना का कहना था कि हम हमेशा से मतदान करते आए हैं, लेकिन इस बार मतदान इस डर के बिना हो रहा है कि कहीं हमारे घरों, मकानों और खेतों पर गोले और गोलियां न गिर जाएं। लेकिन आज हम बिना किसी डर के मतदान कर रहे हैं। हमने इस बार बदलाव के लिए मतदान किया है, क्योंकि हमारे क्षेत्र को खोखले वादों से परे गुणवत्तापूर्ण विकास की जरूरत

■ करनाह गांव में विकास के लिए किया गया मतदान

है। 70 वर्षीय शमीमा बेगम ने पत्रकारों के साथ बात करते हुए कहा, इस बार चुनाव उनके लिए बहुत मायने रखते हैं। वे बकहती थीं कि पहले लोग मतदान से डरते थे क्योंकि उन्हें डर था कि मतदान केंद्रों पर गोले गिर सकते हैं। मैंने 2012 में एलओसी पर गोलीबारी में अपना पैर खो दिया था। वे आगे कहती थी कि आज का वोट विकास सुनिश्चित करने और अपने घर के पुनर्निर्माण के लिए है। मैंने अपने घर की मरम्मत खुद करने की कोशिश की, लेकिन नहीं कर पाई। मेरे पति की 2010 में ही मृत्यु हो गई और मैं चार बच्चों का पेट पाल रही हूं। करनाह के 90 वर्षीय मतदाता अब्दुर रहमान खटाना कहते थे कि वे करनाह में विकास देखने के लिए मतदान कर रहे हैं। वे कहते थे कि मैं परिवहन सेवा, बेहतर सड़कें और नल का पानी देखना चाहता हूं। मैं यह भी देखना चाहता हूं कि युद्ध विराम बरकरार रहे, अन्यथा हमारा जीवन फिर से नरक बन जाएगा।

उड़ी में मतदान केंद्रों के बाहर भी उत्सव का माहौल था। नंबला गांव के निवासी अबुर रजाक पठान कहते थे कि उड़ी को पिछली सभी सरकारों ने हमेशा उपेक्षित किया है। पठान ने कहा कि हम बदलाव चाहते हैं, असली बदलाव। हम यहां नौकरी नहीं बल्कि बेहतर सड़कें, गुणवत्तापूर्ण बिजली और अपने बच्चों के लिए शिक्षा चाहते हैं। हम यह भी चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच युद्ध विराम बना रहे। उन्होंने कहा कि अगर दोनों देशों द्वारा युद्ध विराम का उल्लंघन किया जाता है, तो उड़ी फिर से नरक बन जाएगा। प्रासंगिक रूप से, दोनों देश युद्ध विराम की पवित्रता को भावना में बनाए रख रहे हैं, जिसका लाभ कश्मीर और जम्मू क्षेत्रों में सीमा के करीब रहने वाले लोगों को मिला है। जबला गांव के स्थानीय सरपंच लतीफ अहमद खटाना ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उड़ी के लोगों के लिए शिक्षा पहली प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि हम ऐसे उम्मीदवार को वोट दे रहे हैं जो सुनिश्चित करेगा कि स्कूलों को अपग्रेड किया जाए और सभी शैक्षणिक स्कूलों के लिए शिक्षकों को लाया जाए।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

छात्र : जेब में एक बीड़ी हो तो टूट जाती है और पूरा बंडल हो तो नहीं टूटता...!
बेचारे मास्टर जी अब तक बेहोश हैं...!

दिल्ली में बढ़ते अपराध चिंताजनक : कांग्रेस

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ राजधानी दिल्ली में बढ़ती अपराधिक गतिविधियों, खुले आम गोली बारी, महिलाओं के साथ बढ़ते अत्याचारों और लोगों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करने के लिए मंगलवार को जय सिंह रोड़ स्थित पुलिस मुख्यायल पहुंचकर दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा से मुलाकात की और उन्हें एक भी ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के साथ दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री हारुन यूसूफ, मंगतराम सिंघल, प्रो. किरण वालिया, अ.भा.क. कमेटी सचिव अभिषेक दत्त और रोहित चौधरी, पूर्व विधायक सुमेश शौकीन, निगम में कांग्रेस दल की नेता नाजिया दानिश, जिला अध्यक्ष चौ. जुबैर अहमद और मिर्जा जावेद अली शामिल थे। देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से केन्द्र में भाजपा और दिल्ली में आम आदमी पार्टी सत्तासीन होने के बाद देश सहित राजधानी में अपराधों में जिस कदर बढ़ोतरी हो रही है, उससे दिल्लीवासियों में भय और असुरक्षा बढ़ रही है और लोगों में पुलिस पर विश्वास खत्म हो रहा हैं। राजधानी दिल्ली देश के सर्वाधिक अपराधग्रस्त राज्यों में से एक है। देवेन्द्र यादव ने पुलिस कमीश्नर से मिलने के बाद बताया कि दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध

■ **बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने की पुलिस आयुक्त से मुलाकात**

पिछले दस वर्षों से देश सहित राजधानी में अपराधों में जिस कदर बढ़ोतरी हो रही है, उससे दिल्लीवासियों में भय और असुरक्षा बढ़ रही है : देवेन्द्र यादव

चिंताजनक है वहीं दिल्ली की छोटी-छोटी गलियां में हो रहे अवैध शराब के कारोबार, नशीली पदार्थों, ड्रग की बिक्री की बढ़ोतरी में कहीं न कहीं बेरोजगारी बहुत बड़ा कारण है, जो युवाओं के लिए परेशान करने वाली बात है।

देवेन्द्र यादव ने ज्ञापन में कहा कि राजधानी में गिरोह में अपराध व गोलीबारी की घटनाओं में वृद्धि, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोत्तरी, चोरी, डकैती, चैन स्नेचिंग, साईबर अपराध में वृद्धि, अवैध शराब और नशीली दवाओं के व्यापार में वृद्धि लगातार दर्ज होना अत्यंत चिंता का विषय है और उससे भी दुखद यह है कि सरकारों की नाकामियों के कारण सड़क दुर्घटनाओं में अधिक वृद्धि और इस ट्रेफिक पुलिस का लचर रवैया तथा ई-रिक्शा चालकों पर अनावश्यक रुप से भारी जुर्माना करना भी विचारनीय विषय है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि पर्यावरणविद सोनम वांगचुक जो लद्दाख के संवैधानिक अधिकारों और वहां पर्यावरण के लिए लददाख को छठी अनुसूची का दर्जा दिलाने के लिए जो अपने 120 से अधिक साथियों के साथ राजघाट पर शांति पूर्ण मार्च करने के लिए आ रहे थे जिनकों दिल्ली बार्डर पर पुलिस बल द्वारा हिरासत में लेना अलोकतांत्रिक है और भाजपा की मोदी सरकार की तानाशाही का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि लद्दाख के भविष्य के लिए खड़े होने वाले बुजुर्ग नागरिकों को

दिल्ली में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर पर भी चिंता जताई

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में बढ़ते ट्रेफिक हालात और सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। साथ ही कहा कि ई-रिक्शा चलाकर छोटी-मोटी कमाई करके अपना जीवन चलाने वाला से ट्रैफिक पुलिस द्वारा अनावश्यक रूप से 20000 तक का भारी जुर्माना वसूलना अनैतिक है, इस पर पुलिस तुरंत ध्यान दें। देवेन्द्र यादव ने बताया कि पुलिस कमीश्नर ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल की बात को धैर्यपूर्वक सुना और राजधानी में अपराधों में वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आश्वासन भी दिया। पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी कि कानून व्यवस्था को नियंत्रण में लाया जाए।

दिल्ली की सीमा पर हिरासत में क्यों लिया जा रहा है। भाजपा की केंद्र सरकार का किसानों की तरह यह गलत कार्यवाही में उनका अंहकर जल्द टूटेगा। वांगचुक दिल्ली में लद्दाख के लिए लोकतंत्र मांगने आए है। क्या भाजपा की तानाशाह सरकार में भारतीय नागरिकों को अपना विरोध दर्ज कराने का अधिकार नही है, आखिर मोदी सरकार कब तक देश की आवाज को दबाऐगी।

राजधानी दिल्ली में आने का सबको अधिकार : केजरीवाल

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी ने लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर कुछ लोगों के साथ दिल्ली आ रहे प्रख्यात समाजसेवी सोनम वानचुंग को हिरासत में लेने पर कड़ी आपत्ति जताई है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि दिल्ली में आने से कभी किसानों को रोकते हैं, तो कभी लद्दाख के लोगों को रोकते हैं। क्या दिल्ली किसी एक शख्स की बपौती है। दिल्ली तो देश की राजधानी है और दिल्ली में आने का सब को अधिकार है। यह सरासर गलत है। आखिर निहत्थे शांतिपूर्ण लोगों से इन्हें क्या डर लग रहा है।

सोनम वानचुंग की गिरफ्तारी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने दिल्ली के बॉर्डर पर गिरफ्तार कर लिया है। सोनम वानचुंग लद्दाख में रहते हैं। उन्होंने पूरे देश का खूब मान-सम्मान बढ़ाया है। उनके इनोवेशन और एजुकेशन के आइडियाज, पर्यावरण के क्षेत्र में उनके किए गए काम से पूरा देश और दुनिया लाभांवित हो रहा है। सोनम वानचुंग अपने साथ समाजसेवी, आर्मी से सेवानिवृत्त कर्मचारी समेत कुछ प्रख्यात लोगों को लेकर मंगलवार को दिल्ली बॉर्डर पर पहुंचे थे। मनीष सिसोदिया ने कहा कि सोनम वानचुंग का इरादा था कि वह दो अक्टूबर महात्मा गांधी की समाधि

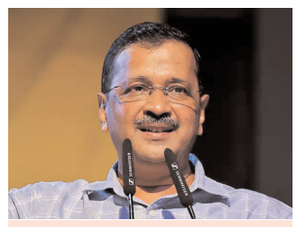

■ **सोनम वानचुंग की हिरासत पर बोले केजरीवाल**

पर बैठ कर लद्दाख की स्थिति पर चर्चा करें। केंद्र की भाजपा सरकार ने लद्दाख के अधिकार छीन लिया है। कुछ साल पहले तक लद्दाख पूर्ण राज्य होता था। लेकिन भाजपा ने लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बना दिया है। सोनम वानचुंग समेत लद्दाख के बहुत सारे लोग पूर्ण राज्य की मांग को लेकर दिल्ली आ रहे थे। उनका कहना है कि भारत में लोकतंत्र है और संविधान में लोगों को अपनी सरकार चुनने का अधिकार है। हमें भी अपनी राज्य सरकार चुनने का अधिकार दिया जाए। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस किया जाए। केंद्र सरकार ने सोनम वानचुंग को दिल्ली में आने से रोकने के लिए बॉर्डर पर अपनी पूरी फोर्स लगा दी और दिल्ली में प्रवेश करने से पहले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया और थाने में रखा गया है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार यह क्या कर रही है। दिल्ली तो सबकी है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक हर भारतवासी का दिल्ली आने का अधिकार है।

सार संक्षेप

वेरांडा के-12 ने अविन्या की शुरुआत की

नई दिल्ली। वेरांडा लर्निंग सॉल्यूशंस का हिस्सा वेरांडा के-12, युवा नवोन्मेषकों की अगली पीढ़ी की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम अविन्या की शुरुआत की घोषणा कर रहा है। यह रोमांचक पहल रचनात्मकता व समस्या-समाधान के जुनून वाले छात्रों को एकजुट करने के लिए बनाई गई है। अविन्या एक नवोन्मेष केंद्र है जो युवा उद्यमियों को 17 संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों एसडीजी के साथ संरेखित अभूतपूर्व विचारों को विकसित करने के लिए सशक्त बनाता है, जिसका लक्ष्य वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटना है। भारत भर के कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों को लिंक के माध्यम से भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। जिससे उन्हें न केवल अपने नवोन्मेषी विचारों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है, बल्कि समाज पर एक स्थायी प्रभाव डालने का भी अवसर मिलता है।

खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के नरेला क्षेत्र में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत आज बवाना स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के आयुक्त अश्वनी कुमार, निगम में उपनेता प्रतिपक्ष श्री जयभगवान यादव, नरेला क्षेत्र के चेयरमैन पवन सहरावत, नरेला क्षेत्र के पार्षदगण, नरेला क्षेत्र के उपायुक्त पवन यादव सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। दिल्ली नगर निगम के आयुक्त अश्वनी कुमार ने इस अवसर पर नरेला क्षेत्र के स्वच्छता सैनिकों से मुलाकात की एवं उनकी समस्याएं सुनी। आयुक्त महोदय ने वहां उपस्थित कर्मचारियों को जूट के बने थैले वितरित किए।

राजधानी में लंबित कार्य जल्द होंगे पूर्ण : आतिशी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली को गड्ढा मुक्त करने को लेकर दूसरे दिन मंगलवार को भी आम आदमी पार्टी की सरकार एक्टिव मोड में रही। मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार सुबह रिंग रोड पर सराय काले खां, निजामुद्दीन, नेहरू विहार फ्लाइओवर, मूलचंद अंडरपास व अगस्त क्रांति मार्ग का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़कें जर्जर हालत में पाया। कई स्थानों पर पाइप लाइन या बिजली की तारें डालने के लिए सड़कें खोदी गई लेकिन उन्हें रिपेयर नहीं किया गया है। सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे हैं। इस कारण सड़कों पर ट्रैफिक होता है और लोगों को समस्या का सामना करना पड़ता है। सीएम ने अधिकारियों की निर्देश दिया कि सभी सड़कों को रिपेयर करने का काम युद्धस्तर पर किया जाए ताकि लोगों को बेहतर सड़कें मिल सकें। सीएम आतिशी ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली के लोगों को परेशान करने के लिए दिल्लीवालों के काम रोकने के लिए अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया और उन्हें जेल में डाला। भाजपा की साजिश थी कि किसी भी तरह आम आदमी पार्टी की सरकार के कामों को रोका जाए, ठप किया जाए। लेकिन भाजपा की ये साज़िश हर तरह से नाकाम है। अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आ गए हैं और उनके मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार दिल्लीवालों के हर रुके

■ **दूसरे दिन भी आतिशी समेत सभी मंत्रियों ने सड़कों का लिया जायजा**

काम करवाएगी। सोमवार की तरह मंगलवार को भी वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, सीएम आतिशी समेत सभी मंत्री सड़कों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के लिए सुबह-सुबह सड़क पर उतर गए। सीएम ने रिंग रोड पर सराय काले खां, निजामुद्दीन, नेहरू विहार फ्लाइओवर, मूलचंद अंडरपास व अगस्त क्रांति मार्ग का निरीक्षण किया तो मनीष सिसोदिया ने मंत्री सौरभ भारद्वाज के साथ अलकनंदा, सीआर पार्क की सड़कों का जायजा लिया और कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली को गड्ढा मुक्त करने की मुहिम छेड़ी है। अब इसका असर दिखने लगा है। पिछले कुछ

केजरीवाल का काम सिर्फ कागजों में नहीं, जमीन पर भी होता है : मनीष सिसोदिया

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को मंत्री सौरभ भारद्वाज के साथ अलकनंदा, सीआर पार्क क्षेत्र का दौरा कर सड़क की स्थिति का निरीक्षण किया। मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने जेल से बाहर आने के बाद दिल्ली की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने की जो मोहिम चलाई है उसका असर दिखने लगा है। सबसे पहले केजरीवाल मुख्यमंत्री के साथ सड़कों पर उतरे थे और अब सभी मंत्री खुद निरीक्षण कर रहे हैं। दिल्ली अब बहुत जल्द गड्ढा मुक्त हो जाएगी। कल सड़क पर बहुत गड्ढे मिले थे, आज इसकी अच्छे से मरम्मत कर दी गई है। अभी थोड़ा सा काम रह गया है। आज रात तक यह बन जाएगी।

घंटों में कई सड़कों की मरम्मत हो गई है। वहीं, सीएम आतिशी ने कहा कि पूरी कैबिनेट सड़कों का निरीक्षण कर रही है।

गांधी जयंती समारोह का किया गया आयोजन

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। श्यामलाल महाविद्यालय सांध्य, दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी अध्ययन केंद्र द्वारा गांधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कालेज प्राचार्य प्रोफेसर नचिकेता सिंह ने गांधी के

विचारों को जीवन में आत्मसात करने के लिए सबको प्रेरित किया। वालंटियर ने नाट्य प्रस्तुति, भजन गायन, कविता पाठ के माध्यम से समारोह को जीवंत कर दिया। गांधी अध्ययन केंद्र के प्रभारी डॉ. अमित सिंह ने सबको स्वच्छता शपथ दिलवाई और धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए स्वदेशी और स्वच्छता को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर गांधी अध्ययन केंद्र समिति के सदस्य एवं अन्य शिक्षक, छात्र, कर्मचारी समारोह में बड़ी संख्या में शामिल रहे।

उपराज्यपाल के तुगलकी फरमान से हैरान : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली सचिवालय में दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज पूरी दिल्ली के लोगों के सोशल ग्रुप में, व्हाट्सएप ग्रुप में, फेसबुक पर केंद्र में बैठी भाजपा सरकार द्वारा चुने गए दिल्ली के उपराज्यपाल महोदय के अधीन आने वाली दिल्ली पुलिस का एक तुगलक्की फरमान घूम रहा है, जिसमें पुलिस ने कहा है, कि अगले कुछ दिनों तक दिल्ली में एक कर्फ्यू जैसी स्थिति बनाकर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल के अधीन आने वाली पुलिस ने यह तुगलकी फरमान अपनी मर्जी से जारी किया है। इस तुगलकी फरमान के अनुसार यदि कहीं किसी भी स्थान पर पांच से अधिक लोग एक साथ पाए गए तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। तीन तारीख से देश भर में हिन्दुओं के त्योहार शुरु होने वाले हैं और ऐसे में उपराज्यपाल महोदय की दिल्ली पुलिस का यह फरमान हिंदुओं की आस्था के खिलाफ है। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि तीन तारीख से नवरात्रि शुरू होने वाले हैं लोग अपने घरों से बाहर निकलेंगे, बाजार में खरीदारी करने जाएंगे, मंदिरों में पूजा के लिए अपने पूरे परिवार के साथ जाएंगे।

दिल्ली में अब लग सकेंगे वैध बिजली के मीटर

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के सक्सेना द्वारा आज भाजपा संगठन एवं सांसदों की दिल्ली के शहरीकृत गांवों, अनधिकृत कालोनियों, विभिन्न सरकारी योजनाओं में सरकारी भूमी आबंटकों के आलावा नान कंफर्मिंग एरिया के गोदामों एवं फैक्ट्रियों को बिना एनओसी बिजली का मीटर देने की मांग को स्वीकृत कर आदेश पत्र जारी करने का स्वागत किया है।

उत्तर रेलवे

पहला शुद्धिपत्र

विज्ञापित निविदा सूचना क्रमांक. क्रमांक 128-W/DEN-IV/NIT-66-W-IV-24-25 दिनांक 27.09.2024 कार्य के लिए, जिसका नाम है "दिल्ली डिवीजन पर DLI-BTI सेक्शन पर ADEN/JHI के तहत थिक वेब स्विच के साथ TTR।" अनुबंध मूल्य को 3,33,03,255.38/- रुपये में और ईएमडी को 3,16,500/- रुपये में बदल दिया गया है। प्रशासनिक आधार पर आईआरईपीएस पर।

सं. 128-डब्ल्यू/डेन-IV/एनआईटी-66-डब्ल्यू-IV-24-25 दिनांक: 01.10.2024 3045/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भारतीय रेल

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
रेल मंत्रालय

विषयः रेल थीम वाले स्मृति चिन्हों की आपूर्ति के लिए विक्रेताओं के पैनल में शामिल करने हेतु पक्षकारों की बैठक

भारतीय रेलवे एजेंसियों, कलाकारों, उद्यमियों, निर्माताओं, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs), स्टार्ट–अप्स, स्वयं सहायता समूहों और लघु इंजन मॉडल, रेल थीम वाले खिलौने, बर्तन, उपहार, मर्चेंडाइज आदि के डिज़ाइन और उत्पादन में लगे अन्य इच्छुक पक्षों से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित करने का इरादा रखता है। यह आमंत्रण रेल–थीम वाले स्मृति चिन्हों के डिज़ाइन, विकास, निर्माण और आपूर्ति के लिए पैनल में शामिल विक्रेता (Empanelled Vendor) बनने के लिए आयोजित पक्षकारों की बैठक के लिए है।

पैनल में शामिल विक्रेताओं को रेल–थीम वाले स्मृति चिन्हों को डिज़ाइन, विकसित, निर्मित और भारतीय रेलवे, अन्य सरकारी मंत्रालयों/विभागों और आम जनता को ऑफलाइन स्टोर के साथ–साथ GeM पोर्टल और भारतीय रेलवे की वेबसाइट के माध्यम से आपूर्ति करने का अवसर प्राप्त होगा।

इस EOI के संबंध में पक्षकारों से सुझाव प्राप्त करने और महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा करने के लिए निम्नानुसार एक बैठक निर्धारित की गई है:

तारीखः 08 अक्टूबर 2024, **समयः** 11:00 बजे से 13:00 बजे तक

स्थानः कॉन्फ्रेंस हॉल, दूसरी मंजिल, रेल भवन, नई दिल्ली

इच्छुक फर्मों से अनुरोध है कि वे इस महत्वपूर्ण चर्चा में भाग लें और अपना योगदान दें। इच्छुक फर्मों से अनुरोध है कि वे बैठक में उपस्थित होने वाले प्रतिनिधि का नाम, फर्म का नाम और मोबाइल नंबर जैसी जानकारी **7 अक्टूबर 2024 को 11:00 बजे** तक ईमेल द्वारा भेज दें, ताकि समन्वय सुचारू रूप से हो सके। किसी भी प्रश्न या स्पष्टीकरण के लिए, कृपया संपर्क करें:

संयुक्त निदेशक का कार्यालय
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली–110021
ईमेल आईडीः nrmoffice.india@gmail.com,
souvenir.nrm.india@gmail.com 3034/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ओमेगा–1(पी–2), ग्रेटर नौएडा
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट : www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक : वाई.ई.ए./भूलेख (तह0)/985/2024 दिनांक : 30.09.2024

सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औ० वि० प्राधिकरण द्वारा अतिरिक्त प्रतिकर वितरण किया जाना प्रस्तावित है:–

मूंजखेड़ा

क्रम	योजना का विवरण	खसरा नम्बरान	टिप्पणी
1	सैक्टर–24 के 18 मी. सड़क	969 व 582	

उपरोक्त भूमि के अतिरिक्त प्रतिकर वितरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है, तो वह लिखित रूप में प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर सी०आर०सेल/तहसीलदार यमुना एक्सप्रेसवे औ० वि० प्राधिकरण के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

पत्रांक : वाई.ई.ए./भूलेख/709/2024 दिनांक : 01.10.2024

निम्नलिखित भूमि का यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर वितरण किया जाना प्रस्तावित है:–

क्र०सं०	ग्राम का नाम	खसरा संख्या का विवरण सैक्टर–20 के अन्तर्गत पडने वाला खसरा संख्या
01	पचोकरा	49

भूमि के अतिरिक्त प्रतिकर वितरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर सी०आर० सेल/तहसीलदार, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

पत्रांक : वाई.ई.ए./भूलेख (तह0)/989/2024 दिनांक : 01.10.2024

निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औ० वि० प्राधिकरण द्वारा अतिरिक्त प्रतिकर वितरण किया जाना प्रस्तावित है–

मूंजखेड़ा

क्रम	योजना का विवरण	खसरा नम्बरान	टिप्पणी
1	सैक्टर– 22डी	748 (0.2774हे0)	

उपरोक्त भूमि के अतिरिक्त प्रतिकर वितरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है, तो वह लिखित रूप में प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर सी०आर०सेल/तहसीलदार यमुना एक्सप्रेसवे औ० वि० प्राधिकरण के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

विशेष कार्याधिकारी
यमुना एक्सप्रेसवे औ० वि० प्राधिकरण।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लॉन के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग/कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफरोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट **www.yamunaexpresswayauthority.com** देखें।

आयोजन *इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय ने मनाया अपना 24वां स्थापना दिवस*

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में शहीद नायकों को किया याद

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय ने मंगलवार को अपना 24वां स्थापना दिवस मनाया। एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जेपी मैथ्यू ने पर्पल फ्रेटरनिटी के सभी रैंकों की ओर से शहीद नायकों की याद में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में पुष्पांजलि अर्पित की। आईडीएस मुख्यालय प्रत्याशित चुनौती की अवधारणा के आधार पर तीनों सेनाओं के बल संरचनाओं, आधुनिकीकरण और उपकरणों के विकास को समन्वय, एकीकरण व नीतिगत इनपुट प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेफ्टिनेंट जनरल जेपी मैथ्यू ने पर्पल फ्रेटरनिटी के सभी रैंकों की ओर से शहीद नायकों को पुष्पांजलि अर्पित की।

रक्षा खुफिया जानकारी को मजबूत करने और सैन्य कूटनीति को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त योजनाओं की तैयारी में रक्षा सेवाओं के प्रयासों में भी आईडीएस मुख्यालय की महत्वपूर्ण है। आईडीएस मुख्यालय राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समूह के एक भाग के रूप में रणनीतिक और संयुक्त संचालन के लिए संयुक्त सिद्धांत तैयार करने, तीनों सेनाओं और मित्र देशों के साथ संयुक्त प्रशिक्षण को बढ़ाने, अंतर-संचालन योग्य परिचालन रसद और मानवीय सहायता और आपदा राहत संचालन योजनाओं को विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एकीकृत क्षमता विकास प्रणाली को अपनाना, रक्षा नेटवर्क के निर्बाध एकीकरण और डेटा का लाभ उठाने के लिए संयुक्त संचार की डिजाइन, तीनों सेनाओं के सैटेलाइट अर्थ स्टेशन और आईआरएनएसएस के साथ नाविकों को जोड़ने, साइबर स्पेस संचालन और जल-थल संचालन पर संयुक्त सिद्धांत, पांच संयुक्त सेवा प्रशिक्षण संस्थानों की

■ **एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जेपी मैथ्यू ने की पुष्पांजलि अर्पित**

स्थापना, तीन संयुक्त रसद प्रणाली की स्वीकृति मिलना संभव हुआ है, जबकि चार अन्य का कार्य प्रगति पर है। साथ ही, सामान्य रखरखाव और समर्थक इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाना आईडीएस मुख्यालय के तत्वावधान में प्रमुख मील के पत्थर हैं। पिछले एक साल के दौरान, संयुक्त कमांडरों का सम्मेलन 2024, शीर्ष नेतृत्व स्तर पर तीन त्रि-सेवा कमांडरों के सम्मेलन और सेवा प्रमुखों और आईडीएस के सभी घटकों के साथ दो परिवर्तन-चिंतन शिविर जैसी कई प्रमुख पहल की गईं। आईडीएस ने मित्र देशों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत में पांच नए रक्षा विंग किए गए हैं स्थापित

विभिन्न देशों में 18 नए रक्षा विंग बनाए जा रहे हैं और भारत में पांच नए विंग स्थापित किए गए हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए बड़ी संख्या में संयुक्त स्टाफ वार्ता की गई है। सुनिश्चित अंतर-संचालन के लिए संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास, विशेष रूप से एक्स इंद्रा, एक्स टाइगर ट्रायम्फ और एक्स ब्राइट स्टार आयोजित किए गए हैं। यह सेनाओं के बीच एकीकरण और संयुक्तता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई अनेक पहलों में अग्रणी बना हुआ है, तथा अपने आदर्श वाक्य संयुक्तता के माध्यम से विजय को सार्थक कर रहा है।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

महापौर तथा नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार नवरात्रि महोत्सव को सफल बनाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम 24 घंटे व्यवस्था में डटा रहेगा। सभी विभागीय अधिकारियों को भी कार्य करने की निर्देश दिए हैं। आवश्यकता अनुसार मंदिरों के बाहर साफ सफाई चुने की व्यवस्था भी की जाएगी, लाइटों को भी दुरुस्त किया जाएगा जिसके लिए काम अभी से जारी है मंदिर प्रबंधकों तथा पुजारी से भी लगातार समन्वय किया जा रहा है जन सुविधाओं को देखते हुए कार्यों को रफ्तार दी गई है : **अरुण कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त**

सभी विभाग करें सामंजस्य के साथ काम : इन्द्र विक्रम सिंह

गाजियाबाद, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। साहिबाबाद ड्रेनेज ओवरफ्लो समस्या के समाधान को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी इंद्र विक्रम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ मंथन किया उन्होंने निर्देश दिया कि ट्रांस हिंद्रांस क्षेत्र में जल्द से जल्द ओवरफ्लो की समस्या का निस्तारण किया जाए साथी जो भी क्षतिग्रस्त सिविल लाइन है उसको दुरुस्त किया जाए।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की उपस्थिति में साहिबाबाद ड्रेनेज व्यवस्था को सुधारने के लिए संबंधित विभाग यूपी सीडा, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, यूपीपीसीबी तथा नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में तुलसी निकेतन से होते हुए शाहदरा तक जाने वाले ड्रेनेज के बारे में चर्चा हुई। ड्रेनेज का डायवर्जन करते हुए ओवरफ्लो की रोकथाम की योजना बनाई गई। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में सभी संबंधित विभागों की बैठक साहिबाबाद ड्रेनेज सिस्टम को लेकर हुई जिसमें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की टीम तथा

■ साहिबाबाद ड्रेनेज व्यवस्था को बेहतर करने के लिए जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ किया मंथन

गाजियाबाद नगर निगम जलकल विभाग की टीम को संयुक्त सर्वे करने के लिए कहा गया है। शॉर्ट टर्म प्रोग्राम बनाते हुए ओवरफ्लो की रोकथाम के लिए कार्य करने की निर्देश दिए गए हैं। इसी के साथ-साथ यूपीपीसीबी के अधिकारियों को भी औद्योगिक क्षेत्र में निरीक्षण करते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। औद्योगिक क्षेत्र जो की बिना जल शोधित करें ड्रेनेज में बहा रहे हैं कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। साहिबाबाद ड्रेनेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी विभागों को संयुक्त रूप से कार्य करने के लिए कहा गया है जिसमें गाजियाबाद नगर निगम को अहम भूमिका निभाते हुए साहिबाबाद ड्रेनेज व्यवस्था को बेहतर करने की रिपोर्ट प्रत्येक सप्ताह प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। बृज विहार व अन्य क्षेत्र में डैमेज लाइनों को शीघ्र व्यवस्थित करने के लिए मुख्य रूप से अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। जिसके कारण हो रहे ओवरफ्लो से क्षेत्र वासियों को राहत मिलेगी शीघ्र कार्रवाई के लिए कहा गया है, जल निगम के चीफ आरके पंकज ने बृज विहार की 237 मीटर,1400 एमएम की लाइन को दुरस्त करने के लिए टीम को कहा है जिससे साहिबाबाद ड्रेनेज में बहुत अधिक ओवरफ्लो की समस्या का समाधान होगा निर्णय लिया गया है, मौके पर सभी संबंधित अधिकारी जी एम गाजियाबाद नगर निगम, चीफ जल निगम व अन्य उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर जगमगाएंगे मंदिर, चकाचक होंगी सड़कें

गाजियाबाद, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने नवरात्रि महोत्सव को लेकर मंदिरों के प्रबंधकों, पुजारी व महंतों से बैठक करते हुए योजना बनाई। जिसमें प्राचीन मंदिरों जैसी की दिल्ली गेट स्थित देवी मंदिर, दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर, मोहन नगर देवी मंदिर व अन्य धार्मिक स्थलों पर साफ सफाई की विशेष प्रबंध के लिए कहा गया है। इसी के साथ-साथ प्रकाश, मार्ग में पैच वर्क, पीने के पानी की व्यवस्था, पानी के छिड़काव की व्यवस्था प्रतिदिन फागिंग की व्यवस्था व अन्य आवश्यक कार्रवाई के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव ने बताया कि महापौर तथा नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार नवरात्रि महोत्सव को सफल बनाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम 24 घंटे व्यवस्था में डटा रहेगा। सभी विभागीय अधिकारियों को भी कार्य करने की

■ नगर आयुक्त ने व्यवस्था संभालने के लिए लगाई अधिकारियों की ड्यूटी

निर्देश दिए हैं। आवश्यकता अनुसार मंदिरों के बाहर साफ सफाई चुने की व्यवस्था भी की जाएगी, लाइटों को भी दुरुस्त किया जाएगा जिसके लिए काम अभी से जारी है मंदिर प्रबंधकों तथा पुजारी से भी लगातार समन्वय किया जा रहा है जन सुविधाओं को देखते हुए कार्यों को रफ्तार दी गई है, पानी के टैंकर की व्यवस्था डस्टबिन की व्यवस्था के लिए भी विभागों को आदेश दिए गए हैं, नवरात्रि के क्रम में आयोजित 10 दिवसीय कार्यक्रमों में भी गाजियाबाद नगर निगम जुटा हुआ है आयोजित रामलीलाओं में भी नगर निगम की अहम भूमिका देखने को मिल रही है सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने का कार्य किया जा रहा है। 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक आयोजित 10 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान तथा आयोजित रामलीला कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं से गाजियाबाद नगर निगम का सहयोग करने की अपील नगर आयुक्त ने की है। स्वच्छता को बनाए रखने के लिए जन-जन को जागरूक किया जा रहा है इसी क्रम में आयोजित कार्यक्रमों में भी अपनी भूमिका निभाते हुए गंदगी न होने देने के लिए अपील की गई है।

सार संक्षेप

ओरिएंटेशन और फ्रेशर 2024 का आयोजन

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित सत्यम स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एंड मास कम्युनिकेशन में मंगलवार को ओरिएंटेशन और फ्रेशर 2024 कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नई छात्राओं का स्वागत करना और उन्हें संस्थान के साथ पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र से परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि परंजय गुहा ठाकुरता मीडिया विशेषज्ञ व संस्थान के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। जिसके बाद छात्राओं के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। इस अवसर पर पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में सफल करियर बनाने के लिए आवश्यक कौशल और मूल्यों पर विशेष चर्चा की गई। गुहा ठाकुरता ने पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में अपने अनुभव और ज्ञान को साझा किया। उन्होंने छात्राओं को मीडिया में उभरते रुझानों, चुनौतियों और संभावनाओं के बारे में बताया। उनका प्रेरणादायक भाषण छात्रों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगा और उनके भविष्य के करियर की दिशा में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक होगा।

मकान मालिक व किराएदार के बीच जमकर मारपीट

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-93 एक्सप्रेस व्यू सोसाइटी में मारपीट का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। ये मारपीट दो पक्षों के बीच हो रही है। जिसमें एक पक्ष किराएदार है और दूसरा पक्ष मकान मालिक का है। बताया गया कि किराएदार मकान खाली नहीं कर रहा था। इसको लेकर कई बार मकानमालिक किराएदार से बोल चुका था। सोमवार रात को भी इसी बात को लेकर बहस हो गई। इस मामले में पुलिस दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान संजय कुमार और धर्मेन्द्र भडाना हुई है। जिसके बाद मकान मालिक और किराए दार दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट सोसाइटी की सड़क तक पहुंच गई। इसमें दोनों पक्ष के परिवार एक दूसरे के साथ मारपीट करते दिख रहे है। वहां मौजूद अन्य लोगों ने इसका एक वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों से लिखित शिकायत ली। इसके बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया। बताया गया कि काफी महीनों से दोनों पक्ष के बीच विवाद चल रहा है।

सेक्टर के बाहर खड़े जनसेट से टकराई कार

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-44 में एक बड़ा हादसा होने से बच गया। हालांकि इस हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। जिस समय ये हादसा हुआ कार में पांच लोग बैठे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। किसी को चोट नहीं लगी है। सभी को घर भेज दिया गया है। हादसे का एक वीडियो सामने आया है। जिसके बाद लोगों ने पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। थाना सेक्टर-39 पुलिस द्वारा कार्यवाही की जा रही है। दरअसल सेक्टर-44 में एक बिल्डर का कंस्ट्रक्शन काम कर रहा है। उसने सड़क पर जनसेट लगा रखा है।

अधिकारियों व कर्मचारियों ने बीएसएनएल डे पर लिया ग्राहकों की संतुष्टि का प्रण

गाजियाबाद, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। एक अक्टूबर सन् 2000 को अस्तित्व में आए बीएसएनएल कंपनी को पूरे 24 साल हो गए हैं। 24 साल पूरे होने पर मंगलवार को बीएसएनएल के अधिकारी और कर्मचारी 'बीएसएनएल डे' मना रहे हैं। इस

मौके पर बिजनेस एरिया गाजियाबाद के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बीएसएनएल के लोगों छपी टी-शर्ट पहनकर सड़कों पर रैली निकाल कर ग्राहकों को आकर्षित करने का काम किया। निजी ऑपरेटर के मोबाइल सिम को बीएसएनएल में पोर्ट कराने के लिए उपभोक्ताओं की बढ़ती भारी तादाद और ग्राहकों की लंबी-लंबी कतारों ने एक बार फिर बीएसएनएल कंपनी में जान फूंक दी है। इसी से उत्साहित होकर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मिलकर 'बीएसएनएल डे' मनाया और इस अवसर पर मिलकर केक काटा। केक काटने की मौके पर महाप्रबंधक सुभाष चंद्र ने सभी का हौसला बढ़ते हुए कहा कि जिस तरह ग्राहकों की भीड़ बीएसएनएल सिम लेने के लिए उमड रही है अब वह दिन दूर नहीं की एक बार फिर कंपनी ऊंचाइयों को छूएगी। इस मौके पर महा प्रबंधक ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को अपने उत्तरदायित्वों का बखूबी निर्वहन करते हुए कंपनी को ऊंचाइयों तक ले जाना है। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी इस मौके पर प्रण किया कि ग्राहकों की संतुष्टि के लिए वह पूरी लगन और मुस्तैदी के साथ कंपनी हित में काम करेंगे। स्मोकिंग पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मिलकर दूरसंचार कॉलोनी एवं आसपास में स्वच्छता अभियान भी चलाया।

नगर आयुक्त ने संभव में की जनसुनवाई, 26 शिकायतें आई

गाजियाबाद, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। नगर निगम मुख्यालय पर संभव जनसुनवाई का आयोजन हुआ। संभव में 26 शिकायतें आयी। निर्माण विभाग से प्रलगभग 10 संदर, स्वास्थ्य संबंधित 4, उद्यान संबंधित 1, लाइट संबंधित 1 सं, टैक्स विभाग संबंधित 3 जलकल विभाग संबंधित 1 तथा अतिक्रमण संबंधित 6शिकायतें मिली।

अवैध अतिक्रमण की शिकायतों पर नगर आयुक्त के

जोनल प्रभारी की टीम को स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए तथा मार्गों को व्यवस्थित करने के लिए भी कहा गया चल रहे त्योहार पर दुकानदारों तथा ठेली पटरी व्यापारियों से भी व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए निगम का सहयोग करने के लिए अपील की मौके पर अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, संयुक्त नगर आयुक्त ओमप्रकाश व अन्य समस्त विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चार युवकों की मौत मामले में आरोपी ट्रैक्टर चालक गिरफ्तार

नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। रविवार रात ट्रैक्टर और अल्टो कार की टक्कर में चार युवकों की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने टैक्टर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पहचान जावेद पुत्र गुलफान हुई है। मूलरूप से हापुड़ का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी को मोरना बस स्टैण्ड के पास से गिरफ्तार किया। वो भागने की फिराक में था। इसके टैक्टर को पहले ही जब्त किया जा चुका है। पूछताछ में इसने बताया कि वह गाजीपुर दिल्ली से कचरा भरकर नोएडा की एक कंपनी में सप्लाई करता है। रविवार रात को भी वह कचरा भरकर कंपनी में ले जा रहा था। इस दौरान अल्टो कार से उसके ट्रेक्टर का एक्सीडेंट हो गया। वो डर गया था इसलिए वहां से भाग गया। बता दे इस हादसे में दिल्ली के न्यू कोंडली के चार युवकों की मौत हो गई थी। एक युवक का इलाज मेट्रो अस्पताल में चल रहा है।

■ शहर छोड़ने की फिराक में था आरोपी

परिजनों की ओर से शिकायत की गई थी। जिसके बाद कोतवाली सेक्टर-24 पुलिस की टीम आरोपी की तलाश कर रही थी। मुखबीर से सूचना मिलने पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया कि रविवार रात करीब 2 बजे एक अल्टो से पांच लड़के दिल्ली की ओर जा रहे थे। शिवानी फर्नीचर सेक्टर-11 के पास ट्रैक्टर ने कार में टक्कर मार दी।

फोनरवा पदाधिकारियों ने खुद संभाली सफाई की जिम्मेदारी

नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। सफाई कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर अचानक हड़ताल के कारण शहर में व्यापक रूप से गंदगी फैल रही है। फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने बताया कि सफाई कर्मचारियों कि हड़ताल के कारण नोएडा शहर गंदगी से अट गया। जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए नालियां चोक हो गईं। संक्रामक रोगों को लेकर लोगों में भय व्याप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि नोएडा के सेक्टरों में आरडब्ल्यूए लगातार शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। परंतु हड़ताल के कारण सेक्टरों में गंदगी की भरमार हे। जिससे नोएडा की सुंदरता और छवि धूमिल हो रही है। सेक्टरों में कूड़ा के ढ़ेर व गंदगी न रहे आज फोनरवा के आह्वान पर सेक्टर 40,45,72,122 तथा अन्य सेक्टरों में आरडब्ल्यूए द्वारा अपने कर्मचारियों व नोएडा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कर्मचारियों कि मदद से सफाई कि गई। उन्होंने कहा कि जल्दी ही नोएडा कि आरडब्ल्यूए अपने अपने सेक्टर में अपने व नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारियों कि मदद से सफाई अभियान चलाएंगे।

■ चार सेक्टरों में प्राधिकरण कर्मियों के साथ मिलकर चलाया सफाई अभियान
■ स्वच्छता कर्मियों के हड़ताल पर जाने से शहर में लगे हैं कूड़े के ढेर

महासचिव के के जैन ने कहा कि नोएडा में डेंगू और मलेरिया के मामले दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा नोएडा के सफाई कर्मचारियों से निवेदन है कि कृपया वे अपना सफाई का कार्य करते रहे और अपनी मांगों के लिए नोएडा प्राधिकरण से वार्ता करके जल्दी से जल्दी समस्या का समाधान करें।

व्यवस्था की बदहाली, पांच सौ घरों को नहीं मिल रहा पानी

■ सीपी पाठक

खोड़ा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। इसे व्यवस्था की बदहाली कहे या जिम्मेदार अधिकारियों की घोर लापरवाही। छोटी बदइंतजामी का परिणाम कैसे लोगो को भुगतना पड़ता है। दूरगामी प्रभाव का कितना व्यापक असर होता है। जिम्मेदार आराम फरमाते है खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ता है। शायद यही वेदना है लाचार सिस्टम की। लगभग पच्चीस वर्ष पहले पूर्व सांसद सुरेंद्र गोयल के प्रयास से जल निगम द्वारा निकाय क्षेत्र के अंतर्गत आदर्श नगर बारात घर के समीप लोगो को पानी मुहैया करने से उद्देश्य से सरकारी ट्यूबवेल लगाया गया था। ट्यूबेल से लगभग पांच-छ सौ घरों को पाइपलाइन द्वारा पानी उपलब्ध करवाया जाता है। जिसके एवज में लोग जलकर भी जमा करवाते है। सात वर्ष पहले नपा के अस्तित्व में आने के बाद जल निगम गाजियाबाद द्वारा ट्यूबवेल को नपा को हैंडओवर कर दिया गया। नगर कांग्रेस कमेटी के खोड़ा मंडल अध्यक्ष ने पिछले एक वर्ष से बीमार ट्यूबवेल को नपा के अधिकारियों को पत्र देकर ठीक कराने की मांग की है। छ माह पूर्व सभासद होतिलाल सिंह चौहान ने भी ट्यूबवेल को ठीक कराने की मांग नपा से की थी। एक तरफ खोड़ा में लोग पेयजल के लिए त्राहि त्राहि कर रहे है। वहीं जिम्मेदार लोगो की उदासीनता से उपलब्ध संसाधनों के उपयोग में भी घोर लापरवाही के मामले देखने को मिल रहे है। राजेश गुप्ता का आरोप है कि नपा द्वारा ट्यूबवेल को ऑपरेट करने के लिए तीन आउटसोर्सिंग कर्मचारी रखे गए है। कर्मचारी ट्यूबवेल को चालू करके ताला लटकाकर घर निकल जाते है। हाई लो वोल्टेज की वजह से बार बार मोटर फुंक जाती है। इसलिए लोगो को पेयजल की बात छोड़ दीजिए नहाने बर्तन कपड़े धोने के लिए पानी उपलब्ध नहीं होता। विपरीत लोग पानी का बिल देते है। नपा के अवर अभियंता जल नवनीत गुप्ता जल का कहना है कि बोर 370 फिट गहरा है। बोर फेल हो गया है।नए बोर के लिए ई टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है शीघ्र ही नया बोर करवाकर सरकारी ट्यूबवेल को चालू करवाया जाएगा।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 3 बदमाश पकड़े

नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। नोएडा पुलिस का बदमाशों के खिलाफ अभियान जारी है। सोमवार देररात पुलिस एमिटी गोल चक्कर के पास जांच कर रही थी। इस दौरान तील लोग एक सफेद स्कूटी पर आते दिखे। पुलिस ने जांच के लिए उनको रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर भागने लगे। करीब 700 मीटर पीछा किया गया। वार्निंग दी गई। इसके बाद स्कूटी पी पीछे बदमाश ने पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायर किया। गोली बदमाश के पैर में लगी। बाकी दोनों बदमाश उतरकर भागने लगे। पुलिस ने घायल बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। वहीं कांबिंग के जरिए बाकी दोनों बदमाशों को गिरफ्तार किया। घायल बदमाश की पहचान मनीष पुत्र महेंद्र हुई है। इसके इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। बाकी दोनों बदमाशों की पहचान विशाल और सुमित हुई है। ये तीनों ही शातिर किस्म के बदमाश है। तीन दिन पहले ही इन तीनों ने सेक्टर-98 के पास से एक ई रिक्शा लूटा था। जिसको बरामद किया गया है। ये लोग तमंचा और चाकू के बल बर राह चलते

■ एक बदमाश को लगी गोली, तीन दिन पहले लूटा था ई रिक्शा, खंगाला जा रहा आपराधिक रिकॉर्ड

लोगों से लूटपाट की घटना करते थे। साथ ही अगर कोई विरोध करता था तो उसे चाकू तक मार देते थे। पुलिस ने इनके पास से एक तमंचा बरामद किया है। डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि इनका आपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है। इन लोगों ने दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और अन्य शहरों में लूटपाट की है। सफेद स्कूटी से ये तीनों एक साथ लूटपाट करते थे। सोमवार रात को भी ये लोग लूट के इरादे से बाहर निकले थे। लेकिन पुलिस के साथ इनकी मुठभेड़ हो गई।

पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाए पुष्करिणी तालाब

नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसके) संजय कुमार खत्री द्वारा प्राधिकरण के उप महाप्रबन्धक (सिविल) विजय रावल एवं वर्क सर्किल 6, 8, 9 के साथ विभिन्न आगामी परियोजनाओं जिसमें सोरखा में प्रस्तावित पुष्कर्णी तालाब, भंगेल एलिवेटेड रोड के प्रस्तावित लूप स्थल एवं सुल्तानपुर में प्रस्तावित तालाब के स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर एसीईओ ने तालाब के सौन्दर्यीकरण परियोजना के दौरान तालाब परिसर में पाथ-वे का निर्माण करने के लिए कहा गया। तालाब परिसर में आने वाले लोगों के वाहनों की पार्किंग बनाने के लिए कहा गया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सोरखा में प्रस्तावित पुष्करिणी तालाब को पर्यटक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए। बता दे इसके निर्माण के लिए 13.00 करोड़ की सैद्धान्तिक स्वीकृति मिल चुकी है। वर्तमान में परियोजना का बजट चेक किया जा रहा है। तत्पश्चात अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने डीएससी मार्ग पर निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड पर प्रस्तावित लूप स्थल का निरीक्षण किया। लूप का निर्माण, एक्सप्रेस-वे से एनएच 9 को जोड़ने वाले विश्वकर्मा मार्ग पर आवागमन करने वाले यातायात के एलिवेटेड रोड पर चढ़ने व उतरने के लिए किया जाना

■ नोएडा प्राधिकरण एसीईओ ने किया निरीक्षण
■ सुल्तानपुर में बन रहे तालाब पर बनाया जाए छठ घाट

प्रस्तावित किया गया है। जोकि मूल परियोजना का भाग नहीं है। वर्तमान में 7 एक्स सेक्टरों एवं ग्राम बरौला, हाजीपुर, सलारपुर आदि के निवासियों की सुविधा के दृष्टिगत उक्त लूप का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। इसके बाद एसीईओ ने सुल्तानपुर में प्रस्तावित तालाब स्थल का निरीक्षण किया। तालाब के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ परिसर में एक ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज भी लगवाया जाए। तालाब को इस प्रकार विकसित किया जाए कि नोएडावासियों द्वारा उक्त तालाब का छठ इत्यादि पर्व पर भी उपयोग किया जा सके। इसके निर्माण पर करीब 5 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

फ्लैट बेचने के नाम पर धोखाधड़ी होगी बंद

नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। अक्सर देखा गया कि बिल्डर मुनाफा कमाने के लिए एक ही फ्लैट कई लोगों को बेच देता है। वो अपना तो मुनाफा कमा लेता लेकिन इससे राजस्व की बड़ी हानि होती है। नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने बताया कि क्योंकि नोएडा में त्री पक्षीय रजिस्ट्री होती है। यहां जितनी बार भी फ्लैट बिकेगा प्राधिकरण को ट्रांसफर चार्ज देता है। जिसे तकनीकी रूप से ट्रांसफर ऑफ मैमोरेंडम कहते है। बिल्डर अब ये चालाकी नहीं कर सकेगा। नए नियम के तहत बिल्डर को एग्रीमेंट टू सेल करने के साथ ही बायर्स की रजिस्ट्री करानी होगी। जिससे बायर्स को मालिकाना हक मिलेगा। ऐसा करने से बायर्स का पूरा रिकार्ड प्राधिकरण में अपडेट हो जाएगा। इससे बिल्डर किसी दूसरी को फ्लैट नहीं बेच सकेगा। यदि ऐसा करता है तो बायर्स को प्राधिकरण से टीएम कराना होगा और चार्ज देना होगा। दूसरा बायर्स को समय से फ्लैट मिलेगा। अब तक ये व्यवस्था लागू नहीं थी। ऐसे में बिल्डर धोखे से एक ही फ्लैट को कई बार बेचकर मुनाफा कमाता था। साथ ही बायर्स के साथ भी धोखाधड़ी होती थी। ऐसे कई मामले रेरा और नोएडा के थानों में दर्ज है। जिसमें बिल्डर ने बायर्स से धोखाधड़ी करके एक ही फ्लैट कई लोगों को बेचा और सभी से टीएम के नाम पर पैसे लिए।

■ बिल्डर को बुकिंग के साथ ही बायर्स की करानी होगी रजिस्ट्री
■ नहीं होगी राजस्व चोरी, लागू होगा नया नियम

क्या कहता है नया नियम इसे समझे

नए नियम के तहत कोई बायर्स बिल्डर से फ्लैट खरीदने जाता है। बुकिंग के समय 10 प्रतिशत राशि देकर बिल्डर उसके पक्ष में एग्रीमेंट टू सेल एक्सक्यूट करेगा। साथ ही इस प्रॉपर्टी की वैल्यू के अनुसार स्टॉप डियूटी देते हुए इसे रजिस्टर कराना होगा। निर्माण पूरा होने के बाद पजेशन देते समय 100 रुपए के स्टांप पेपर पर पजेशन डीड रजिस्टर किया जा सकता है।

नए नियम से फायदे

नोएडा में सबसे बड़ी समस्या रजिस्ट्री नहीं होना है। यहां बिल्डरों ने प्राधिकरण का पैसा जमा नहीं किया। जिसके एवज में प्राधिकरण ने रजिस्ट्री रोक दी है। अमिताभ कांत सिफारिश के बाद बिल्डर से 25 प्रतिशत राशि लेकर राजिस्ट्री की जा रही है। नए नियम के तहत ऐसा कुछ नहीं होगा। जैसे ही बायर्स फ्लैट की राशि 10 प्रतिशत देकर बुकिंग कराएगा। उसी समय बिल्डर बायर्स के पक्ष में एग्रीमेंट टू सेल करते हुए कुल वैल्यू की स्टॉप डियूटी देते हुए रजिस्ट्री कराएगा। एक बार रजिस्ट्री होने से बायर्स को मालिकाना हक मिलेगा। साथ ही डर समाप्त हो जाएगा कि उसका फ्लैट कही और नहीं बिका है। प्राधिकरण या सरकार को राजस्व मिलेगा। साथ ही बिल्डर की ओर से की जाने वाली हेराफेरी समाप्त होगी।

बोर्ड में जाएगा प्रस्ताव

इससे संबंधित एक पत्र नोएडा ग्रेटरनोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण को अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त की ओर से भेजा गया है। यमुना प्राधिकरण ने बोर्ड में प्रस्ताव लाकर इसे अपने यहां लागू कर दिया है। वहीं नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक भी जल्द होने जा रही है। इस प्रस्ताव को बोर्ड में लाया जाएगा। वहां से अप्रूवल मिलते ही इसे लागू कर दिया जाएगा।

उवाच "

नई परियोजनाओं को पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी करते हुए प्राधिकरण द्वारा विशेष रूप से विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार करने में बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में निर्देश दिए गए। बिल्डरों को अपनी परियोजनाओं की अनिवार्य से त्रैमासिक प्रगाति रिपोर्ट भरने की व्यवस्था की गई है,ताकि निर्माण की प्रगति के बारे में फ्लैट व दुकान खरीदारों को वास्तविक प्रगति के बारे में जानकारी मिलती रही :

संजय भूसरेड्डी, यूपी रेरा अध्यक्ष

नोएडा एयरपोर्ट ने सबसे कम समय में निर्माण कार्य पूरा कर स्थापित किया कीर्तिमान

■ देवेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। नागरिक उड्डयन विकास के मामले में उत्तर प्रदेश देश में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रहा है। देश का सबसे बड़ा नोएडा इंटरनेशनल ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा शिलान्यास होने के चार साल पांच दिन में उड़ान भरने को तैयार है। देश में अभी तक इतने कम समय में कोई भी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनकर तैयार नहीं हुआ। 30 नवम्बर 2024 को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विमानों का वाणिज्यिक परिचालन का ट्रायल होने जा रहा है। 17 अप्रैल 2025 से अंतरराष्ट्रीय व घरेलू वाणिज्यिक विमानों का परिचालन शुरू होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने 25 नवम्बर 2021 को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास किया था। अब उन्हीं के हाथों से इस एयरपोर्ट का उद्घाटन अप्रैल 2025 में होने जा रहा है। यह उत्तर प्रदेश का पांचवां इंटरनेशनल एयरपोर्ट है।

- ■ देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट शिलान्यास के चार साल पांच दिन उड़ान भरने को तैयार
- ■ शुरुआत में नोएडा एयरपोर्ट से 65 विमानों के परिचालन की संभावना
- ■ एयरपोर्ट सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की क्षमता के साथ होगा शुरू

फेस-एक में 1365 हेक्टेयर में हो रहा एयरपोर्ट का निर्माण

गौतमबुद्धनगर के जेवर में फेस-एक में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण 1365 हेक्टेयर में किया जा रहा है। जिसमें एक रनवे, टर्मिनल बिल्डिंग, एटीसी टॉवर आदि का निर्माण कार्य करीब पूरा हो चुका है। फेस-एक में एयरपोर्ट के छह गांव की जमीन किसानों की सहमति से लिया गया। खास बात यह है कि देश में नया जमीन अधिग्रहण कानून लागू होने के बाद प्रदेश में पहली बार जेवर में एयरपोर्ट के लिए नए जमीन अधिग्रहण कानून के तहत किसानों से जमीन ली गई। एयरपोर्ट के दायरे में आ रहे दो गांव को सैकड़ों किसानों को पुर्नवास व विस्थापन किया गया।

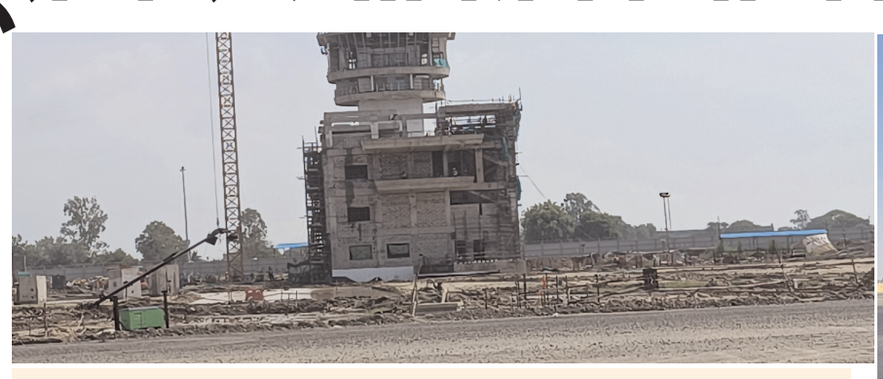

देश में पहली बार नागरिक उड्डयन में शत-प्रतिशत विदेशी पूंजी निवेश

नोएडा एयरपोर्ट देश का ऐसा पहला एयरपोर्ट बनने जा रहा है। जिससे शत प्रतिशत विदेशी पूंजी निवेश हुआ है। स्वीटजरलैंड की ज्यूरिख एजी एयरपोर्ट ने हवाई अड्डे के निर्माण के लिए राजस्व शेयरिंग पर बोली जाती। उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह द्वारा पहली बार कल्पना किए जाने के 18 साल बाद हवाई अड्डे के निर्माण के लिए बोली जीती, हवाई अड्डे का मालिक है। 2022 में ज्यूरिख एजी एयरपोर्ट ने निर्माण कार्य के लिए टाटा प्रोजेक्ट्स का चयन किया।

सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की क्षमता के साथ शुरू होगा एयरपोर्ट

नोएडा एयरपोर्ट का लक्ष्य नवम्बर से शुरुआती परीक्षण उड़ानों के बाद अप्रैल 2025 तक वाणिज्यिक परिचालन शुरू करना है। ज्यूरिख एयरपोर्ट के स्वामित्व वाला यह एयरपोर्ट सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की क्षमता के साथ शुरू होगा, जो अंततः सालाना 70 मिलियन यात्रियों का प्रबंधन करेगा। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी क्रिस्टोफश्नेलमैन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दूसरा हवाई अड्डा, नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनआईए) अप्रैल 2025 में वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने के लिए तैयार है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों परिचालनों को एकीकृत तरीके से संभालने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है। अपने शुरुआती चरण में, हवाई अड्डे में एक ही रनवे और टर्मिनल होगा, जो सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों को समायोजित करने में सक्षम होगा। चौथे चरण के पूरा होने पर, हवाई अड्डे की क्षमता बढ़कर प्रति वर्ष 70 मिलियन यात्रियों को संभालने की हो जाएगी। इंडिगो और अकासा एयर सहित कई एयरलाइनों ने पहले ही नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

एयरपोर्ट शुरू होने से पहले बेहतर कनेक्टिविटी से जुड़ा

हवाई अड्डे के पहले चरण में एक टर्मिनल, एक रनवे, 10 एयरोब्रिज और 25 पार्किंग स्टैंड शामिल होंगे। निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए, हवाई अड्डे तक छह सड़कों, एक रैपिड रेल-कम-मेट्रो प्रणाली और लाइट रेल के माध्यम से पहुंचा जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, हवाई अड्डे को बल्लभगढ़ में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे से जोड़ने के लिए 31 किलोमीटर का ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे निर्माणाधीन है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 16,000 करोड़ रुपए के रैपिड रेल कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है जो दो हवाई अड्डों और दिल्ली के अन्य हिस्सों को जोड़ेगा। जिसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने डीपीआर तैयार किया। 2031 तक रैपिड रेल यानि नमो भारत का परिचालन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

जलपुरा गौशाला में बायोगैस संयंत्र लगाएगा ग्रेनो प्राधिकरण

- ■ आरएफपी जारी किया गया, संयंत्र की क्षमता 50 टन प्रतिदिन होगी
- ■ संयंत्र की स्थापना पर 17 करोड़ रुपए का खर्च आने का अनुमान
- ■ इससे प्राधिकरण को 18 से 20 लाख रुपए की कमाई होगी

जलपुरा गोशाला में बायो गैस संयंत्र स्थापित किए जाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए आरएफपी जारी किया गया है। इस क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के सुझाव प्राप्त होने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस प्रोजेक्ट पर लगभग 17 करोड़ रुपए खर्च किया जाएगा। कूड़ा प्रबंधन पर प्राधिकरण का विशेष जोर है : **इंदु प्रकाश सिंह, ओएसडी, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण।**

ग्रेटर नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। क्षेत्र के गांव जलपुरा स्थित गौशाला में गोबर व अन्य अपशिष्ट से कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) बनाने के लिए संयंत्र स्थापित किया जाएगा। जिसकी क्षमता 50 टीडीपी (टन प्रतिदिन) होगी। प्राधिकरण ने आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) जारी कर दिया है। इच्छुक कंपनियां 14 अक्टूबर तक आवेदन कर सकती हैं। संयंत्र स्थापित होने से जहां गोबर निस्तारण की समस्या दूर हो जाएगी,वहीं प्राधिकरण को हर साल 18 से 20 लाख रुपए की कमाई भी होगी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा संचालित की जा रही जलपुरा गौशाला में इस समय 2500 से अधिक गौवंश हैं। इनसे प्रतिदिन लगभग 25 टन गोबर उत्सर्जित होता है। इसका निस्तारण प्राधिकरण के सामने बड़ी चुनौती है। क्षेत्र के पौवारी गांव में नवनिर्मित गौशाला भी जल्द शुरू हो जाएगी। ऐसे में गोबर का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण कर उससे उपयोगी वस्तु तैयार किए जाने पर जोर दिया जा रहा है। कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र स्थापित किए जाने की तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण के मुताबिक बायो गैस संयंत्र की स्थापना पर 17 करोड़ रुपए का खर्च आने का अनुमान है। गोबर के साथ कंपनी अन्य अपशिष्ट जैसे भूसा आदि से बायो गैस बनाएगी। यहां तैयार बायो गैस का व्यवसायिक इस्तेमाल किया जाएगा। इससे प्राधिकरण इससे प्राधिकरण को हर साल 18 से 20 लाख रुपए की कमाई हो सकती है। बायो गैस बनाने के बाद जो अवशेष बचेगा, उसका खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

मॉडल गौशाला के रूप में विकसित करने की तैयारी

जलपुरा की गौशाला को प्रदेश की मॉडल गौशाला के रूप में विकसित किए जाने की तैयारी है। इस संबंध में सीईओ एनजी रवि कुमार द्वारा विशेष दिशा निर्देश दिए गए हैं। अगले एक माह में इस पर काम शुरू हो जाएगा।

क्या है कम्प्रेस्ड बायो गैस

कम्प्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) सीएनजी की तरह एक प्रकार का ईंधन है। यह अत्यंत ज्वलनशील पदार्थ है, जिसका उपयोग वाहनों में किया जा सकता है। यह बायोमास यानी कृषि अपशिष्ट, गोबर, सुगरकेन प्रेस, ठोस अपशिष्ट व सीवेज उपचार संयंत्र अपशिष्ट आदि से तैयार की जाती है।

रेरा ने एक माह में 37 नई परियोजनाओं को पंजीकरण प्रमाण पत्र किया जारी

ग्रेटर नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा नियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने सितम्बर माह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 37 नई परियोजनाओं को पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया गया। इनमें गौतमबुद्धनगर में 6, गाजियाबाद और लखनऊ में 7-7 परियोजनाएं स्थित हैं। रेरा में अब तक विकास प्राधिकरण व बिल्डरों की 3745 से ज्यादा रियल एस्टेट परियोजनाओं का पंजीकरण कराया जा चुका है। रेरा से मिली जानकारी के मुताबिक बीते में जिन 37 नई परियोजनाओं को पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया गया, उनमें मथुरा में 4, झांसी और प्रयागराज में 3-3, मेरठ और आगरा में 2-2 तथा बिजनौर, गोरखपुर व मुरादाबाद में 1-1 परियोजनाएं स्थित हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से बिल्डरों/विकासकर्ताओं द्वारा लगभग 5,93,041 वर्गमी भूमि पर लगभग 7,198 करोड़ रुपए के निवेश के जरिए 11,281 आवासीय तथा व्यवसायिक यूनिट्स का निर्माण और विकास कार्य किया जाएगा। फॉर्म सी जारी करते हुए बिल्डरों एवं विकास प्राधिकरणों को परियोजना का पंजीयन संख्या, विशिष्ट क्यूआर कोड, रेरा वेबसाइट तथा प्रोजेक्ट कलेक्शन एकॉउंट की विस्तृत जानकारी विज्ञापनों एवं प्रचार-प्रसार सामग्री में प्रमुखता से उल्लेख करने के निर्देश दिए गए हैं। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने बताया कि नई परियोजनाओं को पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी करते हुए प्राधिकरण द्वारा विशेष रूप से विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार करने में बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में निर्देश दिए गए। बिल्डरों को अपनी परियोजनाओं की अनिवार्य से त्रैमासिक प्रगाति रिपोर्ट भरने की व्यवस्था की गई है,ताकि निर्माण की प्रगति के बारे में फ्लैट व दुकान खरीदारों को वास्तविक प्रगति के बारे में जानकारी मिलती रही। रियल एस्टेट सेक्टर में सभी हितधारकों का विश्वास बढ़ाने के लिए रेरा कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने पर जोर दे रहा है।

- ■ रेरा में 3745 से अधिक रियल एस्टेट परियोजनाओं का कराया जा चुका है पंजीकरण

महिलाओं को प्रशिक्षण के बाद बाटें गए प्रमाण-पत्र

ग्रेटर नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। केनरा बैंक की तरफ से संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में स्वरोजगार के लिए निःशुल्क महिला टेलर का 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं आर्टिफीसियल ज्वेलरी का 13 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रायोजित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं सहित कुल 60 महिलाओं को प्रशिक्षण और प्रमाणपत्र दिया गया। महिला टेलर का प्रशिक्षण और उनका प्रैक्टिकल डोमेन स्किल ट्रेनर प्राची चौधरी द्वारा दिया गया एवं आर्टिफीसियल ज्वेलरी का प्रशिक्षण और उनका प्रैक्टिकल डोमेन स्किल ट्रेनर रजनी चौहान द्वारा दिया गया। इसके अतिरिक्त सॉफ्ट स्किल उद्यमिता कौशल, बाजार एवं ग्राहक प्रबंधन, रचनात्मकता, समस्या समाधान, प्रोजेक्ट बनाना, मार्केटिंग, बैंकिंग योजनाओं की जानकारी निदेशक अनिल कुमार, फैकल्टी अजीत सिंह व अंकिता नागर ने सभी को प्रदान किया। प्रशिक्षण समापन और प्रमाण पत्र वितरण समारोह में अलका रानी, जिला विकास प्रबंधक, नाबार्ड की मौजूदगी में हुआ। इस अवसर पर अलका रानी, जिला विकास प्रबंधक ने कहा की नाबार्ड इस तरह के कार्यक्रमों की प्रशंसा करता है जो महिलाओं को सशक्तिकरण की ओर ले जाते है। महिलाएं आज देश के विकास में कदम से कदम मिला कर चल रही है अतः उन्होंने महिलाओं से कहा कि वो प्रशिक्षण उपरान्त अपना नया व्यवसाय शुरू कर जनपद की उन्नति में भागीदार बने और अपनी आजीविका अर्जित करे।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत साइबर सेफ कलेंडर लांच

ग्रेटर नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता महीने को सफल बनाने के लिए मंगलवार को सीओई-डीएफआईआर ने आईआईएमटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, एफसीआरएफ और आईआईएमटी लैडर बिजनेस फाउंडेशन के सहयोग से साइबर सुरक्षित कैलेंडर लॉन्च किया। इसी के साथ ही कार्यक्रम में होस्टिंग पार्टनर के रूप में फ्यूचर क्राइम रिसर्च फाउंडेशन में भाग लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ नवीन सिंह का स्वागत आईआईएमटी कॉलेज समूह के प्रबंध निदेशक डॉ. मयंक अग्रवाल ने किया। नवीन सिंह ने आज की डिजिटल दुनिया में साइबर सुरक्षा शिक्षा के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्रों को संबोधित करते हुए नवीन सिंह ने बताया कि सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाने के लिए व्यक्ति और संस्थान कैसे मिलकर काम कर सकते हैं।

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि हमारी सोसाइटी पारसदीप सहकारी आवास समिति लि., सेक्टर पाई -1, ग्रेटर नॉएडा में पानी कि पाइप लाइन बदलवाने हेतु प्लम्बर कि आवश्यकता है. कृपया अनुभवी व प्रतिष्ठित प्लम्बर अथवा कांट्रेक्टर तुरंत संपर्क करें.

सचिव
पारसदीप सहकारी आवास समिति लि.
सेक्टर पाई -1, ग्रेटर नॉएडा

जिलाधिकारी ने रक्तदान कर आम जनमानस से रक्तदान के लिए किया प्रेरित

ग्रेटर नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर राजकीय संयुक्त चिकित्सालय नोएडा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वयं रक्तदान करते हुए आम जनमानस से भी अपील की कि रक्तदान महादान होता है, इसलिए आप सब अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान अवश्य करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक रेनू अग्रवाल तथा जिला अस्पताल के अन्य चिकित्सा अधिकारी एवं कर्मचारियों का उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

(ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल इंजीनियर - चतुर्थ, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1	कार्य का नाम	मंडल इंजीनियर - चतुर्थ के तहत दिल्ली - बठिंडा खंड में अपनी स्वयं की अस0क्यू0आर0,अस0 मशीन के ठेकेदार साथ टी0 अस0 आर0 (पी) 37.60 किमी हेतु कार्य (निविदा संख्या 68-W-IV-24-25)
2	अनुमानित लागत	(1) Rs. 7,14,86,540.70
3	धरोहर राशि	(1) Rs. 5,07,400.00
4	ई-निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	ई-निविदा भरने का समय कार्य 09.10.2024 को 15.00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 23.10.2024 को 15:00 बजे
5	निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

पत्र संख्या 128-डब्लू/260/निविदा सूचना/NIT 68-डब्लू-4-24-25 दिनांक :- 30.09.2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3031/24

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

संचारी रोग से बचने के लिए चलेगा विशेष नियंत्रण व दस्तक अभियान

ग्रेटर नोएडा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर जिले के लोगों को संचारी रोगों से सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जिले में 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान संचालित किया जाएगा। मंगलवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने उच्च प्राथमिक विद्यालय सेक्टर-35 ग्राम मोरना नोएडा से आम जनमानस को संचारी रोगों के संबंध में जागरूक बनाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं स्कूली छात्रों को विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर शपथ दिलाते हुए कहा कि हम सभी संचारी रोगों को लेकर अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करेंगे और उनको बताएंगे कि हम किस प्रकार से अपना संचारी रोगों से बचाव कर सकते हैं और यदि कोई भी व्यक्ति हमें संचारी रोग से ग्रस्त मिलता है तो तत्काल उसको जिला अस्पताल भेज कर उपचार कराएंगे। रैली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय के कर्मचारियों के साथ-साथ नोएडा विकास प्राधिकरण के छिड़काव व फागिंग कर्मचारियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा स्कूली छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह उत्तर प्रदेश शासन का बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और इस कार्यक्रम को माइक्रो प्लान तैयार करते हुए जनपद में सफल बनाया जाए, ताकि जिला वासियों को संचारी रोगों से सुरक्षित रखा जा सके। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार शर्मा, डॉ. ललित अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, श्रुति कीर्ति वर्मा जिला मलेरिया अधिकारी तथा समस्त उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

■ जिलाधिकारी ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01,सैक्टर-नॉलेज पार्क-4,ग्रेटर नोएडा,
जनपद- गौतम बुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बिसरख जलालपुर, तहसील- दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर स्थित खसरा संख्या- 499 क्षेत्रफल 0.2935 वर्गमीटर के आबादी व्यवस्थापन/लीज बैंक का निर्णय प्राधिकरण बोर्ड की 88वीं बैठक में श्री प्रभु, कैलाश पुत्रगण मौजी सं० फूलवती माता स्वय पत्नी मौजी (2935 वर्ग मीटर) निवासी ग्राम के पक्ष में लिया गया है, जिसमें श्री प्रभु व श्रीमती फूलवती की मृत्यु के उपरान्त वारिसान के आधार पर श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व० प्रभु व कृष ना०बा० आयु 15 वर्ष व कु० संजना व कु० दर्शिता भाटी ना०बा० आयु 13 व 11 वर्ष सं० माता स्वय श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व० प्रभु व कैलाश पुत्र स्व० मोजीराम निवासी ग्राम बिसरख जलालपुर तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर के पक्ष में नामान्तरण करने हेतु नामान्तरण प्रपत्र एवं शपथ पत्र प्रस्तुत किये गये है।

अतः इस नामान्तरण के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण के भूलेख विभाग में दर्ज कराने का कष्ट करें अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण के अभिलेखों में इनके नाम दर्ज किये जाने की कार्यवाही की जायेगी।

(जितेन्द गौतम)
डिप्टी कलेक्टर

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम निलौनी शाहपुर व खेरली भाव में उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र सं0 2484/एस0टी0-एस0डी0एम0/2023 दिनांक 18.01.2023 स्व0 श्रीमती रमा शर्मा पत्नी महावीर प्रसाद शर्मा निवासी पुराना बिजली घर के पास गंज मन्डी दनकौर, हाल निवासी ए-20, सैक्टर-51 नोएडा परगना व तहसील दादरी जनपद गौतमबुद्धनगर मृत्यू दिनांक 29.03.2020 को हो चुकी है, मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
खेरली भाव	860	स्व0 श्रीमती रमा शर्मा पत्नी महावीर प्रसाद शर्मा निवासी पुराना बिजली घर के पास गंज मन्डी दनकौर, हाल निवासी ए-20, सैक्टर-51 नोएडा परगना व तहसील दादरी जनपद गौतमबुद्धनगर	श्री महावीर प्रसाद शर्मा	पति	67 वर्ष	
			श्रीमती शिखा शर्मा	पुत्री	42 वर्ष	विवाहित
निलौनी शाहपुर	47, 46		श्री अंकुर शर्मा	पुत्र	37 वर्ष	
			श्रीमती अंकिता शर्मा	पुत्री	37 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम अच्छेजा बुजुर्ग में उप जिलाधिकारी सदर, जनपद गौतमबुद्धनगर से प्राप्त पारिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 762/एस0टी0-एस0डी0एम0/2022, दिनांक 06.06.2022 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक स्व0 श्री रामसिंह पुत्र श्री सुम्मेरा निवासी ग्राम अच्छेजा बुजुर्ग, परगना दनकौर, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम व पता	वारिसानों का नाम	मृतक के पारिवारिक नाम	आयु लगभग
अच्छेजा बुजुर्ग	463	स्व0 श्री रामसिंह पुत्र श्री सुम्मेरा निवासी ग्राम अच्छेजा बुजुर्ग, परगना दनकौर, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्री प्रेम सिंह	पुत्र	49 वर्ष
			श्री मुकेश	पुत्र	46 वर्ष
			श्री बहादुर	पुत्र	40 वर्ष
			श्री अशोक कुमार	पुत्र	35 वर्ष
			श्रीमती शिमला देवी पत्नी स्व0 हरकेश	पुत्रबधु	49 वर्ष
			श्री मुन्ना पुत्र स्व0 हरकेश	पौत्र	31 वर्ष
			श्री मनोज स्व0 हरकेश	पौत्र	32 वर्ष
			श्री वीरपाल पुत्र स्व0 हरकेश	पौत्र	27 वर्ष
			श्रीमती रीना पुत्री स्व0 हरकेश	पौत्री विवाहित	36 वर्ष
			श्रीमती सुदेश देवी	पुत्री विवाहित	54 वर्ष
			श्रीमती बबीता रानी	पुत्री विवाहित	41 वर्ष

उपरोक्त परिवार सदस्यों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम जगनपुर अफजलपुर में उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र सं0 649/एस0टी0-एस0डी0एम0/2024 दिनांक 27.07.2024 स्व0 महेश चन्द पुत्र हरवीर सिंह निवासी ग्राम नवादा परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यू दिनांक 31.03.2024 को हो चुकी है, मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
जगनपुर अफजलपुर	289 मि, 812मि, 813 मि, 807, 808, 811, 812	स्व0 महेश चन्द पुत्र हरवीर सिंह निवासी ग्राम नवादा परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती सुदेश	पत्नी	35 वर्ष	विधवा
			हर्ष नागर	पुत्र	13 वर्ष	
			वंश नागर	पुत्र	12 वर्ष	

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

संपादकीय

नई दिल्ली, बुधवार 2 अक्टूबर 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. माया राम सुरजन

भाजपा का अलोकतांत्रिक चेहरा

2 अक्टूबर गांधी जयंती के मौके पर नरेन्द्र मोदी झारखंड के हजारीबाग में 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' की शुरुआत करने जा रहे हैं। झारखंड में जल्द चुनाव होने वाले हैं तो नरेन्द्र मोदी का यहां होना लाजिमी है। इस आदिवासी बहुल राज्य में फिर से भाजपा की सरकार बन जाए, इसके लिए श्री मोदी पूरा जोर लगा रहे हैं। झारखंड में करोड़ों की परियोजनाएं शुरु करके श्री मोदी संभवत: ये दावा फिर से करेंगे कि भाजपा किस कदर आदिवासियों की हितैषी है। उसे जल, जंगल, जमीन के संरक्षण की कितनी चिंता है। लेकिन इसी चिंता के साथ जब लद्दाख से दिल्ली तक करीब 700 किमी की पदयात्रा करके लद्दाखी जनता दिल्ली पहुंचती है, तो नरेन्द्र मोदी की सरकार उनकी चिंता को सुनने से पहले ही उन्हें गिरफ्तार करवा देती है। इसी से भाजपा का लोकतंत्र के लिए दुचित्तापन जाहिर हो जाता है।

गौरतलब है कि शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर सोनम वांगचुक करीब डेढ़ सौ लोगों के साथ 1 सितंबर को लद्दाख से पदयात्रा पर निकले थे और तय समय पर गांधी जयंती के पहले दिल्ली पहुंच गए। लेकिन इन तमाम पदयात्रियों को दिल्ली सीमा पर ही रोक दिया गया और इसके बाद गिरफ्तार भी कर लिया गया। सोनम वांगचुक ने इस की जानकारी देते हुए सोमवार को एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'दिल्ली बॉर्डर पर 150 पदयात्रियों के साथ मुझे हिरासत में लिया जा रहा है। इसके लिए 100 पुलिस वाले हैं। कुछ का कहना है कि ये 1000 हैं। पदयात्रियों में 80 साल से ज़्यादा उम्र के बुज़ुर्ग भी हैं। इसमें महिलाएं भी शामिल हैं। इसके साथ कुछ दर्जन सेना से रिटायर्ड लोग भी हैं। आगे क्या होगा, कुछ पता नहीं है। हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में बापू की समाधि तक सबसे शांतिपूर्ण मार्च पर थे।'

दरअसल जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 वापस लेने और लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद से लद्दाख के लोगों में भाजपा के फैसले पर नाराजगी देखी जा रही है। यहां के लोग फिर से राज्य का दर्जा वापस चाहते हैं। इसके अलावा लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना भी एक अहम मांग है, जो स्थानीय आबादी को उनकी भूमि और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए कानून बनाने की शक्ति प्रदान करेगा। लेह और कारगिल जिलों के लिए अलग लोकसभा सीटों की मांग भी लद्दाखी जनता की है।

लद्दाख की जनता ने ऐसा कुछ नहीं मांगा है, जो असंभाव्य है या गैरकानूनी है। लोकतांत्रिक देश में जनता को अपनी मांगे उठाने के लिए शांतिपूर्ण आंदोलन करने का हक है, साथ ही सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन भी कानून के दायरे में रहकर किया जा सकता है। सोनम वांगचुक और उनके साथी अपने इन्हीं लोकतांत्रिक अधिकारों का ही इस्तेमाल कर रहे थे। लेकिन नरेन्द्र मोदी को लोकतंत्र और जनता को मिले अधिकारों से इतना डर लगता है कि उनके कार्यकाल में बार-बार शांतिपूर्ण आंदोलनों को कुचलने की कोशिश हुई है। शाहीन बाग आंदोलन, किसान आंदोलन, महिला पहलवानों का विरोध ये सब पिछले चार-पांच सालों की ही घटनाएं हैं, जिनमें मोदी सरकार का अलोकतांत्रिक रवैया सामने आया है। इसी कड़ी में अब सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को भी देखा जा सकता है।

शायद लद्दाखी जनता के विरोध का ही डर था कि दिल्ली पुलिस ने 6 दिन के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 को लागू कर दिया है। पुलिस के मुताबिक नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली, नॉर्थ दिल्ली के अलावा दिल्ली की सभी सीमाओं पर ये धारा लागू की गई है और पांच अक्टूबर तक इन जगहों पर धरना प्रदर्शन पर पाबंदी रहेगी।

बड़ी अजीब बात है कि पांच अक्टूबर को ही दिल्ली से सटे राज्य हरियाणा में चुनाव हैं और तब तक दिल्ली की सीमाओं और दिल्ली के भीतर कानून और व्यवस्था के मुद्दों का हवाला देते हुए पांच या अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने, बैनर, तख्तियां और हथियार रखने वाले लोगों या मध्य भाग और सीमावर्ती इलाकों में विरोध प्रदर्शन पर पुलिस ने प्रतिबंध लगा दिया है। सवाल यह है कि आखिर मोदी सरकार को किन लोगों के विरोध से डर लग रहा है और क्यों सरकार को अपनी ही पुलिस की क्षमता पर भरोसा नहीं है कि वह निहत्थे, शांतिपूर्ण आंदोलन पर निकले लोगों को संभाल नहीं पाएगी। क्या इसी लिए सोनम वांगचुक के साथ-साथ उनके साथ चल रहे वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं तक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी जब सोनम वांगचुक से मिलने बवाना पुलिस थाने पहुंची तो उन्हें भी मिलने नहीं दिया गया। मंगलवार सुबह लद्दाख सांसद हाजी हनीफा वांगचुक के प्रदर्शन से जुड़ने के लिए पहुंचे तो दिल्ली पुलिस ने उन्हें और उनके समर्थकों को भी हिरासत में लेकर नरेला पुलिस स्टेशन भेज दिया।

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक खबर है कि सोनम वांगचुक ने इस दमनकारी रवैये के खिलाफ अनशन भी शुरु कर दिया है। इस बीच कांग्रेस, आप, सपा जैसे गैरभाजपाई दलों के नेताओं ने सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर मोदी सरकार की आलोचना की है। राहुल गांधी ने लिखा है कि जिस तरह कृषि कानूनों पर सरकार का चक्रव्यूह और नरेन्द्र मोदी का अहंकार टूटा, इस बार भी वैसा ही होगा। लद्दाख की जनता की आवाज सुननी ही पड़ेगी, वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस फैसले को अलोकतांत्रिक बताते हुए लिखा कि मोदी सरकार अपने करीबी मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए लद्दाख के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र का दोहन करना चाहती है।' श्री खड़गे का कहना है कि यह घटना हमें बताती है कि मोदी सरकार की निरंकुशता के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

अगर नरेन्द्र मोदी डेढ़ सौ लोगों के विरोध मार्च का सामना करने की हिम्मत दिखाते और सोनम वांगचुक को राजघाट तक जाने से नहीं रोकते, तो भाजपा को इस तरह के आरोपों का सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन जम्मू-कश्मीर में तीसरे दौर के मतदान और हरियाणा चुनाव से ऐन पहले इस दमनकारी कदम से शायद भाजपा ने अपना नुकसान कर लिया है।

गांधी को भूलने से बार-बार इंकार करता हुआ भारत

इस प्रकार से लोकतंत्र, संविधान, आरक्षण जैसे मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी भारत को हमेशा भ्रमित रखना चाहती है, उसी तरह वह गांधी को लेकर नये भारत को असमंजस में डालने की कोशिश करती है। इस भ्रम को फैलाने के अभियान की अगुवाई स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। यह अलग बात है कि इस प्रक्रिया में वे खुद ही सर्वाधिक असमंजस में हैं। चूंकि गांधी के व्यक्तित्व के बरक्स मोदी पासंग भी नहीं हैं तथा बापू का नैसर्गिक आभामंडल मोदी की कृत्रिम चकाचौंध को फीका करता है, मोदी चाहते हैं कि भारत गांधीजी को भूल जाये। उनका दुर्भाग्य कि पिछले 10-11 वर्षों की उनकी अथक मेहनत के बावजूद भारत गांधी को भूलने से बार-बार इंकार करता रहा है।

जिस विचारधारा के मोदी प्रतिनिधि हैं वह गांधी के खिलाफ़ तभी से विद्यमान है जब वे दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे- कुछ और पहले से। उनके भारत आगमन के कुछ आगे-पीछे एक ऐसी विचारधारा पनप रही थी जो आजादी के बाद भारत को एक आधुनिक देश बनाने की बजाय मध्ययुगीन समाज की ओर लौटाना चाहती थी। महात्मा गांधी और उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। स्वतंत्रता किस तरह से हासिल करनी है और आजाद भारत किस दिशा में बढ़ेगा- इसका ब्लू प्रिंट बापू के पास 'हिंद स्वराज्य' के रूप में बना-बुनाया था। इसलिये आजादी के आंदोलन का नेतृत्व करने के लिये जनता ने महात्मा गांधी और कांग्रेस की वैचारिकी को चुना था। लोग देख रहे थे कि जो विचारधारा गांधी विरोधियों की है वह समावेशी नहीं है और उसका असली उद्देश्य अंग्रेजों के जाने के बाद देश की सामाजिक व्यवस्था को कुछ लोगों के हाथों में सौंप देना था जो एक सामंती व्यवस्था के जरिये ही सम्भव था। इसलिये उसे बचाने के लिये अंग्रेजों के खिलाफ इस विचारधारा की लड़ाई कालांतर में फिरंगियों के अप्रत्यक्ष समर्थन में बदल गई। लोगों ने कोई गलती नहीं की और स्वतंत्र भारत की सत्ता सौंपी उसी संगठन को जिसने स्वतंत्रता की लड़ाई का नेतृत्व किया था।

2014 में भारतीय जनता पार्टी को सत्ता मिली, तो उसने आजादी के बाद देश का जो पुनर्निर्माण हुआ, उससे कुछ सीखने की बजाय छह दशकों की संचित अपनी खीज और कुंठा को निकालना शुरू किया। मोदी ने लोगों को बताया कि 'इतने समय तक देश ने कुछ हासिल नहीं किया।' दरअसल मोदी उस पीढ़ी का नेतृत्व कर रहे हैं जो मानता है कि 'भारत को असली आजादी 2014 के बाद मिली है'; या, 'देश स्वतंत्र नहीं हुआ है बल्कि अंग्रेज उसे 99 वर्षों की लीज़ पर दे गये हैं'। मोदी इसी नये भारत के नेता हैं, जिनके अनुसार '2014 के पहले आदमी भारत में जन्म लेने पर पछताता था।' गांधी जहां समानता और धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार थे, वहीं ये शक्तियां वर्ण व्यवस्था पर आधारित समाज बनाने की इच्छुक हैं। इन प्रतिगामी ताकतों की विकसित भारत की अवधारणा ऐसी है जहां कुछ लोगों को तो जन्मजात विशेषाधिकार हों, शेष पांच किलो राशन पर गुजारा करें। अमीरों की थालियों से रिसते हुए भोजन से बाकी पेट भरें- यही इस वर्ग का अर्थशास्त्र है।

ऐसे अनेक कारण हैं जिनके चलते इनकी गांधी से कभी न बनी। बनती अब भी नहीं, लेकिन देश और दुनिया में गांधी जो अर्जित कर गये हैं उससे किसी में इतनी हिम्मत और नैतिक बल नहीं है कि वे गांधी की सार्वजनिक आलोचना कर सकें। सीमित सदस्यों वाली बैठकों, गोदी मीडिया के कार्यक्रमों, ड्राइंग रूम के चुटकुलों, वाट्सएप विश्वविद्यालय के सिलेबस आदि में वे चाहे जितना गांधी को गरियाएं- अपने ऐसे किसी भी बयान को रिकॉर्ड पर लाने का साहस न मोदी में है, न उनके सिपहसालारों में है, न उनकी पार्टी में। चाहे गांधी का हत्यारा उनका अपना रहा हो, उसकी यह पूरी बिरादरी मन ही मन तारीफ़ करती हो परन्तु जहां देश के भीतर अपनी छवि को साफ-सुथरा दिखाना हो, उन्हें गांधी के समक्ष सिर नवाना ही पड़ता है; और विदेश में खुद को गांधी के देश से आया हुआ बतलाना ज़रूरी हो जाता है। दूसरी ओर मोदी के लिये यह भी ज़रूरी है कि उनके प्रिय काडर में से कोई गांधी की तस्वीर पर गोलियां चलाए तो उन्हें कहना पड़ता है कि 'उसे वे दिल से कभी माफ़ नहीं करेंगे।'

डॉ. दीपक पाचपोर

> एक पुष्ट संसदीय लोकतंत्र हो या संविधान अथवा फिर आरक्षण- यह सारा कुछ भारत को गांधीजी के मरने के बाद ही मिला। तो भी इनमें गांधी के प्राण बसते हैं और उनकी आत्मा का निवास है। दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुआ रंगभेद के खिलाफ उनका आंदोलन एक तरह से लोकतंत्र की ही लड़ाई थी, समानता का संदेश था और एक ऐसी व्यवस्था की ज़रूरत को प्रतिपादित करता था।

गांधी जहां समानता और धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार थे, वहीं ये शक्तियां वर्ण व्यवस्था पर आधारित समाज बनाने की इच्छुक हैं। इन प्रतिगामी ताकतों की विकसित भारत की अवधारणा ऐसी है जहां कुछ लोगों को तो जन्मजात विशेषाधिकार हों, शेष पांच किलो राशन पर गुजारा करें। अमीरों की थालियों से रिसते हुए भोजन से बाकी पेट भरें- यही इस वर्ग का अर्थशास्त्र है।

गांधी जी को लेकर मोदी और उनकी सरकार की दुविधा ऐसी सघन है कि एक ओर तो वे कहते हैं कि 'दुनिया के बच्चे-बच्चे की जुबान पर गांधी का नाम होना चाहिये', दूसरी ओर संसद भवन के मुख्य द्वार पर बनी गांधी की मूर्ति उन्हें कोने में रखवानी पड़ती है। वे जानते हैं कि मूर्ति निष्प्राण ही सही, लेकिन है तो प्रेरणादायिनी। बापू की विचारधारा भारत के कोटि-कोटि लोगों के मन में अंत:सलिला बनकर प्रवाहित होती है जो सम्पूर्ण भारत के नैतिक मूल्यों को जीवन्त बनाये रखती है। गांधी अपने पीछे प्रतिरोध का जो साहस छोड़ गये हैं वह उनकी मृत्यु के लगभग चौथाई सदी के बाद भी मोदी जैसे शासकों तथा उनके जैसों को डराने के लिये काफी होता है। तभी तो सारे साल गांधी के खिलाफ विषवमन कर नयी पीढ़ी के मन में उनके प्रति घृणा फैलाने की लाख कोशिशों के बावजूद हर साल कम से कम 2 अक्टूबर और 30 जनवरी को उनके सामने झुकना ही पड़ता है। उनके लिये ये दुखदायी प्रसंग तब भी आते हैं, जब विदेश यात्रा के शौकीन मोदी को मेजबान किसी शहर में बनी गांधी प्रतिमा के समक्ष खड़ा कर देते हैं।

यह भी मोदी के लिये तकलीफ़देह होता है जब वे यह कहकर गांधी का कद छांटने का प्रयास करते हैं कि 'रिचर्ड एटनबरो द्वारा उन पर फिल्म बनाने से पहले गांधी को दुनिया बहुत नहीं जानती थी', परन्तु लोग उनकी अज्ञानता पर हंसते हैं, आलोचना करते हैं। ऐसा नहीं कि मोदी गांधी की महानता से अपरिचित हों। सच कहा जाये तो उनका यही प्रयास होता है कि लोग गांधी को भूल जायें। उल्टे, गांधीजी के इतने प्रसंग सामने आ जाते हैं कि मोदी पहले से और भी बौने हो जाते हैं। देश उस महामानव को भूलने की बजाय और शिद्दत से याद कर उठता है। अपने 11 वर्षों के कार्यकाल में मोदी ने अनेक प्रयास किये कि देश गांधी को भूल जाये और केवल उन्हें याद रखे। कभी उनके आईटी सेल ने कहानी गढ़ी कि गांधी चाहते तो भगत सिंह को बचा सकते थे; या फिर उन्हीं के कारण पाकिस्तान बना... आदि।

देश को गांधी से विमुख करने की बहुतेरी कोशिश मोदी के नेतृत्व में इन ताकतों ने की लेकिन गांधी का नाम भारत के सीने पर इतने गाढ़े अक्षरों में गोदा हुआ है कि वह मिटाये नहीं मिटता। एक पुष्ट संसदीय लोकतंत्र हो या संविधान अथवा फिर आरक्षण- यह सारा कुछ भारत को गांधीजी के मरने के बाद ही मिला। तो भी इनमें गांधी के प्राण बसते हैं और उनकी आत्मा का निवास है। दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुआ रंगभेद के खिलाफ उनका आंदोलन एक तरह से लोकतंत्र की ही लड़ाई थी, समानता का संदेश था और एक ऐसी व्यवस्था की ज़रूरत को प्रतिपादित करता था जिसे कोई संविधान ही संजोकर, संरक्षित और सुनिश्चित कर सकता है। सत्य व अहिंसा पर आधारित इस देश का औपनिवेशिक दासता के खिलाफ महान संघर्ष गांधी को भारत ही नहीं विश्व का महानतम नेता बनाता है। मोदी के भुलाये भारत गांधी को कभी नहीं भूलेगा।

(लेखक देशबन्धु के राजनीतिक सम्पादक हैं)

गांधी जयंती पर विशेष

महात्मा गांधी की समाज व्यवस्था का आधार है धर्मनिरपेक्षता

इस समय सम्पूर्ण देश में इस बात पर बहस जारी है कि सेक्युलरिज्म(धर्मनिरपेक्षता) भारतीय मूल्य है या यूरोपीय है। इस बात पर बहस तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा प्रारंभ की गयी है। परंतु जिस धर्मनिरपेक्षता को हम मानते हैं, जिसे इस देश की बहुसंख्यक जनता मानती है वह पूरी तरह से भारतीय है। हम धर्मनिरपेक्षता की उस परिभाषा को मानते हैं जो बापू ने की है। उनका धर्मनिरपेक्षता या सेक्युलरिज्म के प्रति जो विचार था वही हमारा विचार है।

गांधी जी की नज़र में धर्मनिरपेक्षता क्या है? उन्होंने अनेक अवसरों पर इसकी परिभाषा की थी। हमारा तमिलनाडु के राज्यपाल से अनुरोध है कि वे भी गांधीजी द्वारा परिभाषित धर्मनिरपेक्षता को स्वीकार करें।

एल.एस. हरदेनिया

> गांधी जी के अनुसार, आजाद भारत में पुलिस व सेना पूरी तरह से निष्पक्ष होनी चाहिए। उसका मुख्य कर्तव्य देश में शांति और भाईचारा स्थापित करना होना चाहिए। उन्हें गरीबों और असहायों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए। उन्हें हमेशा अल्पसंख्यकों और दलितों के अधिकारों का संरक्षण करना चाहिए। स्वयं पुलिस व सेना के भीतर जाति तथा धर्म के आधार पर विभाजन नहीं होना चाहिए।

धर्मनिरपेक्षता ही थी गांधीजी की समाज व्यवस्था का आधार। उनसे एक विदेशी पत्रकार ने पूछा कि ''यह कैसे हो सकता है कि आप धार्मिक भी हैं और धर्मनिरपेक्ष भी।'

उनका उत्तर था ''हां मैं धार्मिक हूं और धर्मनिरपेक्ष भी। मेरी मेरे सनातन धर्म में अगाध आस्था है। यदि कोई मेरी आस्था पर हमला करेगा तो मैं अपने धर्म की रक्षा करते हुए अपनी जान भी दे दूंगा। परंतु मेरे पड़ोस में किसी अन्य धर्म का पालन करने वाला परिवार रहता है और उसकी आस्था पर कोई हमला करता है तो मैं उसकी रक्षा करते हुए भी अपनी जान दे सकता हूँ''। यह है गांधी जी की धर्मनिरपेक्षता अर्थात भारत की धर्मनिरपेक्षता।

इस समय हमारे देश में धर्म के आधार पर प्राय: संघर्ष की स्थिति निर्मित हो जाती है। परंतु ऐसी स्थिति में हम तटस्थ हो जाते हैं और मूकदर्शक बनकर खून-खराबा होने देते हैं। यहां तक कि हमारी पुलिस भी तमाशबीन बन जाती है। पिछले 70 वर्षों में हमारे देश में धार्मिक वैमनस्य के कारण हुए दंगों से देश काफी कमजोर हुआ है। गांधीजी ने साम्प्रदायिक दंगों को रोकने के लिए मैदानी संघर्ष किया। नौआखली और दिल्ली के दंगों के दौरान उनकी भूमिका इतिहास का हिस्सा बन गयी। धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षाऔर विकास गांधीजी की धर्मनिरपेक्षता का अभिन्न अंग था।

एक अवसर पर गांधीजी ने कहा था, ''यदि आजाद भारत में अल्पसंख्यक, दलित और स्त्रियां अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं करेंगीं तो वह भारत मेरे सपनों का भारत नहीं होगा। मेरे भारत में छुआछूत नहीं होगी। मेरे भारत में सभी को अपने धर्म का पालनकरने का पूरा अधिकार होगा। मेरे भारत के नागरिकों को कोई यह आदेश नहीं देगा कि वह क्या खाये और क्या न खाये, क्या पहने और क्या न पहने। मेरे भारत की सरकार सभी धर्मों के अनुयायियों को बराबर सुरक्षा देगी और किसी एक धर्म को संरक्षण प्रदान नहीं करेगी।'

गांधीजी की इच्छा थी कि भारत सही अर्थों में एक लोकतंत्र बने। उनकी मान्यता थी कि लोकतंत्र में ही धर्मनिरपेक्ष समाज का अस्तित्व हो सकता है। उनके लोकतंत्र में ऐसी राजनीतिक पार्टियों का कोई स्थान नहीं होगा जो संकुचित हों, निहित स्वार्थों को बढ़ावा दें, जो सिर्फ पैसे की ताकत से सत्ता पर कब्जा करें और जो षड्यंत्र करके सत्ता हथियाएं।

लोकतंत्रात्मक समाज में पुलिस और सेना की क्या भूमिका होगी इसके बारे में गांधीजी के स्पष्ट विचार थे। गांधी जी के अनुसार, आजाद भारत में पुलिस व सेना पूरी तरह से निष्पक्ष होनी चाहिए। उसका मुख्य कर्तव्य देश में शांति और भाईचारा स्थापित करना होना चाहिए। उन्हें गरीबों और असहायों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए। उन्हें हमेशा अल्पसंख्यकों और दलितों के अधिकारों का संरक्षण करना चाहिए। स्वयं पुलिस व सेना के भीतर जाति तथा धर्म के आधार पर विभाजन नहीं होना चाहिए।

गांधी जी का कहना था कि ''धार्मिक समरसता के साथ-साथ सभी के सिर पर छांव, सभी को भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा मिलनी चाहिए। सभी को सुलभता से न्याय प्राप्त होना चाहिए। सभी के बीच सीमेंट के समान एकता रहनी चाहिए। मैं स्वयं इस एकता के लिए सीमेंट की भूमिका अदा करने को तैयार हूं। इस एकता के लिए मैं अपना खून भी दे सकता हूं।' फिर गांधी जी ने ऐसा किया भी।

नाथूराम गोडसे गांधीजी के इन्हीं विचारों से नाराज था और इसी के चलते उसने बापू की हत्या की और बापू ने यह सिद्ध कर दिया कि उन्होंने इस समरसता को कायम रखने के लिए सीमेंट का काम किया।

जान ब्रिले, जिन्होंने 'गांधी' फिल्म की पांडुलिपि लिखी थी, से पूछा गया कि आपने 'गांधी' फिल्म की पांडुलिपि क्यों लिखी? उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि ''मुझे गांधीजी के अभूतपूर्व साहस, उनकी नम्रता, उनकी प्रतिबद्धता, सहनशीलता, उनकी दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने की चुंबकीय शक्ति, जिस शक्ति से गांधीजी विभिन्न संस्कृतियों के जीते-जागते प्रतीक जवाहर लाल नेहरू और हठ की हद तक दृढ़ निश्चयी और रूखे व्यक्तित्व के धनी सरदार पटेल को अपनी ओर आकर्षित कर सके। उनमें अद्भुत संगठन क्षमता थी, इसी क्षमता के बलबूते उन्होंने कांग्रेस को, जो शुरू में एक क्लब था, एक ताकतवर संगठन बना दिया। विरोध प्रकट करने के वे ऐसे तरीके निकालते थे जिनकी कोई कल्पना तक नहीं कर सकता था। नमक सत्याग्रह उनका ऐसा ही एक नायाब तरीका था। दांडी यात्रा के अंत में मुट्ठी भर नमक बनाते हुए उन्होंने यह कहा था कि इसके द्वारा मैंने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी है।'

आपके पत्र

विकास पर राजनीति भारी

आज की राजनीति में निरंतर प्रयोग और गठबंधन के खेल ने लोकतंत्र की जड़ों को हिला दिया है। हर चुनाव के साथ नए समीकरण बनते हैं, परंतु इसका दीर्घकालिक प्रभाव अधिकतर नकारात्मक रहा है। राजनीतिक दल जनता के हित की बजाय अपने स्वार्थों को साधने में लगे हुए प्रतीत होते हैं, जिससे राज्य और देश के विकास पर प्रश्नचिह्न लग जाता है।

यदि हम बिहार या उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को देखें, तो राजनीतिक अस्थिरता और बार-बार होने वाले गठजोड़ ने प्रशासनिक कार्यकुशलता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। चुनावी वादों की लंबी फेहरिस्त अक्सर केवल कागज़ों तक सीमित रह जाती है, जबकि जमीन पर उन वादों का कार्यान्वयन नदारद रहता है। यह स्थिति न केवल सरकार की विश्वसनीयता पर चोट करती है, बल्कि जनता के विश्वास को भी कमज़ोर करती है।

समस्या की जड़ में जनता की निष्क्रियता भी एक अहम भूमिका निभाती है। मतदाता अक्सर चुनावी वादों के बहकावे में आकर तात्कालिक लाभ की ओर आकर्षित हो जाते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि वे दीर्घकालिक सोच के साथ चुनाव करें, ताकि राजनीतिक दल भी जनता के वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करें।

राजनीतिक दलों के लिए भी यह जरूरी है कि वे अपने चुनावी रणनीतियों के बजाय स्थायी नीतियों पर ध्यान दें। सिर्फ चुनावी लाभ के लिए नई योजनाओं और वादों को लागू करना सही नहीं है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दे प्राथमिकता बनने चाहिए, ताकि जनता का भरोसा सरकारों पर बना रहे और स्थिरता बनी रहे।

राजनीतिक दलों को अपने व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। स्थायी और प्रभावी नीतियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो वास्तविक समस्याओं का समाधान कर सकें। जब तक राजनीति में स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण नहीं अपनाया जाएगा, तब तक देश का विकास बाधित होता रहेगा।

अवनीश कुमार गुप्ता
आजमगढ़, उत्तर प्रदेश

ललित सुरजन की कलम से

मेरा चुनावी घोषणापत्र

(पिछले अंक का शेष)

12. जल के अविरल व निर्मल प्रवाह के लिए पांच-पांच, दस-दस किलोमीटर की दूरी पर बने स्टापडेम योजनाबद्ध तरीके से खत्म करना।
13. जिन पर्वतों, पहाड़ियों से वर्षा जल नीचे उतरता है वहां प्राथमिकता से वृक्षारोपण।
14. जनता के साथ खुले संवाद के माध्यम से प्रदेश की खनिज सम्पदा व वन सम्पदा के दोहन की नई नीति।
15. गांवों में स्थित चरागान आदि सामुदायिक भूमि तथा शहरों में तालाब, मैदान, बगीचे की भूमि किसी भी सूरत में अन्य उपयोग के लिए नहीं।
16. प्रदेश में सार्वजनिक यातायात सेवा का अधिकतम विस्तार तथा निजी वाहनों की बढ़ती संख्या रोकने के लिए उचित उपाय।
17. रोजगार के अधिकतम अवसर हेतु हाथकरघा व कुटीर उद्योगों को प्राथमिकता के साथ संरक्षण।
18. हमारा प्रदेश आदिवासी बहुल है। यहां कृषक और श्रमजीवी समुदाय की बहुतायत है। हर हाल में इनका हित संरक्षण।
19. पंचायतीराज कानून व पेसा कानून को संविधान की भावना के अनुरूप लागू करना।
20. हर ग्राम में धान भंडारण, पंचायत के माध्यम से धान की मिलिंग, जिससे किसान को उचित मूल्य मिल पाए।
21. हर ग्राम में गौशाला परिसर का निर्माण। बायोगैस से बिजली उत्पादन व सड़कों पर आवारा मवेशियों पर रोक।
22. विश्वविद्यालयों को संपूर्ण स्वायत्तता।

यह घोषणापत्र आधा-अधूरा है। इसमें बहुत से बिन्दु अभी जोड़ना बाकी है

(देशबन्धु में 01 नवंबर 2018 को प्रकाशित)

https://lalit.surjan.blogspot.com/2018/10/blog-post_31.html

विश्व अहिंसा दिवस

यूं ही गांधी महात्मा नहीं हुए

भारत के महान सपूत गांधी ने पूरे विश्व में भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के रूप में विश्व को अहिंसा का संदेश दिया और शायद कोई विश्वास करेगा कि अहिंसा से ही महात्मा गांधी ने भारत देश को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त कराया और अंग्रेजों को भारत से रुखसत करने का दुष्कर कार्य किया। 2 अक्टूबर को गांधी जी के जन्मदिवस पर पूरे विश्व में अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। महात्मा गांधी युगकालीन अहिंसक वैचारिक क्रांति के एक बड़े और सशक्त सूत्रधार थे। यह भारत का सौभाग्य ही है कि 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर गुजरात में एक महान व्यक्तित्व ने जन्म लिया था। जिनका पूरा नाम मोहन दास करमचंद गांधी था। भावनगर के श्यामल दास कॉलेज में उनकी शिक्षा हुई तत्पश्चात उनके भाई लक्ष्मी दास ने उन्हें बैरिस्टर की शिक्षा प्राप्त करने के लिए इंग्लैंड भेज दिया था। इंग्लैंड जाने से पहले मात्र 13 वर्ष की आयु में उनका विवाह कस्तूरबा गांधी से हो गया था। 1891 में गांधीजी इंग्लैंड से वकालत पास कर मुंबई में वकालत प्रारंभ कर दी थी। गांधी जी के समाज क्रांतिकारी जीवन का शुभारंभ 1893 में तब हुआ जब एक मुकदमे के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा। वहां उन्होंने अंग्रेजों को भारतीयों एवं वहां के मूल निवासियों के साथ बुरा व्यवहार करते देखा था। वहां अंग्रेजों ने महात्मा गांधी को भी कई बार अपमानित किया था। गांधी जी ने अंग्रेजों के अपमान के विरुद्ध मोर्चा संभालते हुए उनके विरोध के लिए सत्याग्रह और अहिंसा का मार्ग चुना था। दक्षिण अफ्रीका के दौरान उन्होंने अध्यापक, चिकित्सक और कानूनी अधिकार की लड़ाई के लिए अधिवक्ता के रूप में जनता को जागरूक करने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान की और महत्वपूर्ण काम किए। अपने जीवन काल में उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन कर समाज की सेवा की। उनकी एक महत्वपूर्ण पुस्तक 'माय एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ' विश्व प्रसिद्ध आत्मकथा बनी। दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी के कार्यों तथा सतत प्रयत्नों की ख्याति भारत में फैल चुकी थी और जब वे भारत लौटे तो उनका गोपाल कृष्ण गोखले, लोकमान्य गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने स्वागत किया। भारत में आते ही गांधी जी ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य बिहार के चंपारण जिले के नीलहे किसानों को अंग्रेजों से मुक्ति दिलानें का किया, 1917 में गांधी जी के सत्याग्रह के फलस्वरूप ही चंपारण के किसानों का शोषण समाप्त हो पाया था। अहमदाबाद में आश्रम की स्थापना के साथ-साथ अंग्रेज सरकार के विरुद्ध उनका संघर्ष प्रारंभ हुआ और भारतीय राजनीति की बागडोर अब महात्मा गांधी के हाथों में आ चुकी थी। गांधीजी इस बात को अच्छे से समझ चुके थे कि सामरिक तौर पर अंग्रेजों से लड़ाई नहीं की जा सकती है, भारत को अंग्रेजों से मुक्ति लाठी, बंदूक के बल पर नहीं प्राप्त हो सकती थी, इसीलिए उन्होंने सत्य और अहिंसा की शक्ति का सहारा लिया। स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। गांधी जी हमारे बीच नहीं है, पर उन्हें युगों तक याद किया जाता रहेगा। उनके द्वारा प्रतिपादित चार आधारभूत सिद्धांत सत्य, अहिंसा, प्रेम और सद्भाव को आज भी पूरे विश्व में करोड़ों लोगों द्वारा अंगीकार किया जा रहा है।

संजीव ठाकुर

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770 ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

जापान की संसद ने शिगेरू इशिबा को चुना प्रधानमंत्री

टोक्यो। जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के नेता शिगेरू इशिबा को मंगलवार को संसदीय मतदान में देश का अगला प्रधानमंत्री चुना गया। वह फूमियो किशिदा की जगह लेंगे। जापानी संसद के निचले और ऊपरी दोनों सदनों ने इशिबा का समर्थन किया। इससे पहले निर्वतमान पीएम किशिदा ने अपने मंत्रिमंडल के साथ सामूहिक इस्तीफा देने का फैसला किया। उन्होंने एक बयान में कहा कि जापान घरेलू और विदेशी, दोनों मोर्चों पर एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि नए मंत्रिमंडल के तहत जापान के भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने वाली महत्वपूर्ण नीतियों को सख्ती से लागू किया जाएगा। मैं अगले मंत्रिमंडल और नए प्रधानमंत्री के लिए आपके निरंतर समर्थन की मांग करता हूं।

थाईलैंड में बस में आग लगने से 25 विद्यार्थियों की मौत

बैंकॉक, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। थाईलैंड में एक बड़ा बस हादसा हुआ है, जिसमें 44 बच्चों को लेकर जा रही एक बस में अचानक आग लग गई। इस भीषण आग की चपेट में आने से करीब 25 बच्चों की मौत हो गई है, जबकि मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, आग कैसे लगी, इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल सकी है। यह दुर्घटना तब हुई जब बस राजधानी बैंकॉक से लगभग 250 किलोमीटर उत्तर की ओर जा रही थी। बस कहा जा रही थी इसके बारे में अभी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

हादसा थाईलैंड के स्थानीय समयानुसार लगभग 12:30 बजे हुआ। बस में 6 टीचर भी सवार थे. पुलिस अब तक 16 छात्रों और 3 शिक्षकों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा चुकी है। थाईलैंड के परिवहन मंत्री सुरिया जुआंगरुंगआंगकिट ने कहा कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

पीएम ने संवेदना व्यक्त की

प्रधानमंत्री पैटोंगटर्न शिनावात्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के माध्यम से अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि सरकार चिकित्सा खर्चों का ध्यान रखेगी और पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा प्रदान करेगी। गृह मंत्री अनुटिन चारनवीराकुल ने कहा कि अधिकारी अभी तक हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं कर सके हैं, क्योंकि घटनास्थल की जांच पूरी नहीं हुई है। हालांकि, बचे हुए लोगों की संख्या के आधार पर 25 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है।

आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं

सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि पूरी बस आग की चपेट में आ गई थी, और काले धुएं के बड़े-बड़े गुबार सड़क पर खड़ी बस से निकल रहे थे। छात्रों की उम्र और अन्य विवरण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाए हैं. घटनास्थल पर मौजूद एक बचावकर्मी ने बताया कि आग संभवत: तब लगी जब बस का एक टायर फट गया और वाहन सड़क के बैरियर से टकरा गया।

जर्मनी ने लेबनान से अपने नागरिकों को निकाला

बैंकॉक, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जर्मनी के संघीय रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि क्षेत्र में बढ़ती चिंताओं के बीच लेबनान से जर्मन नागरिकों को निकालने के लिए वायु सेना का ए321 विमान बेरूत के लिए उड़ान भर चुका है। संघीय विदेश कार्यालय ने सोमवार को लेबनान की यात्रा के खिलाफ चेतावनी दी तथा जर्मन नागरिकों को देश छोड़ देने की सलाह दी। जर्मन विदेश मंत्रालय ने सप्ताहांत में बेरूत, रामल्लाह और तेल अवीव स्थित दूतावासों के लिए संकट स्तर फिर से बढ़ा दिया, हालांकि वहां स्थित दूतावास अभी भी कार्यरत हैं। एक सरकारी बयान के अनुसार, बेरूत में जर्मन दूतावास खुला रहेगा, लेकिन कर्मचारियों और गैर-जरूरी कर्मियों के परिवार के सदस्यों को विमान से बाहर निकाला जा रहा है। जर्मन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि वर्तमान में लेबनान में 1,800 पंजीकृत जर्मन नागरिक हैं। इसके अलावा, बेरूत स्थित जर्मन दूतावास भी शेष जर्मन नागरिकों के साथ समन्वय कर रहा है ताकि वाणिज्यिक उड़ानों और अन्य उपलब्ध साधनों के माध्यम से उनके प्रस्थान को सुविधाजनक बनाया जा सके। मंत्रालय ने कहा कि सोमवार की उड़ान में चिकित्सा जोखिम का सामना कर रहे नागरिकों को निकालने को प्राथमिकता दी जाएगी। इजराइल ने लेबनान पर दो सप्ताह तक लगातार हमले किए हैं, जिसमें हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह और कई कमांडरों को मार गिराया गया है, साथ ही करीब 1,000 लेबनानी लोगों को भी मार डाला गया है और दस लाख लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। हिजबुल्लाह ने लेबनान पर किसी भी इजराइली जमीनी हमले का सामना करने का संकल्प लिया है।

सुडोकू 6694

		3	2		4			
1				6			5	9
8	6							
2					1	4		
	3						9	
		1	6					8
							2	7
6	2			3				5
			7		9	3		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6694

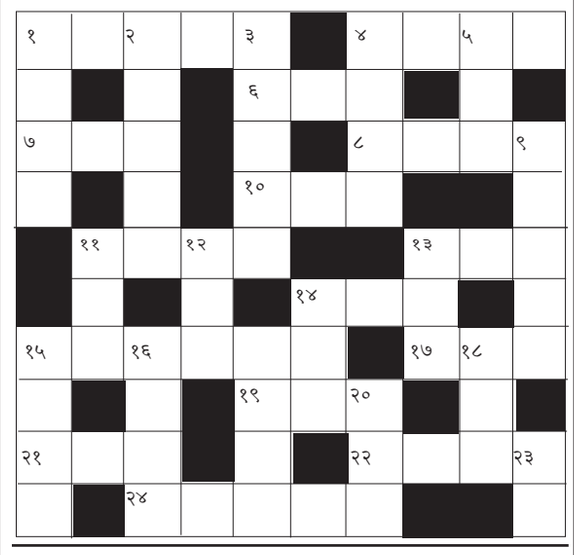

बायें से दायें:-

१. मधु दैत्य का वध करने वाले श्रीकृष्ण, भौंरा
४. जिसका विरोध न हुआ हो, श्रीकृष्ण के प्रपौत्र
६. लौटना, वापस आना
७. हालत, दशा, आनंद, मजा, रंग
८. झूठ, झूठी बात
१०. फौरन
११. नियम बनाने वाला,व्यवस्थापक,नियंता
१३. पृष्ठ या पन्ने के चारों ओर छुटा हुआ प्राय: सादा किनारा (उर्दू)
१४. कोमल
१५. चंदन
१७. दया, कृपा(उर्दू)
१९. चेहरे पर का काला धब्बा, खिजाब
२१. दर्शन करना, निहारना
२२. किसी दल या गिरोह का प्रधान
२४. मछुआरा

ऊपर से नीचे:-

१. फूलों का पराग
२. सूर्य पुत्री, यमुना
३. नया आया हुआ
४. बेहद
५. अपमानित (उर्दू)
९. रूढ़िवादी (उर्दू)
११. व्यर्थ, बेकार, फलरहित
१२. कामदेव
१३. स्थिति, दशा (उर्दू)
१४. कमल
१५. शिव
१६. नाम के अनुरूप
१८. रक्तपान करने वाला
१९. कछुआ
२०. उपाधि, खिताब
२३. दिनांक

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : बुधवार 2 अक्टूबर, 2024 आश्विन कृष्ण पक्ष 15

राशिफल

मेष - आर्थिक और व्यावसायिक रूप से आज का दिन लाभदायक है। आर्थिक लाभ मिलेगा। लंबे समय के लिए निवेश कर सकेंगे। शरीर और मन से स्वस्थ रहेंगे। मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के साथ खूब आनंद में दिन व्यतीत होगा।

वृषभ - विचारों की विशालता और वाणी का जादू दूसरों को प्रभावित और मंत्रमुग्ध करेंगे। लोगों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंध बने रहेंगे। बौद्धिक चर्चा या वाद-विवाद में सफलता मिलेगी। पठन एवं लेखन में अभिरुचि बढ़ेगी।

मिथुन - महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आप दुविधा अनुभव करेंगे। माता और पत्नी के मामले में अधिक संवेदनशील बनेंगे। विचारों की भरमार से मानसिक थकान का अनुभव होगा। अनिद्रा के कारण शारीरिक अस्वस्थता रहेगी।

कर्क - काम की सफलता और नए काम के शुभारंभ के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। मित्रों तथा स्वजनों के साथ की मुलाकात से आप खुशहाल रहेंगे। लघु यात्रा का योग है। भाई- बंधुओं से मेलजोल बना रहेगा।

सिंह - दूर बसनेवाले स्नेहीजन तथा मित्रों के साथ के संदेश व्यवहार से आपको लाभ होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। उत्तम भोजन की प्राप्ति होगी। अपनी बोली से किसी के मन को जीत सकते हैं। निर्धारित काम में सफलता मिलेगी।

कन्या - वैचारिक समृद्धि और वाणी की मोहकता से आपको लाभ होगा और आप सौहार्द्रपूर्ण संबंध विकसित कर अपना काम निकाल सकेंगे। व्यवसाय की दृष्टि से आज का दिन लाभदायक साबित होगा।

तुला - अपनी वाणी और व्यवहार को संयम में रखें। अन्य व्यक्तियों या परिजनों के साथ उग्र बोलाचाली होने की आशंका है। परोपकार का बदला उपकार से मिल सकता है। आय की अपेक्षा खर्च की मात्रा बढ़ेगी।

वृश्चिक - गृहस्थजीवन में आपको सुख और संतोष का अनुभव होगा। पत्नी तथा पुत्र से शुभ समाचार मिलेगा। मांगलिक काम होंगे। विवाह के संयोग बनेंगे। नौकरी-धंधे में अच्छे अवसर खड़े होने से आय में वृद्धि होगी।

धनु - आर्थिक और व्यापारिक आयोजन करने के लिए शुभ दिन है। कोई भी काम सफलतापूर्वक पूरा होगा। परोपकार की भावना आज बलवती रहेगी। आमोद-प्रमोद में आपका दिन गुजरेगा।

मकर - बौद्धिक कार्यों एवं व्यवसाय में आप नई शैली अपनाएंगे। साहित्य तथा लेखन की प्रवृत्ति को गति मिलेगी। शरीर में बेचैनी और थकान का अनुभव होगा। संतान की समस्या चिंता का कारण बनेगी। लंबी यात्रा की संभावना है।

कुंभ - अनैतिक और निषेधात्मक कार्यों तथा नकारात्मक विचारों से दूर रहें। अत्यधिक विचार और क्रोध आपकी मानसिक स्वस्थता में खलल पहुंचाएंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार में खटराग होने की संभावना रहेगी।

मीन - आपका आज का दिन सुख- शांति में गुजरेगा। व्यापारियों के लिए समय अच्छा है। दांपत्यजीवन में निकटता का अनुभव होगा। मित्रों, स्वजनों के साथ मुलाकात होगी। प्रेमीजनों का रोमांस अधिक गहरा होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1869 - महात्मा गांधी का गुजरात के पोरबंदर में जन्म।
1904 - भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म हुआ।
1929 - गांधी जी ने नवजीवन कार्यालय को एक सार्वजनिक न्यास बनाया।
1951 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जन संघ की स्थापना की।
1952 - भारत में सामुदायिक विकास कार्यक्रम की शुरूआत 1952 में हुई।
1961 - बम्बई (अब मुंबई) में शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का गठन 1961 में हुआ।
1968 - मेक्सिको सिटी में ओलंपिक खेल शुरू होने से पहले छात्रों का पुलिस के साथ खूनी संघर्ष होन में 25 लोगों की मौत।
1971 - राष्ट्रपति ने बिरला सदन को देश को समर्पित किया।
1982 - ईरान की राजधानी तेहरान में बम विस्फोट से 60 मरे, 700 घायल।
1985 - दहेज निषेधाज्ञा संशोधन कानून अस्तित्व में आया।
1988 - मंडपम और पंबन को जोड़ने वाले समुद्र के ऊपर बने उस समय के सबसे बड़े सड़क पुल को यातायात के लिए खोला गया।
1989 - तमिलनाडु में मंडपम और पम्बन के बीच समुद्र के ऊपर सबसे लंबा पुल खुला।
2001 - 19 देशों के संगठन नाटो ने अफगानिस्तान पर हमले के लिए हरी झंडी दी।
2004 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने कांगों में 5900 सैनिक भेजने का प्रस्ताव मंजूर किया।
2006 - दक्षिण अफ्रीका ने परमाणु ईंधन आपूर्ति मामले पर भारत को समर्थन देने का फैसला किया।
2007 - उत्तर कोरिया तथा दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरी शिखर बैठक सम्पन्न हुई।

विदेश मंत्री ने की अमेरिकी वाणिज्य मंत्री से मुलाकात

वाशिंगटन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वाशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो से मुलाकात की और उन्होंने सेमीकंडक्टर, आईसीईटी, महत्वपूर्ण खनिजों और परिस्थितियों

■ **वाशिंगटन डीसी में वाणिज्य मंत्री रायमोंडो से मिल कर बहुत खुशी हुई : एस. जयशंकर**

में उतार चढ़ाव से अप्रभावित एवं सतत आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित किये जाने के मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज वाशिंगटन डीसी में वाणिज्य मंत्री रायमोंडो से मिल कर बहुत खुशी हुई। हमने सेमीकंडक्टर्स, आईसीईटी, महत्वपूर्ण खनिजों, विश्वसनीय साझीदारियों और परिस्थितियों में उतार चढ़ाव से अप्रभावित एवं सतत आपूर्ति श्रृंखला पर चर्चा की। हम अपने तकनीकी सहयोग और आर्थिक साझीदारी में जो प्रगति कर रहे हैं, उसके महत्व पर भी बातचीत हुई। डॉ. जयशंकर ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें अधिवेशन में एक सप्ताह के दौरान अपने कार्यक्रम की जानकारी साझा करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा 79 में एक बेहद उपयोगी सप्ताह समाप्त हुआ। विश्व के 75 विदेश मंत्रियों और अन्य प्रतिनिधियों के साथ बातचीत हुई। जी20, जी4, आईबीएसए, ब्रिक्स, एल-69 और

सी-10, भारत-कैरिकॉम, भारत-सीईएलएसी, बिम्सटेक सहित 8 बहुपक्षीय सम्मेलनों में भाग लिया। उन्होंने कहा कि सिंथेटिक ड्रग खतरों का मुकाबला करने के लिए वैश्विक गठबंधन शिखर सम्मेलन, बीबीएनजे संधि पर हस्ताक्षर, एशिया सोसायटी, ओआरएफ और पैनआईआईटी एलुमनी फाउंडेशन सहित कार्यक्रमों में भाग लिया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत का वक्तव्य दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के अधिवेशन के दौरान भारत की गतिविधियां वास्तव में भारत की विश्वबंधुता तथा बहुपक्षवाद के सुधारों के लिए प्रतिबद्धता को रेखांकित करतीं हैं।

गाजा शरणार्थी शिविर पर इजरायली हमले में 12 लोगों की मौत

गाजा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य गाजा पट्टी में नुसीरात शरणार्थी शिविर पर सोमवार रात इजरायली हवाई हमले में 12 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। गाजा में नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने कहा कि इजरायली युद्धक विमानों ने शिविर में निकटवर्ती दो घरों को निशाना बनाया, जिसमें 12 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। प्रवक्ता बसल ने कहा कि नागरिक सुरक्षा और स्थानीय निवासियों की एक टीम पीड़ितों की तलाश में जुटी है जबकि घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इजरायली सेना ने फिलहाल इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के माध्यम से हमास के हमले का बदला लेने के लिए इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला किया है। इस दौरान लगभग 1,200 लोग मारे गए और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि गाजा पट्टी में चल रहे इजरायली हमलों में फिलीस्तीनी मरने वालों की संख्या बढ़कर 41,615 हो गई है।

नागरिक सुरक्षा और स्थानीय निवासियों की एक टीम पीड़ितों की तलाश में जुटी है जबकि घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है : महमूद बसल

पेरू: तीन वाहनों की टक्कर में नौ लोगों की मौत, 16 घायल

लीमा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेरू के टैकना क्षेत्र में कोस्टानेरा हाइवे पर तीन वाहनों की टक्कर में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना ला याराडा-लॉस पालोस जिले में 'एल चास्की' नामक मोड़ के पास हुई। सरकारी समाचार एजेंसी एंडीना के हवाले से बताया कि रविवार रात को विल्का ट्रांसपोर्ट कंपनी की एक बस, एक प्राइवेट कार और एंडियन प्रॉडक्ट्स, भेड़ ले जा रहे ट्रक में टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक ड्राइवर और कई बस यात्री मलबे में फंस गए, जबकि प्राइवेट कार में सवार लोग कथित तौर पर घटनास्थल से भाग गए। चश्मदीदों ने बताया कि कार गलत लेन में चली गई, जिससे दुर्घटना हुई।

विश्व इंटरनेट सम्मेलन-2024 का वुचन समिट 19 से 22 नवंबर तक

बीजिंग, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व इंटरनेट सम्मेलन-2024 का वुचन शिखर सम्मेलन 19 से 22 नवंबर तक चीन के चच्यांग प्रांत के वुचन कस्बे में आयोजित किया जाएगा। यह वुचन शिखर सम्मेलन पूरी तरह से कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित होगा, जिसका विषय 'साइबरस्पेस में साझा भविष्य वाले समुदाय के निर्माण के लिए हाथ मिलाना' है। शिखर सम्मेलन के दौरान, वैश्विक विकास पहल, डिजिटल हरित सहयोगी परिवर्तन और विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, खुला स्रोत पारिस्थितिक विकास, डेटा प्रशासन, कानून के नेटवर्क नियम, इंटरनेट सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी सीख, डिजिटल शिक्षा, युवा और डिजिटल भविष्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी नवाचार और शासन, नेटवर्क सुरक्षा प्रौद्योगिकी विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर 24 उप-मंच आयोजित किए जाएंगे। विश्व इंटरनेट सम्मेलन दुनिया भर से सभी क्षेत्रों के लोगों को वुचन में इकट्ठा होने के लिए आमंत्रित करेगा। जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी और उद्योग तेजी से बढ़ रहे हैं, वे संयुक्त रूप से नए अवसरों का लाभ उठाएंगे, नई चुनौतियों का जवाब देंगे, और मानव जाति को बेहतर लाभ पहुंचाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देंगे। विश्व इंटरनेट सम्मेलन सचिवालय के प्रभारी व्यक्ति ने कहा कि वुचन शिखर सम्मेलन-2024 पिछले वर्षों की विशेषताओं के आधार पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के लिए नए विचारों और नए हाइलाइट्स का उपयोग करेगा।

वर्ग पहेली-6693

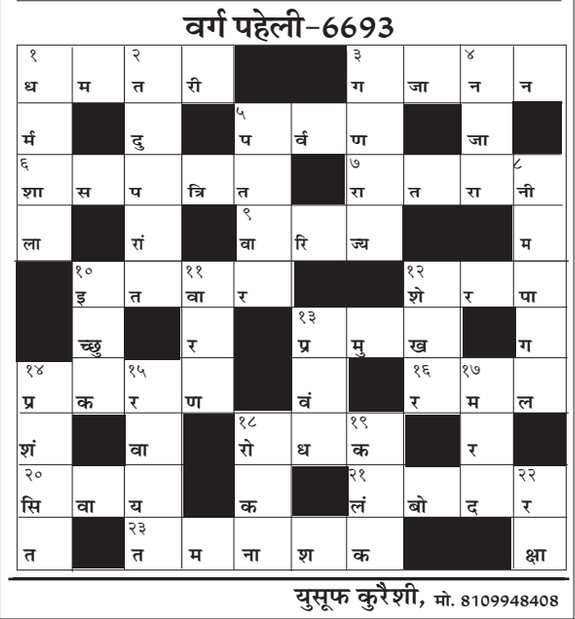

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

प्रदर्शन *दक्षिण कोरिया का शक्ति प्रदर्शन*

दुनिया को दिखाई अपनी सबसे ताकतवर 'मॉन्स्टर' मिसाइल

सियोंगनाम, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया ने आर्म्ड फोर्सेज डे के अवसर पर मंगलवार को पहली बार अपनी सबसे शक्तिशाली 'मॉन्स्टर' मिसाइल, को सार्वजनिक प्रदर्शन किया। यह उत्तर कोरिया की परमाणु और मिसाइल धमकियों के बीच सोल की प्योंगयांग को स्पष्ट चेतावनी है। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि राजधानी के दक्षिण में सियोल एयर बेस पर आयोजित एक समारोह में दो मोबाइल मिसाइल लॉन्चर, 'ह्यूनमू-5' ले जा रहे थे।

■ **इस बैलिस्टिक मिसाइल को इसके आकार के कारण 'मॉन्स्टर' कहा जाता है**

यह मिसाइल उत्तर कोरिया के बड़े हमले की सूरत में दक्षिण कोरिया की जवाबी कार्रवाई की योजना का मुख्य हिस्सा है। यह सैन्य उपकरण राजधानी के दक्षिण में सियोल एयर बेस पर प्रदर्शित किए गए। जमीन से जमीन पर मार करने वाली इस बैलिस्टिक मिसाइल को इसके आकार के कारण 'मॉन्स्टर' कहा जाता है। इसे सामरिक महत्व के कारण गोपनीयता में रखा गया था। यह लगभग 8 टन वजन का वारहेड ले जाने में सक्षम है और अंडरग्राउंड बंकरों को नष्ट करने में सक्षम है। दक्षिण कोरिया

'ह्यूनमू' मिसाइलों की एक सीरीज डेवलप की है। इसमें बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें शामिल हैं। पिछले साल आर्म्ड फोर्सेज डे समारोह में 'ह्यूनमू-4' को शामिल किया गया था। हालांकि, यह मिसाइल 'ह्यूनमू-5' की तुलना में केवल दो टन का पेलोड ही ले जा सकती है। उत्तर कोरिया ने पिछले कुछ समय से अपनी कई गतिविधियों से कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ा दिया है।

बगदाद एयरपोर्ट के पास दागे गए दो रॉकेट, इराकी मिलिट्री बेस था निशाना

बगदाद। इराकी सेना ने कहा कि मंगलवार को बगदाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास के इलाकों में दो कत्यूषा रॉकेट गिरे, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। एक रॉकेट इराकी काउंटर टेररिज्म सर्विस के बेस पर गिरा। इराकी संयुक्त ऑपरेशन कमांड के प्रवक्ता तहसीन अल-खफाजी के अनुसार, यह हमला स्थानीय समयानुसार रात 00:20 बजे हुआ। इराकी सुरक्षा बलों को पश्चिमी बगदाद के अल-अमेरियाह इलाके में एक ट्रक पर एक रॉकेट लॉन्चर मिला। लॉन्चर में कई बिना दागे रॉकेटों को डिफ्यूज कर दिया गया।

दुनिया को जानें

लंदन में नस्लवाद की वजह से बढ़ रही असमानता

लंदन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। लंदन में संरचनात्मक नस्लवाद एक गंभीर समस्या है। यह जहां जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है वहीं जातीय समूहों के बीच असमानताओं को भी बढ़ावा दे रहा है। यूसीएल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ इक्विटी (आईएचई) की ओर से प्रकाशित रिपोर्ट में पाया गया कि जो लोग अपने दैनिक जीवन में बार-बार नस्लवाद के संपर्क में आते हैं, उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य खराब होता है। रिपोर्ट के अनुसार, लंदन में लगभग 70 फीसदी बांग्लादेशी और पाकिस्तानी बच्चे, 52 प्रतिशत अश्वेत बच्चे, गरीबी में बड़े हो रहे हैं। वहीं श्वेत परिवारों में 26 फीसदी बच्चे गरीबी में बड़े हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि गरीबी में बड़े होने वाले बच्चों के अच्छे आवास में रहने या पौष्टिक भोजन तक पहुंच की संभावना कम होती है। इसका उनकी शैक्षिक संभावनाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि वर्कप्लेस पर नस्लवाद के कारण शिक्षा में प्रगति, अच्छे रोजगार या आय में तब्दील नहीं हो पाती।

प्रादेशिकी

प्रवासी मजदूरों को थाना में सत्यापन कराना आवश्यक : कश्यप

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला में प्रवासी मजदूरों को संबंधित पुलिस स्टेशन में थाना प्रभारी के पास जाकर पासपोर्ट आकार की फोटो के साथ अपना सत्यापन कराना आवश्यक होगा। शिमला जिला दंडाधिकारी अनुपम कश्यप ने मंगलवार को यहां भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के मद्देनजर आपातकालीन उपाय के रूप में आदेश पारित किये हैं । इसके तहत कोई भी नियोक्ता, ठेकेदार और व्यापारी जिला शिमला में आने वाले किसी भी प्रवासी मजदूर को छोटी-मोटी गैर-औपचारिक नौकरी या सेवा या अनुबंध श्रम में तब तक नहीं लगायेंगे, जब तक ऐसे प्रवासी मजदूर संबंधित पुलिस स्टेशन में थाना प्रभारी के पास जाकर पासपोर्ट आकार की फोटो के साथ अपना विवरण प्रस्तुत नहीं करते हैं। आदेशों के अनुसार शिमला जिला का दौरा करने वाला कोई भी व्यक्ति संबंधित थाना प्रभारी को इस आशय की जानकारी दिये बिना किसी भी प्रकार के स्व-रोजगार, गैर-औपचारिक व्यापार, सेवाओं में अथवा रोजगार की तलाश में संलिप्त नहीं होगा।

हिमाचल के मंदिरों में डिजिटल सेवाओं के विस्तार के लिए बनेगी राज्यव्यापी नीति : उपमुख्यमंत्री

बोले, सरकारी सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में डिजिटल प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण

ऊना, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने मंगलवार को कहा कि राज्य में डिजिटल प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग से सरकारी सेवाओं को अधिक सुगम और प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से मंदिरों में दर्शन, दान और अन्य सेवाओं की व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए एक राज्यव्यापी नीति तैयार करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री मंगलवार को ऊना के पालकवाह स्थित कौशल विकास केंद्र के सभागार में डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस विभाग के सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए बोल रहे थे। यह एक दिवसीय सम्मेलन डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से रोजगार सृजन तथा तकनीक को लोगों के करीब लाने और प्रदेश में सार्वजनिक सेवाओं में व्यापक सुधार व उनकी पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित था। इसमें नागरिक-केंद्रित डिजिटल एप्लिकेशनों और उभरती तकनीकों को समझने तथा समग्र विकास में उनके उपयोग को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। शुभारंभ सत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस विभाग के सचिव डॉ. अभिषेक जैन, आईआईआई ऊना के निदेशक प्रो. मनीष गौर, बजाज फाइनेंस के मुख्य सूचना एवं तकनीकी अधिकारी अनुराग जैन, डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस विभाग के निदेशक डॉ. निपुण जिंदल, उपायुक्त जतिन लाल, डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस विभाग के अतिरिक्त निदेशक राजीव कुमार, संयुक्त निदेशक अनिल सेमवाल सहित विभाग के अन्य अधिकारी, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञ, हरोली इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश कौशल सहित विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, उद्यमियों, शिक्षण संस्थानों के बच्चों, लोक मित्र केंद्रों के संचालकों समेत अन्य लोगों ने भाग लिया।

डिजिटल प्रौद्योगिकी के सदुपयोग पर बल

उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विभाग को प्रदेश के मंदिरों में दर्शन, दान और अन्य सेवाओं की व्यवस्था को सुदृढ़ करने में डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग को लेकर राज्यव्यापी नीति तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल में विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ एवं ऐतिहासिक मंदिर हैं। डिजिटल माध्यम से मंदिर दर्शन और डोनेशन की व्यवस्था बनाने समेत प्रदेश के लिए एकरूप डिजिटल व्यवस्था बनाने की दिशा में काम करें। उन्होंने शासन व्यवस्था को और बेहतर बनाने में डिजिटल प्रौद्योगिकी के सदुपयोग पर बल दिया है। साथ ही सार्वजनिक सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और रोजगार सृजन में तकनीक के बेहतर इस्तेमाल पर फोकस करने को कहा।

ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांति के लिए करें समन्वित प्रयास

उपमुख्यमंत्री ने ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार लाने और इसे ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ड्रोन के जरिए दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आवश्यक सेवाएं जैसे दवाओं की सप्लाई तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन इस दिशा में अभी और काम की आवश्यकता है। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर चिंता जताई कि भारत में फिलहाल ड्रोन का निर्माण नहीं हो रहा और अधिकतर ड्रोन चीन से आयात किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमें ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में तेजी से काम करना चाहिए ताकि हम आत्मनिर्भर बन सकें। साथ ही बच्चों के लिए ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण देने पर ध्यान देना होगा। उन्होंने ट्रिपल आईटी ऊना को अपने वहां बच्चों के लिए ड्रोन पायलट ट्रेनिंग देने के लिए 3 या 6 महीने के लघु कोर्स चलाने का सुझाव दिया।

हरिद्वार मेडिकल कॉलेज के लिए एमबीबीएस की 100 सीटें आवंटित

धामी ने पीएम मोदी और केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री का जताया आभार

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। हरिद्वार जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने की दिशा में सरकार मेडिकल कॉलेज निर्माण के साथ कदम बढ़ा चुकी है। ऐसे में

■ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए राज्य सरकार लगातार कर रही काम: धामी

हरिद्वार मेडिकल कॉलेज का संचालन जल्द शुरू होने जा रहा है। दरअसल, भारत सरकार ने हरिद्वार मेडिकल कॉलेज के लिए 100 एमबीबीएस की सीटें आवंटित कर दी है। जिस पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का धन्यवाद देते हुए आभार जताया है।

उत्तराखंड में देहरादून, श्रीनगर, हल्द्वानी में राजकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना के बाद अब हरिद्वार में भी मेडिकल कॉलेज का संचालन शुरू होने जा रहा है। मैदानी जिला होने के बावजूद हरिद्वार जिले में चिकित्सकों की कमी थी। जिसके चलते राज्य सरकार ने हरिद्वार में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य शुरू किया था। साथ ही बहुत कम समय में हरिद्वार मेडिकल कॉलेज

का भवन बनकर तैयार हुआ। पिछले महीने ही नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की टीम ने हरिद्वार मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया था। इस दौरान एनएमसी टीम में कुछ कमियां बताई थी। चिकित्सा शिक्षा सचिव के अनुसार, एनएमसी टीम ने कमियां बताई थी, उनको दूर कर लिया गया था। जिसके बाद अब हरिद्वार मेडिकल कॉलेज के लिए शुरुआती चरण में 100 एमबीबीएस सीटों को मंजूरी मिली है। इस कॉलेज के निर्माण से हरिद्वार जिले की लाखों की आबादी को फायदा मिलेगा। दरअसल, इस जिले की आबादी को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ऋषिकेश एम्स या फिर देहरादून के तमाम अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन मेडिकल कॉलेज बनने से लोगों को फायदा मिलेगा। ऐसे में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के विशेष प्रयासों से हरिद्वार में मेडिकल कॉलेज निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। स्वास्थय सचिव डॉ आर राजेश कुमार के विशेष प्रयासों से अल्प समय में इसका भवन बनकर तैयार हो गया।

हरिद्वार की लाखों की आबादी को मिलेगा लाभ

देहरादून। इस कॉलेज के निर्माण से हरिद्वार जनपद की लाखों की आबादी को लाभ होगा। दरअसल, इस जनपद की आबादी को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ऋषिकेश एम्स व देहरादून के विभिन्न अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता था लेकिन मेडिकल कॉलेज बनने से यहां के लोगों को आने वाले दिनों में काफी राहत मिलेगी। राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए हमारी सरकार सतत रूप से कार्य कर रही है। हम पर्वतीय जनपदों के साथ ही मैदानी जनपदों में चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाना चाहते हैं। हरिद्वार मेडिकल कॉलेज के निर्माण को तेजी से पूरा किया गया है। निश्चित ही भविष्य में लोगों को इस अस्पताल के खुलने से बड़ा लाभ होगा।

सार संक्षेप

विरोधी फैला रहे हैं अफवाह : कल्याण सिंह चौहान

गुरुग्राम। सोहना तावडू विधानसभा से निर्दलीय उम्मीदवार कल्याण सिंह चौहान ने कहा कि जनता से मिल रहे अपार जनसमर्थन से विरोधियों में घबराहट का माहौल है। जिसके चलते ये अफवाह उड़ाई जा रही है कि मैंने किसी उम्मीदवार का समर्थन किया। जोकि सरासर गलत है, मैं पहले की तरह पूरे जनसमर्थन के साथ चुनाव लड़ रहा हूँ। सोहना में आयोजित प्रेस वार्ता में कल्याण सिंह

चौहान ने कहा कि वे पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहे हैं उनके किसी को समर्थन देने व चुनाव ना लड़ने की बात केवल अफवाह है। उन्होने इसे विरोधियों की साजिश करार देते हुए कहा कि मुझे सोहना तावडू की जनता ने अपना आशीर्वाद दे कर चुनाव लड़ने के लिए भेजा है। मुझे विधानसभा क्षेत्र की जनता का अपार समर्थन मिल रहा है। सोहना तावडू की जनता से उन्होने अपील करते हुए कहा किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें आपका भाई आपका बेटा कल्याण सिंह चौहान आपके आशीर्वाद और समर्थन से पूरी मजबूती से चुनाव मैदान में है। इस मौके पर अनेक जिला पार्षद व इलाके के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गुरुग्राम विजय रैली में दिखेगी नवीन गोयल की ताकत

गुरुग्राम। निर्दलीय प्रत्याशी नवीन गोयल बुधवार को सेक्टर-29 स्थित लेजरवैली पार्क के सामने मैदान पर गुरुग्राम विजय रैली आयोजित कर रहे हैं। चुनाव प्रचार थमने से एक दिन पहले यह रैली गुरुग्राम की राजनीति में गुरुग्राम की जनता का रुख बदलने का भी काम करेगी। रैली के माध्यम से नवीन गोयल की ताकत नजर आएगी। यह रैली पूरी तरह से हाईटेक होगी। रैली का सीधा प्रसारण होगा। इसी रैली के मंच से निर्दलीय प्रत्याशी नवीन गोयल अपना संकल्प पत्र भी पेश करेंगे। संकल्प पत्र में 50 बिन्दुओं को शामिल किया गया। शहर के चहुंमुखी विकास से लेकर शहर की समस्याओं, चिकित्सा, परिवहन, सड़क़ें, गलियां, सफाई व्यवस्था, जलभराव, पार्किंग व्यवस्था, आयुध डिपो का 900 मीटर दायरा, नागरिक अस्पताल का जल्द निर्माण, श्रीशीतला माता मेडिकल कालेज का जल्द निर्माण, अफोर्डेबल शिक्षा, गुरुग्राम विश्वविद्यालय का कैंपस जल्द तैयार, ऐलिवेटेड रोड, सिक्योरिटी, सार्वजनिक शौचालय, ऑटो मार्केट, ट्रांसपोर्ट नगर, शुद्ध पेयजल, स्ट्रीट लाइट, ओपन जिम, युवाओं का स्किल डेवेलपमेंट, खेल सुविधाएं, पर्यटन, धर्म-कर्म, पर्यावरण सुधार, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, कम्युनिटी सेंटर, छठ पूजा घाट, पेंशन समेत अनेक बिंदु इसमें शामिल किए गए हैं।

सुडोकू 6694 का हल

9	5	3	2	7	4	6	8	1
1	7	4	8	6	3	2	5	9
8	6	2	9	1	5	7	4	3
2	8	5	3	9	1	4	7	6
4	3	6	5	8	7	1	9	2
7	9	1	6	4	2	5	3	8
3	4	9	1	5	6	8	2	7
6	2	7	4	3	8	9	1	5
5	1	8	7	2	9	3	6	4

किसानों के हित के कार्यों को प्राथमिकता व गंभीरता से लें अधिकारी: गणेश जोशी

देहरादून, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने विभागीय अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए किसानों के हित के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री गणेश जोशी ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के भी सचिव कृषि को निर्देश दिए। मंगलवार को कैंप कार्यालय में विभागीय मंत्री गणेश जोशी ने कृषि एवं उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान विभागीय मंत्री ने अधिकारियों से कृषि एवं उद्यान विभाग में संचालित केंद्र एवं राज्य पोषित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को योजना के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शीघ्रता के साथ सेब काश्तकारों को यूनिवर्सल कार्टन उपलब्ध किया जाए। ताकि किसानों को नुकसान न हो। उन्होंने जैविक तथा प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के साथ ही नवाचारों को कृषकों तक पहुंचाया जाए। मंत्री ने अधिकारियों क्लस्टर आधारित जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को केंद्र पोषित योजनाओं के बजट को समय पर खर्च करने और क्लस्टर आधारित खेती के पेंडिंग तथा नई मांगो से संबंधित प्रपोजल को भारत सरकार को भेजने की कार्यवाही को जल्द से जल्द से किया जाए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। मीडिया में जारी बयान में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि हर्षिल के सेब की अपनी एक महत्ता है। उन्होंने कहा कि पूर्व में मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली कि जो किसानों सेब की पेटी दी जा रही है, उसका दाम भी अधिक है।

कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ गणेश जोशी ने की विभागीय समीक्षा

उत्तराखंड में लगातार बढ़ रहे डेंगू के मरीज, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

देहरादून, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। प्रदेश में लगातार डेंगू के मरीजों में इजाफा हो रहा है। जो कि चिंता की बात है। देहरादून, हल्द्वानी, हरिद्वार आदि शहरों में डेंगू के मरीज सामने आए हैं। डेंगू के केस सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट हो गया है। साथ ही संवेदनशील इलाकों में फॉगिंग की जा रही है। जबकि, स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी डेंगू से निपटने को व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। जिला अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में बेडों को रिजर्व किया गया है। हरिद्वार में जिला और मेला अस्पताल में रैपिड जांच में तीन लोगों को डेंगू की पुष्टि हुई है। इनमें एक मरीज जिला अस्पताल के डेंगू वार्ड में भर्ती है। जिला अस्पताल में भर्ती मरीज उत्तरी हरिद्वार क्षेत्र का है जबकि दो डेंगू मरीज मेला अस्पताल की लैब में रैपिड जांच में पॉजिटिव आए हैं। इनमें से एक मरीज महादेव पुरम तथा दूसरा गाजीवाली का निवासी है।

हरियाणा में भाजपा लगाएगी हैट्रिक : अनुराग ठाकुर

गुरुग्राम, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने पलवल में भाजपा प्रत्याशी गौरव गौतम के पक्ष में विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने पलवल के विकास को बनाए रखने के लिए गौरव गौतम को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। ठाकुर ने कहा कि आज हरियाणा में कांग्रेस के अंदर एक अनार सौ बीमार की स्थिति है। हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनाने के नाम पर मुंगेरीलाल के हसीन देख रही है। हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने वाली है, हैट्रिक लगने वाली है, कमल खिलने वाला है। हरियाणा में भी कांग्रेस का सरकार बनाने का गुब्बारा राजस्थान और मध्यप्रदेश की तरह फूटेगा। हिमाचल प्रदेश में भी इन्होंने झूठ बोलकर सरकार बनाई और आज प्रदेश को आर्थिक बदहाली की ओर धकेल दिया है। भारत में अगर सबसे बड़ा सांप्रदायिक दल कोई है तो वह कांग्रेस है। कांग्रेस की सांप्रदायिकता की सजा हरियाणा भी भुगत रहा है। कांग्रेस के विधायक की धमकी सुनी होगी, कांग्रेस अगर जीती तो लोगों को घर छोड़ना होगा। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी हर रोज झूठ बोलते हैं, कहते हैं कि हम एमएसपी पर कानून लाएंगे। 10 साल कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन गेहूँ और धान के अलावा किसी और फसल को कांग्रेस एमएसपी पर नहीं ख़रीदती थी। ठाकुर ने कहा कि सरकार बनाने की ग़लतफ़हमी में जी रही कांग्रेस हरियाणा में खर्ची-पर्ची का राज वापस लाने का सपना देख रही है। भाजपा ने बिना भाई-भतीजावाद के बिना खर्ची-पर्ची के सवा लाख नौकरियां दीं। कांग्रेस हरियाणा को जाति, धर्म, संप्रदाय में बाँटने की कोशिश कर रही है, इसलिए जनता से निवेदन है कि बिना बांटे यहां फिर भाजपा सरकार बनाएं और प्रदेश की खुशहाली बनाए रखें।

सरकार बनाने की गलतफहमी में जी रही कांग्रेस हरियाणा में खर्ची-पर्ची का राज वापस लाने का सपना देख रही है : अनरुग ठाकुर

कांग्रेस करेगी खुशहाल हरियाणा का निर्माण : सचिन पायलट

गुरुग्राम, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। राजस्थान के पूर्व उप-मुख्यमंत्री एवं टोंक विधानसभा से विधायक सचिन पायलट ने कहा कि हरियाणा में 5 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। इस दिन हरियाणा में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में प्रदेश की जनता खुशहाल हरियाणा का निर्माण करेगी। इसके बाद जनता के समर्थन का 8 को ऐतिहासिक फैसला कांग्रेस के पक्ष में आएगा। भाजपा के कुशासन का अंत हो जाएगा। इस जनसभा में कांग्रेस के यूथ कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.वी. श्रीनिवास भी पहुंचे। सचिन पायलट यहां बादशाहपुर से कांग्रेस प्रत्याशी वर्धन यादव के समर्थन में बादशाहपुर के दीवान पैलेस में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवाओं को देश की ताकत बताते हुए उन्होंने कहा कि युवा देश

भाजपा के शासनकाल में देश-प्रदेश से खुशहाली गायब हो गई है

में बदलाव ला सकते हैं। हमारा देश युवाओं का देश है। हमें हर स्तर पर परिवर्तन लाने के लिए जागरुक भी होना चाहिए और अग्रणी भी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में देश-प्रदेश से खुशहाली गायब हो गई है। भाजपा ने देश की जनता को उलझा कर रखा है। सचिन पायलट ने कहा कि जहां-जहां भी भाजपा की सरकारें हैं, वहीं पर जनता का शोषण हो रहा है। जनता महंगाई से त्रस्त है। बादशाहपुर से युवा उम्मीदवार वर्धन यादव को विजयी बनाकर विधानसभा भेजें। क्षेत्र के हितों की रक्षा के लिए, क्षेत्र की समस्याएं खत्म करने के लिए, क्षेत्र का समग्र विकास करने के लिए वर्धन यादव जैसे जुझारू जनप्रतिनिधि की जरूरत है। जनता को चाहिए कि एकतरफा इस चुनाव को कर दे। विरोधी पार्टी को यह बता दें कि अब जनता जुल्म नहीं सहने वाली। कांग्रेस प्रत्याशी वर्धन यादव ने सचिन पायलट का स्वागत करते हुए कहा कि उनका यहां आना उन्हें और अधिक मजबूती दे गया है। क्षेत्र की जनता को भी अब कांग्रेस सरकार से उम्मीदें हैं। भाजपा के कुशासन को तो 10 साल तक जनता झेल चुकी है। विकास के नाम पर खोखले दावे किए गए। कभी कहीं पर जाकर काम नहीं किया। जनता को काम करने वाली पार्टी चाहिए।

जेल में फैली अव्यवस्थाओं पर हाईकोर्ट में सुनवाई

नैनीताल, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। हाईकोर्ट ने नैनीताल जेल में फैली अव्यवस्थाओं और जेल के जर्जर भवन का स्वत: संज्ञान लेकर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश रितु बाहरी और न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ ने राज्य सरकार से पूछा है कि क्या राजस्थान की तरह नैनीताल जिले में भी ओपन जेल बनाई जा सकती है, जहां कैदियों का स्किल डेवलपमेंट के साथ-साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकती हों? दो माह के भीतर अपनी राय कोर्ट में प्रस्तुत करें। साथ में कोर्ट ने न्यायमित्र से कहा कि वे राजस्थान की ओपन जेलों का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट दें और जेलों के सुधारीकरण के लिए सुझाव प्रस्तुत करें।

मंत्री उनियाल ने 'उत्तराखंड इनोवेशन फेस्टिवल-2024' के पोस्टर का किया लोकार्पण

देहरादून, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। यमुना कॉलोनी स्थित अपने शासकीय आवास पर वन, भाषा, तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने मंगलवार को आगामी दिसंबर माह में प्रस्तावित उत्तराखंड इनोवेशन फेस्टिवल-2024 के पोस्टर का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उत्तराखंड के बैनर तले संस्था एमसएसएमई, आईटीडीए, स्किल डवलप्मेंट सोसाईटी और स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जाना है। यह आयोजन दो दिवसीय 13 व 14 दिसंबर को स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय में होगा। मंत्री सुबोध उनियाल ने जानकारी देते हुए कहा कि इस आयोजन से राज्य के युवाओ को अपने कौशल को विकसित करने में लाभ प्राप्त होगा।साथ ही यह फेस्टिवल बच्चों को प्रेरणा देने का कार्य करेगा कि किस प्रकार से वह अपने जीवन मे आगे बढ़ सकते हैं।कहा कि जिस प्रकार से आज नई तकनीकों का आगमन हुआ है कहीं ना कहीं इससे हमारे जीवन मे कई सुविधाएं भी आई हैं।कहा कि आज के दौर में टेक्नोलॉजी का बहुत महत्व है जो कि भविष्य की अनेक संभावनाओं को समेटे हुए है। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि इस आयोजन में कई इनोवेटर्स प्रतिभाग करेंगे जिनका चयन करते हुए उन्हें सम्मानित करने का भी काम किया जाएगा।

■ दिसम्बर माह में आयोजित होगा कार्यक्रम

वजीराबाद गांव आया नवीन गोयल के समर्थन में

गुरुग्राम, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। गुड़गांव विधानसभा से 36 बिरादरी के पंचायती प्रत्याशी नवीन गोयल के समर्थन में वजीराबाद गांव नवीन गोयल को विजयी बनाने का जय घोष किया। नवीन गोयल ने कहा कि वे चुनाव तो जीतने ही जा रहे हैं, साथ में जनता का दिल भी उन्होंने जीता है। तभी तो यह आत्मीयता का भाव वजीराबाद के बुजुर्गों, जवानों, युवाओं, मातृ शक्ति में है। मातृ शक्ति के जोश और जुनून का तो हर कोई कायल हो गया। नवीन गोयल जब कार्यक्रम में पहुंचे तो महिलाएं आगे नाचतीं हुईं चली। नवीन गोयल ने वजीराबाद के हर व्यक्ति से यही आह्वान किया कि गुड़गांव विधानसभा में अपने वोट तो शत-प्रतिशत गिलास के निशान पर डालने ही हैं, साथ में दूसरे क्षेत्र में अपनी जान-पहचान के लोगों को भी वोट के लिए तैयार करना है। उनका वोट गिलास के निशान पर डलवाना है। हमारी जीत सुनिश्चित है। सिर्फ जीत हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि जीत को ऐतिहासिक बनाना हमारा लक्ष्य है।

नवीन गोयल को याद है हर कॉलोनी व लोगों के नाम

गुरुग्राम में नेता हैं नवीन गोयल, जिनकी मैमोरी का हर कोई कायल है। गुरुग्राम की हर कालोनी के नाम इतने कंठस्थ हैं कि वे जब नाम लेना शुरू कर देते हैं तो रुकते ही नहीं हैं। ऐसे ही लोगों के नाम भी उन्हें कंठस्थ हैं। किसी भी सभा में बैठे लोगों के और बाहर लोगों के भी नाम उन्हें याद रहते हैं। कालोनियों, लोगों के नाम तो उन्हें याद रहते ही हैं, साथ में लोगों के घरों के पते भी नवीन गोयल को याद रहते हैं। कौन सी कालोनी में कौन पत्रकार, कौन डॉक्टर, कौन इंजीनियर, कौन से वकील रहते हैं। कौन कितना बड़ा कलाकार है और कहां रहता है। नवीन गोयल यह झटके में बता देते हैं। उनकी मैमोरी की जब मजाक-मजाक में पत्रकारों ने परीक्षा दी गई तो वे इसमें सफल रहे। पत्रकारों के बीच बैठे नवीन गोयल ने हर पत्रकार का नाम और उसके घर का पता बारी-बारी से बता दिया। जो गुड़गांव विधानसभा से बाहर भी रहते हैं, उनके बारे में भी नवीन गोयल के पास जानकारी मिली। अपनी मैमोरी को लेकर पूछे गए सवाल पर नवीन गोयल कहते हैं कि यह कोई जादू, करिश्मा नहीं है साहब। हर कालोनी, हर घर, हर दर तक वे पहुंचे हैं। हर चीज को बारीकी से जाना और समझा है। हर व्यक्ति का दुख-दर्द महसूस किया है। सबके सुख-दुख में शामिल हुआ हूं। गुड़गांव में मैंने तपस्या की है। तभी यह सब याद हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्हें 5 साल दे दो। पांच साल से समस्या ढूंढने से भी नहीं मिलेगी।

नवीन गोयल के समर्थन में जुटा भीम नगर

भीम नगर रामलीला मैदान में नवीन गोयल के समर्थन में हुई रैली ने इतिहास बना दिया है। इस अवसर पर समाजसेवी बंटी पाहुजा, सीमा पाहुजा, अनुराधा शर्मा ने गुरुग्राम की जनता से नवीन गोयल की ऐतिहासिक जीत अपील की। रैली के मंच से नवीन गोयल ने कहा कि गुड़गांव की देवतुल्य जनता के आशीर्वाद से वे स्लम बनते जा रहे गुरुग्राम महानगर को उसका विकास, उसका गौरव लौटाने का काम करेंगे। नवीन गोयल ने कह कि आने वाले दिनों में सडक़ सीवर व सफाई का काम 100 दिनों में पूरा करवाऊंगा। गुड़गांव विकास ट्रस्ट बनाकर अच्छी शिक्षा के लिए प्रयास होंगे। सरकारी स्कूल को सीएसआर फंड के माध्यम से बढिय़ा बनवाएंगे। उसी में डिजिटल क्लास होंगी। सुबह-शाम की शिफ्ट में स्कूल चलेंगे। शाम का स्कूल कैनविन फाउंडेशन चलाएगा। गुणवत्ता की शिक्षा देने की प्राथमिकता रहेगी।

प्रादेशिकी

ऑटो व ई-रिक्शा चालक सुनिश्चित करेंगे महिलाओं की सुरक्षा : नेहा शर्मा

लखनऊ/गोण्डा, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत में महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता है। उन्हें शक्ति का दर्जा दिया गया है।

- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में गोण्डा जिले में की जा रही अनूठी पहल**
- **एक हजार शक्ति सारथी किए गए प्रशिक्षित, महिलाओं को मिलेगा सुरक्षित परिवहन**

उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है। देश भर में इसको लेकर विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में नवरात्रि के अवसर पर योगी सरकार की पहल पर ऑटो रिक्शा ड्राइवर्स को शक्ति सारथी के रूप में महिलाओं की सुरक्षा के लिए तैनात किया जा रहा है। उन्हें महिलाओं के सुरक्षित आवागमन के साथ ही सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में गोण्डा जिला प्रशासन द्वारा यह अनूठी पहल की जा रही है। दुर्गा महाष्टमी के पावन अवसर पर शक्ति वंदन 2.0 कार्यक्रम के तहत शक्ति सारथी थीम निर्धारित की गई है।

शक्ति वंदन 2.0 के माध्यम से महिलाओं के सशिक्तकरण और उनकी सुरक्षा के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं : नेहा शर्मा

इसका उद्देश्य महिलाओं के लिए सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करना और उन्हें सशक्त बनाना है। उल्लेखनीय है कि गोण्डा जिला प्रशासन ने बीते वर्ष शक्ति वंदन कार्यक्रम की शुरुआत की थी।

तब करीब 12 हजार कन्याओं का पूजन कर रिकॉर्ड स्थापित किया गया था। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के नेतृत्व में यह अनूठी पहल की जा रही है, जिसमें ऑटो रिक्शा और ई-रिक्शा चालकों को महिलाओं के सुरक्षित आवागमन के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। शक्ति सारथी पहल के तहत ऑटो चालकों का प्रशिक्षण महिला सुरक्षा को मजबूत बनाएगा और समाज में एक नया संदेश भेजेगा। कार्यक्रम का आयोजन 11 अक्टूबर 2024 को किया जाएगा।

पेंटिंग प्रतियोगिता का भी होगा आयोजन

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास कार्यों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, और आधारभूत ढांचे में हुए सुधारों को प्रदर्शित किया जाएगा। शक्ति सारथी थीम पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बच्चों द्वारा बनाई गई 50 सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग्स की प्रदर्शनी लगेगी। कार्यक्रम में उन 9 महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्यों से समाज में विशेष योगदान दिया है। ये महिलाएं अपने अपने क्षेत्र में उदाहरण स्थापित करने वाली हैं और उनके कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

वेंकटेश्वरा में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा संपन्न

मेरठ, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित वेंकटेश्वरा संस्थान में पिछले 15 दिन से चल रहे 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का शानदार समापन हो गया। समापन अवसर पर वन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण रक्तदान शिविर स्वच्छता अभियान, शिक्षक अभिभावक संवाद संगोष्ठी समेत एक दर्जन से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्थान के अधिकारियों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने परिसर में सघन सफाई अभियान चलाकर स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत का संदेश दिया। संस्थान में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के समापन समारोह का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईएफएस एस.पी. सिंह, कुलपति प्रो. डा. कृष्ण कान्त दवे, शुभम चौधरी, कुल सचिव प्रो. पीयूष पाण्डे , मेरठ परिसर निर्देशक डा. प्रताप सिंह आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया।

- **गरीब एवं अनाथ बच्चों के लिए कपड़े दान किए**

सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का हुआ आयोजन

मेरठ, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय के एआईसीटीई आईडिया लैब द्वारा एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और हेल्थकेयर के भविष्य के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों पर 7 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफ्डीपी) का सफल समापन 30 सितम्बर 2024 को हुआ। समापन सत्र की गरिमा बढ़ाते हुए माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) वी. के. त्यागी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और 3क् प्रिंटिंग की हेल्थकेयर में भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि ये प्रौद्योगिकियाँ हेल्थकेयर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही हैं। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. (डॉ.) लोमस कुमार तोमर ने प्रतिभागियों

के उत्साह और सक्रिय भागीदारी की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों ने प्रिंटिंग, नैनो-बायो-पॉलीमर कंपोजिट्स निर्माण, और सेल कल्चर जैसी आधुनिक तकनीकों पर व्यावहारिक ज्ञान अर्जित किया।

कार्यक्रम के अंत में, प्रतिभागियों और आयोजकों को प्रमाण पत्र और एआईसीटीई आईडिया लैब में निर्मित स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

क्षेत्रीय एथलेटिक्स बालक-बालिका प्रतियोगिता का हुआ समापन

मवाना, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। एएस इंटर कॉलेज मवाना में मंगलवार को मेरठ क्षेत्र की क्षेत्रीय एथलेटिक्स बालक बालिका

प्रतियोगिता का समापन हो गया। लॉन्ग जंप में ए एस इंटर कॉलेज मवाना की रमा नागर प्रथम स्थान पर रही। खेल समापन प्रबंध समिति के अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक, प्रबंधक पवन कुमार रस्तोगी तथा प्रधानाचार्य डॉ. मेघराज सिंह ने सामूहिक रूप से किया। खेल प्रभारी कपिल कुमार सिरोही के निर्देशन में बालक बालिकाओं की एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। अंडर-19 बालिका वर्ग में क्रॉस कंट्री चार किमी में जय किसान इंटर कॉलेज पुट्टी की सोनिया प्रथम तथा राजकीय कन्या इंटर कॉलेज परीक्षितगढ़ की देसू दूसरे स्थान पर रही। 15 सौ मीटर दौड़ में आर्य कन्या इंटर कॉलेज मवाना की अनुष्का प्रथम तथा महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज पिलौना की शशि दूसरे स्थान पर रही। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज परीक्षितगढ़ की मनीषा ने तीसरा स्थान पाया। जैवलिन थ्रो में ए एस इंटर कॉलेज मवाना की विशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया अन्य किसी भी विद्यालय की कुछ यात्रा जैवलिन थ्रो में क्वालीफाई नहीं कर पाई। अंडर 17 में जैवलिन थ्रो में कोई भी छात्र चयनित नहीं हुई। लॉन्ग जंप में ए एस इंटर कॉलेज मवाना की रमा नागर प्रथम स्थान पर रही। 15सौ मीटर राजकीय कन्या इंटर कॉलेज परीक्षितगढ़ की शालू प्रथम, राजकीय हाई स्कूल कुनकुरा की शगुन दूसरे तथा ए एस इंटर कॉलेज मवाना की मनीषा व दिव्यांशी तीसरे स्थान पर रही।

कई झोलाछाप डॉक्टरों को भेजा नोटिस

किठोर, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के झोलाछाप डॉक्टरों के प्रति तीखे रुख को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी के आदेश का पालन करते हुए माछरा सी एच सी प्रभारी डॉक्टर तरुण राजपूत ने कस्बा किठोर में कई डॉक्टरों को नोटिस जारी किया है और सीएमओ कार्यालय में अपनी समय से डॉक्यूमेंट दिखाने की चेतावनी दी है।

वहीं चिकित्सा प्रभारी ने शाहजहांपुर में भी मेरठगढ़ रोड स्थित एक मेडिकल स्टोर पर पहुंचे स्टोर की एक शिकायत पहले से ही की हुई थी वहां पर स्टोर संचालक नहीं मिला उसका छोटा भाई वहां बैठा हुआ था मेडिकल स्टोर के डॉक्यूमेंट चेक करने पर चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि उसे मेडिकल स्टोर के डॉक्यूमेंट सही पाए गए मगर स्टोर संचालक के नहीं होने पर उसके छोटे भाई को चेतावनी दी गई है कि मेडिकल स्टोर पर वहीं बैठे जिनके नाम लाइसेंस है। बताते चलें इस वक्त झोलाछाप चिकित्सकों में हड़कंप मचा हुआ है वही झोलाछाप डॉक्टरों की जांच कर रहे सीएच सी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण राजपूत ने बताया कि झोलाछाप चिकित्सकों की लिस्ट तैयार की जा रही है और शीघ्र उनके खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

सफाई मित्रों को स्वास्थ्य सुरक्षा सामग्री वितरित

- **पंजाब नैशनल बैंक ने स्वच्छता ही सेवा अभियान में सफाई मित्र-सुरक्षा शिविर का किया आयोजन**
- **स्वच्छ वातावरण के बिना हम अच्छे स्वास्थ्य की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं : बलबीर सिंह**

मेरठ, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। देश के अग्रणी बैंक, पंजाब नैशनल बैंक द्वारा नगर निगम और बैंक के लगभग 50 सफाई मित्रों को स्वास्थ्य सुरक्षा सामग्री का वितरण किया गया। बता दें कि पीएनबी द्वारा 7 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान चला रहा है। जिसमें विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रमों के साथ-साथ सफाई मित्रों की निवारक स्वास्थ्य जांच, स्वास्थ्य सुरक्षा सामग्री का वितरण तथा स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया है। इस अवसर पर पीएनबी के अंचल प्रबंधक बलबीर सिंह ने नगर निगम, मेरठ तथा बैंक के सफाई मित्रों को स्वच्छता सुरक्षा सामग्री जैसे जैकेट, दस्ताने, मास्क, कैप आदि का नि:शुल्क वितरण भी किया। सफाई मित्रों के स्वास्थ्य जांच के लिए पीएनबी द्वारा एक शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें इनकी नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की गई और इन्हें नि:शुल्क समुचित परामर्श दिया गया। बलबीर सिंह ने स्वच्छता की महत्ता पर जोर देते हुए इसे दैनिक जीवन में अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण के बिना हम अच्छे स्वास्थ्य की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में राज कुमार अग्रवाल, उप अंचल प्रबंधक, सुदर्शन रथ, मंडल प्रमुख, मेरठ, संजीव त्यागी, उप मंडल प्रमुख, मेरठ और तरुण कुमार मुख्य शाखा प्रबंधक, साकेत तथा मेरठ स्थित शाखाओं के स्टाफ सदस्यों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभागिता की। पंजाब नैशनल बैंक द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान में एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत स्टाफ सदस्यों ने लगभग 100 से अधिक छायादार व फलदार वृक्षों का रोपण भी किया। समिता अग्रवाल, मुख्य प्रबंधक ने समस्त कार्यक्रमों का संयोजन किया। बलबीर सिंह ने सफाई मित्रों को स्वच्छता सुरक्षा सामग्री प्रदान करते हुए कहा कि पीएनबी हमेशा समाज सेवा के लिए तत्पर है। उन्होंने सफाई मित्रों की सेवाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया और सभी लोगों से अनुरोध किया कि अपने घर, दफ्तर, गली-मौहल्लों व शहर को साफ रखने की जिम्मेदारी हमारी भी है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मवाना (मेरठ)

पत्रांकः 573/कर विभाग/न०पा०परि / 2024–25 **दिनांकः 1/10/2024**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद् मवाना कर निर्धारण सूची में भवन कर में प्रस्तुत किये गये साक्ष्यो, पंजीकृत बैनामा/विरासत के आधार पर उनके सामने अंकित भवन संख्या अपना नाम बतौर स्वामी दर्ज करने हेतु प्रार्थना–पत्र दिए गये है । उक्त नामांतरण की कार्यवाही हेतु नगर पालिका अधिनियम–1916 की धारा 147(2) के अंतर्गत सूचना जारी की जाती है, यदि आप किसी व्यक्ति को भवन नामान्तरण की कार्यवाही पर कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति साक्ष्य सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर कार्यालय में किसी कार्यशील दिवस में प्रस्तुत कर सकता है। वाद निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

क्रम सं०	नाम क्रेता/पिता/पत्नि का नाम	नाम विक्रेता/पिता/पत्नि का नाम	म०स०	वर्ष	मोहल्ला	साक्ष्य आधार
1	आलोक कुमार व मनोज रस्तौगी पुत्र स्व० सीता राम	सीता राम पुत्र वृन्दावन	695	2024–25	खैरात अली	मृत्यु–वारिसान पत्र
2	श्रीमति खुर्शीदा पत्नि इकबाल	हाशिम पुत्र बुँदे	1544	2024–25	कल्याण सिंह	बैनामा
3	तिलकु पुत्र स्व० श्री भिकारी	श्रीमति क्रान्ति देवी पत्नि भिकारी लाल एवं भिकारी पुत्र महताब	1223	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वारिसान पत्र
4	राजेन्द्र सिंह पुत्र स्व० श्री रामजीलाल	रामजीलाल पुत्र हरकेश	152,153,154	2024–25	काबली गेट	मृत्यु–वारिसान पत्र
5	महेश पुत्र रामचंद्र	श्रीमति छोटी देवी पत्नि रामचंद्र	1233	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वारिसान पत्र
6	श्रीमति क्रांति देवी पत्नि श्री विजयपाल सिंह	विकास पुत्र राजवीर	937/1	2024–25	तिहाई	बैनामा
7	श्रीमति परमेश्वरी पत्नि स्व० सतबीर सिंह	सतबीर सिंह पुत्र बाबूराम चौहान	1972,1973, 3223	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वारिसान पत्र
8	इन्द्रपाल सिंह पुत्र धनीराम	विजय पुत्र स्व० राम किशोर	481 व 482 का 1/3 भाग	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वारिसान पत्र
9	श्रीमति सरवरी पत्नि शौकीन	शौकीन पुत्र अशरफ	3802	2024–25	कल्याण सिंह	मृत्यु–वारिसान पत्र
10	श्रीमति फजीलत पत्नि बाबू	श्रीमति शमीम पत्नि मौ० फराहीम 1/2 भाग	1047/1	2024–25	तिहाई	बैनामा
11	राहुल सिंह चौधरी पुत्र रविन्द्र सिंह	रविन्द्र पुत्र बलवीर सिंह	1267	2024–25	काबली गेट	मृत्यु–वसीयतनामा
12	योगेश शर्मा, कपिल शर्मा व अमित शर्मा पुत्रगण स्व० परमानंद शर्मा	परमानंद शर्मा पुत्र आत्माराम शर्मा	484,486	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वारिसान पत्र
13	योगेश शर्मा, कपिल शर्मा व अमित शर्मा पुत्रगण स्व० परमानंद शर्मा	परमानंद शर्मा पुत्र आत्माराम शर्मा	3672, 3673, 3674, 3675	2024–25	कल्याण सिंह	मृत्यु–वारिसान पत्र
14	श्रीमति सुधा पत्नि स्व० लखमी चन्द शर्मा	लक्ष्मी चन्द पुत्र श्री दयाराम	737	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वारिसान पत्र
15	गफ्फार पुत्र नूर मौहम्मद	यासीन,मुश्ताक,इस्लाम, इकबाल,दिलशाद पुत्रगण स्व० मंगलू	2404 का पश्चिमी भाग 1/5	2024–25	मुन्नालाल	बैनामा
16	श्रीमति मिथलेश पत्नि स्व० सुभाष चन्द जैन	सुभाष चन्द जैन पुत्र श्रीपाल जैन	540 व 542	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वारिसान पत्र
17	प्रेरित गोयल व शिशिर गोयल पुत्र पवन कुमार गोयल	अमित कुमार व विकास कुमार पुत्र सुभाष चन्द	2323 व 2324	2024–25	मुन्नालाल	बैनामा
18	श्रीमति संगीता सैनी पत्नि सुरेन्द्र सैनी	सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री गोपाल	1003	2024–25	हीरालाल	मृत्यु–वारिसान पत्र
19	पवन कुमार पुत्र मांगेराम	मांगेराम, धुप सिंह, छतर सिंह, मगन सिंह पुत्रगण रणजीत सिंह व कृपाल सिंह पुत्र फत्तू	1370, 1523, 1524	2024–25	हीरालाल	मृत्यु–वारिसान पत्र
20	श्रीमति शीला देवी पत्नि मदनपाल व श्रीमति सुमन पत्नि दीपक	रमेश चन्द पुत्र खचेडू	1419	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वसीयतनामा
21	श्रीमति मीना पत्नि स्व० जुन्तेकाम व श्रीमति नूर जहाँ पत्नि जुल्फुकार	श्रीमति अखतरी पत्नि हबीबुल्ला	1545	2024–25	काबली गेट	मृत्यु–वारिसान पत्र
22	खतीब खान पुत्र लईक खान	श्रीमति बिलकिस पत्नि स्व० शाबुद्दीन व उवेश उर्फ बाबू, महताब उर्फ गुड्डू पुत्रगण शाबुद्दीन	1887	2024–25	कल्याण सिंह	बैनामा
23	श्रीमति वकीला पत्नि निजामुद्दीन व निजामुद्दीन पुत्र अलाउद्दीन	श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र राम प्रसाद	1595	2024–25	कल्याण सिंह	बैनामा
24	ज्ञानपाल पुत्र चन्दन	राम अवतार पुत्र जयकुमार शर्मा	453/1	2024–25	काबली गेट	बैनामा
25	कु० इफ्फत खान पुत्री अबरार अहमद	श्रीमति चंदो पत्नि अबरार अहमद खां	2045	2024–25	कल्याण सिंह	दान–पत्र
26	श्रीमति दर्शन पत्नि स्व० श्री मुरारी लाल	राधे पुत्र मट्टू	1235	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वारिसान पत्र
27	अरविन्द रस्तौगी पुत्र विरेन्द्र प्रकाश	विरेन्द्र प्रकाश, श्री राजीव कुमार रस्तौगी, संजीव कुमार रस्तौगी पुत्र सत्य प्रकाश व महेंद्र प्रकाश	2010 का 3/4 भाग	2024–25	काबली गेट	दान–पत्र
28	मौ० गुफरान पुत्र स्व० अब्दुल वहीद	अब्दुल वहीद पुत्र हफीजुल्लाह	2484	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वसीयतनामा
29	मौ० रिजवान पुत्र स्व० अब्दुल वहीद	अब्दुल वहीद पुत्र हफीजुल्लाह	2474, 2475	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वसीयतनामा
30	मौ० रिजवान पुत्र स्व० अब्दुल वहीद	अब्दुल वहीद पुत्र हफीजुल्लाह	685	2024–25	मुन्नालाल	मृत्यु–वसीयतनामा
31	श्रीमति गीता पुत्री स्व० हरज्ञान पत्नि हरिचंद, श्रीमति बबीता पुत्री स्व० हरज्ञान पत्नि ऋषि व श्रीमति अन्नू पुत्री स्व० हरज्ञान पत्नि सुधीर	हरज्ञान पुत्र लखपत	2138	2024–25	तिहाई	मृत्यु–वारिसान पत्र
32	राजीव कुमार पुत्र शिव कुमार	श्रीमति निकिता बजाज पत्नि अनिल बजाज	1178	2024–25	कल्याण सिंह	बैनामा
33	श्रीमति सुनीता यादव पत्नि अनिल यादव	श्रीमति उषा यादव पत्नि वीरसैन यादव	1952	2024–25	तिहाई	बैनामा
34	मौ० अनीस पुत्र रईस अहमद	श्रीमति चान्दो पत्नि रईस अहमद	105	2024–25	कल्याण सिंह	दान–पत्र
35	मौ० आरिफ पुत्र शब्बीर अहमद	आस मौ० पुत्र कामिल	2687	2024–25	कल्याण सिंह	बैनामा

(राजीव कुमार)
अधिशासी अधिकारी

मेरी फिल्मों की तरह मेरा संगीत भी किसी फॉर्मूले में बंधा नहीं है : आयुष्मान

मुंबई। बॉलीवुड के सुपरस्टार आयुष्मान खुराना ने इंटरनेशनल म्यूजिक डे पर अपने गानों को लेकर खुलकर बात की। अभिनेता ने कहा कि मेरी फिल्मों की तरह मेरा म्यूजिक भी किसी फॉर्मूले में बंधा नहीं है। ड्रीम गर्ल में अपने मजेदार किरदार से लोगों का दिल जीतने वाले आयुष्मान ने अपने गानों के बारे बताया कि मेरी फिल्मों की तरह, मेरा संगीत भी किसी फॉर्मूले में बंधा हुआ नहीं है। मैं एक कलाकार होने के नाते कोई खास रूल फॉलो नहीं करता और न ही कभी करना चाहता हूं। मैंने अपने संगीत के माध्यम से हमेशा अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के साथ न्याय करने की कोशिश की है और मुझे खुशी है कि लोगों ने इसे स्वीकार किया है और मुझे इतना प्यार दिया है।

गर्भवती होने के बावजूद लगातार शूटिंग कर रही हैं देवोलीना

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी इन दिनों मां बनने की यात्रा का आनंद उठा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे वह अपने जीवन और करियर के बीच संतुलन बना रही हैं। देवोलीना ने कहा कि उन्हें आजकल अक्सर सहायता की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने बताया कि गर्भवती होने के बावजूद मैंने अपनी शूटिंग जारी रखी है, ताकि मेरे दर्शक मुझे स्क्रीन पर देखते रहें और मैं उनका मनोरंजन करना जारी रख सकूं। गर्भवती होने के चलते मुझे सेट पर अपना खास ध्यान रखना पड़ता है, इसके लिए मुझे अक्सर दूसरों से सहायता की जरूरत पड़ती है। गर्भवती होने के दौरान सेट पर आने वाली चुनौतियों पर बात करते हुए देवोलीना भट्टाचार्जी ने कहा कि मैं इस सन नियो शो में देवी छठी मैया का किरदार निभा रही हूं, इसलिए मुझे भारी आभूषण पहनने पड़ते हैं। खासतौर पर मुझे हार और मुकुट पहनना पड़ता है, जो मुझे बोझिल लगता है। लेकिन यह मेरे लिए एक नया अनुभव है और कुछ अलग करने में कोई बुराई नहीं है। देवोलीना ने शो में अपने किरदार को अपने स्वभाव के साथ जोड़ते हुए कहा कि जिस तरह मेरा किरदार क्रोधित होने पर काली माता का उग्र रूप धारण कर लेता हैं, उसी तरह मैं भी तब तक शांत रहती हूं, जब तक कोई जानबूझकर मुझे परेशान करने की कोशिश नहीं करता। लेकिन अगर कोई ऐसा करता है तो मैं काली माता की तरह ही उग्र हो जाती हूं। शो छठी मैया की बिटिया सन नियो पर प्रसारित होती है। पारिवारिक ड्रामा वैष्णवी पर केंद्रित है, जो अनाथ है और छठी मैया को अपनी मां मानती है।

की बीमारी व मधुमेह से जूझ रहे लोगों की मुश्किलों को कम करेगा आंतरायिक उपवास

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंटरमिटेंट फास्टिंग जिसे हिंदी में आंतरायिक उपवास कहते हैं दिल की बीमारी और डायबिटीज से जूझ रहे लोगों की मुश्किलों को काफी हद तक कम कर सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, अपने भोजन में प्रतिदिन 10 घंटे का अंतर रखने से ब्लड शुगर को नियंत्रित किया जा सकता है।

दो वक्त के आहार के मध्य 10 घंटे का अंतर रखना, इंटरमिटेंट फास्टिंग का एक प्रकार है। ये आपके मेटाबॉलिक सिंड्रोम को मैनेज करने में भी मदद कर सकता है। अब ये मेटाबॉलिक सिंड्रोम क्या है? तो ये एक ऐसी मेडिकल स्थिति है जो आपको हृदय रोगी बना सकती है या फिर मधुमेह और स्ट्रोक का कारण बन सकती है।

सिंड्रोम के लिए जिम्मेदार जोखिम कारकों में हाई ब्लड शुगर, हाई बीपी (उच्च रक्तचाप) और उच्च कोलेस्ट्रॉल शामिल हैं। और ये सभी प्रमुख कारक दिल के लिए ठीक नहीं होते।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन डिएगो और अमेरिका में साल्क इंस्टीट्यूट के नेतृत्व में ये अध्ययन किया गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि निष्कर्ष से उन लोगों की मदद हो सकती है जो अपने मेटाबॉलिक सिंड्रोम को लेकर फिक्रमंद हैं और टाइप 2 मधुमेह का जोखिम कम करना चाहते हैं। ट्रायल स्टेज की रिपोर्ट, एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन में ऑनलाइन प्रकाशित की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, मेटाबॉलिक सिंड्रोम वाले 108 वयस्क रोगियों को या तो समय-प्रतिबंधित आहार समूह और नियंत्रण समूह में

विभाजित किया गया। दोनों समूहों को तय मानक के मुताबिक ट्रीटमेंट दिया गया और इन्हें मेडिटेरियन डाईट (फल, सब्जी, फिश जैसा आहार) के पोषक तत्वों के फायदे समझाए गए।समय-प्रतिबंधित आहार लेने वाले समूह के प्रत्येक व्यक्ति को अपने खाने में 10 घंटे का अंतर रखना था, जो जागने के कम से कम एक घंटे बाद शुरू होता था और सोने से कम से कम तीन घंटे पहले समाप्त होता था।तीन महीने बाद, जिन रोगियों ने समय-प्रतिबंधित आहार का नियमानुसार पालन किया उनमें हृदय स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया। साल्क इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर सच्चिदानंद पांडा ने बताया कि दिन का समय मानव शरीर में शुगर और फैट की प्रोसेसिंग में अहम भूमिका निभाता है।

■ भोजन में प्रतिदिन 10 घंटे का अंतर रखने से ब्लड शुगर होगा नियंत्रित

शोधकर्ताओं ने कहा कि इंटरमिटेंट फास्टिंग ने लोगों को शरीर का वजन कम करने, उचित बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) बनाए रखने और एब्डॉमिनल ट्रंक फैट (एक प्रकार का वसा जो मेटाबॉलिक डिजीज से जुड़ा है) को मैनेज करने में अहम भूमिका निभाई।

'प्लेटफॉर्म बुसान' में आमंत्रित होनेवाले ओडिशा के पहले फिल्म निर्देशक बने प्रणब आईच

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रणब आईच ओडिशा के पहले फिल्म निर्देशक बन गए हैं, जिन्हें दक्षिण कोरिया के मशहूर 'बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' के प्लेटफॉर्म बुसान 2024 कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ख़ास तौर से आमंत्रित किया गया है। 'प्लेटफॉर्म बुसान' 5 से 8 अक्टूबर तक दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में आयोजित किया जाएगा। 'प्लेटफॉर्म बुसान' एशिया के सबसे सम्मानित मंचों में से एक है, जो नए और उभरते फिल्म निर्देशकों को मास्टरक्लास में भाग लेने और अपनी फिल्मों को विश्व के अनेक फिल्म निर्माताओं, वितरकों और फिल्म फेस्टिवल के प्रोग्रामर्स के सामने दिखाने का सुनहरा मौका देता है। प्लेटफॉर्म बुसान के दौरान प्रणब अपनी पहली डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म 'नंदा मास्टर का चटशाली' दिखाएंगे। इस डॉक्यूमेंट्री का निर्माण अभय पती ने अभिस्मिता फिल्म्स के बैनर तले किया है। इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्मश्री पुरस्कार' से नवाजे गए मशहूर शिक्षाप्रेमी स्वर्गीय श्री नंदा प्रुष्टी के जीवन को दर्शाया गया है। नंदा प्रुष्टी जिन्हें प्यार से 'नंदा मास्टर' बुलाया जाता था, उन्होंने अपने जीवनकाल के लगभग सत्तर साल उड़ीसा के कांतिरा गांव में रहनेवाले गरीब बच्चों और ग्रामीणों को मुफ्त शिक्षा देने और उनका भविष्य बनाने के लिए समर्पित कर दिया। वर्ष 2021 में उन्हें शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

फिल्म 'शक्ति' के लिए जावेद अख्तर ने सुझाया था मेरा नाम : अनिल कपूर

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अभिनेता अनिल कपूर हिंदी सिनेमा में अपनी फिल्म 'शक्ति' के 42 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस फिल्म के पीछे का एक राज खोलते हुए अनिल कपूर ने बताया कि इस फिल्म के लिए लेखक और गीतकार जावेद अख्तर ने उनके नाम की सिफारिश की थी। अनिल कपूर ने हिंदी सिनेमा में अपनी फिल्म 'शक्ति' के 42 साल पूरे होने खुशी जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म से जुड़ी कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, फिल्म 'शक्ति' ने अपने 42 साल पूरे कर लिए हैं। इस बेहतरीन और सुपरहिट फिल्म के लिए मेरा नाम सुझाने के लिए मैं जावेद साहब का आभारी हूं। इसके बाद अभिनेता अनिल कपूर ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक किस्सा शेयर करते हुए कहा कि मैं एक होटल में काफी दूर रुका हुआ था। स्मिता जी ने अपना दयालुपन दिखाते हुए कहा कि मैं वहां से कमरा खाली कर पास आ जाऊं। यहां तक कि उन्होंने मुझे अपने कमरे में रहने के लिए भी कहा, जिससे मुझे परिवार जैसा महसूस हुआ।

1982 में रमेश सिप्पी के निर्देशन में बनी फिल्म 'शक्ति' एक क्राइम ड्रामा फिल्म है। इसे सलीम-जावेद की जोड़ी ने लिखा है। फिल्म में दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, राखी गुलजार, स्मिता पाटिल, कुलभूषण खरबंदा और अमरीश पुरी भी हैं।

लाल बहादुर शास्त्री

जिनकी 'दहाड़' ने बदल दिया था अयूब खान का नजरिया

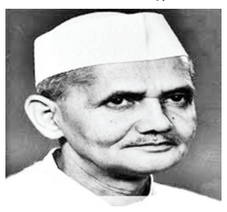

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दो अक्टूबर भारत के ऐसे प्रधानमंत्री का जन्मदिन है, जिन्हें उनकी जीवटता, सादगी, उच्च आदर्श और शालीनता के लिए जाना जाता है। 5 फुट 2 इंच का कद और ऊंचे हौसलों वाले भारत के ये प्रधानमंत्री थे लाल बहादुर शास्त्री। भारत के दूसरे प्रधानमंत्री शास्त्री की आवाज का मजाक कभी पाकिस्तान के मोहम्मद अयूब खान ने उड़ाया था। लेकिन शास्त्री के निधन पर भारत के साथ न केवल पाकिस्तान बल्कि सोवियत संघ का झंडा भी झुक गया था और अयूब खान उस दिन दुनिया के गमगीन व्यक्तियों में एक थे। साल 1965 का भारत-पाकिस्तान युद्ध लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल की अहम घटना थी, जिसमें उन्होंने सफलतापूर्वक भारत का नेतृत्व किया था। इस युद्ध की समाप्ति के चार दिन बाद जब वह दिल्ली के रामलीला मैदान पर बोल रहे थे तो उनका आत्मविश्वास देखने लायक था। जिस आवाज का एक साल पहले अयूब खान ने मजाक उड़ाया था, वह तब हजारों लोगों के सामने दहाड़ रही थी। उस समय शास्त्री ने कहा था, 'अयूब साहब का इरादा अपने सैकड़ों टैंकों के साथ टहलते हुए दिल्ली पहुंचने का था। जब ऐसा इरादा हो तो हम भी थोड़ा लाहौर की तरफ टहलकर चले गए। मैं समझता हूं कि ऐसा करके हम लोगों ने कोई गलत बात तो नहीं की।' लाल बहादुर शास्त्री से पहले जवाहर लाल नेहरू को देश की आवाज माना जाता था। पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त रहे शंकर वाजपेयी ने बताया था कि अयूब नेहरू के निधन के बाद दिल्ली सिर्फ इसलिए ही नहीं आए थे कि भारत में अब नेहरू के जाने के बाद वह किससे बात करें। उस समय शास्त्री ने कहा था, 'आप मत आइए, हम आ जाएंगे।' तब शास्त्री गुटनिरपेक्ष सम्मेलन में भाग लेने काहिरा गए हुए थे और लौटते वक्त वह कुछ घंटों के लिए कराची में भी रुके। हालांकि तब तक भी अयूब खान लाल बहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व को पूरी तरह से नहीं समझ पाए थे। उन्होंने भारत को कमजोर सोचना शुरू कर दिया था। लेकिन 1965 के युद्ध ने पाकिस्तान की इस सोच को कुचलकर रख दिया था।

युद्ध के दौर में शास्त्री की जीवटता का एक और उदाहरण तब मिला तब उन्होंने अमेरिका के आगे भी झुकने से मना कर दिया था। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन बी जॉनसन ने भारत को इस युद्ध से पीछे हटने को कहा था। भारत तब गेहूं के उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं था। तब लाल गेंहू अमेरिका से निर्यात होता था और जॉनसन ने धमकी दी थी कि अगर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध नहीं रोका गया तो गेंहू भी भारत नही भेजा जाएगा। स्वाभिमानी शास्त्री को यह दिल में चुभी थी। उन्होंने विदेशी मुल्क के आगे हाथ फैलाने से इंकार कर दिया और भारतवासियों से हफ्ते में एक समय भोजन नहीं करने का आह्वान किया था।

गाँधी जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

"अपनी पूरी जिंदगी भारत की आज़ादी और मानवता को समर्पित करने वाले बापू ने एक ऐसे देश का सपना देखा था जहाँ हर बच्चे को शानदार शिक्षा मिले, हर बीमार को अच्छा इलाज मिले, समाज में आपसी सौहार्द रहे। उनके पदचिन्हों पर चलते हुए हम शिक्षित और विकसित भारत की नींव रखेंगे"

-आतिशी
मुख्यमंत्री, दिल्ली

DIP/Shabdarth/Display/0021/24-25

सूचना एवं प्रचार निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

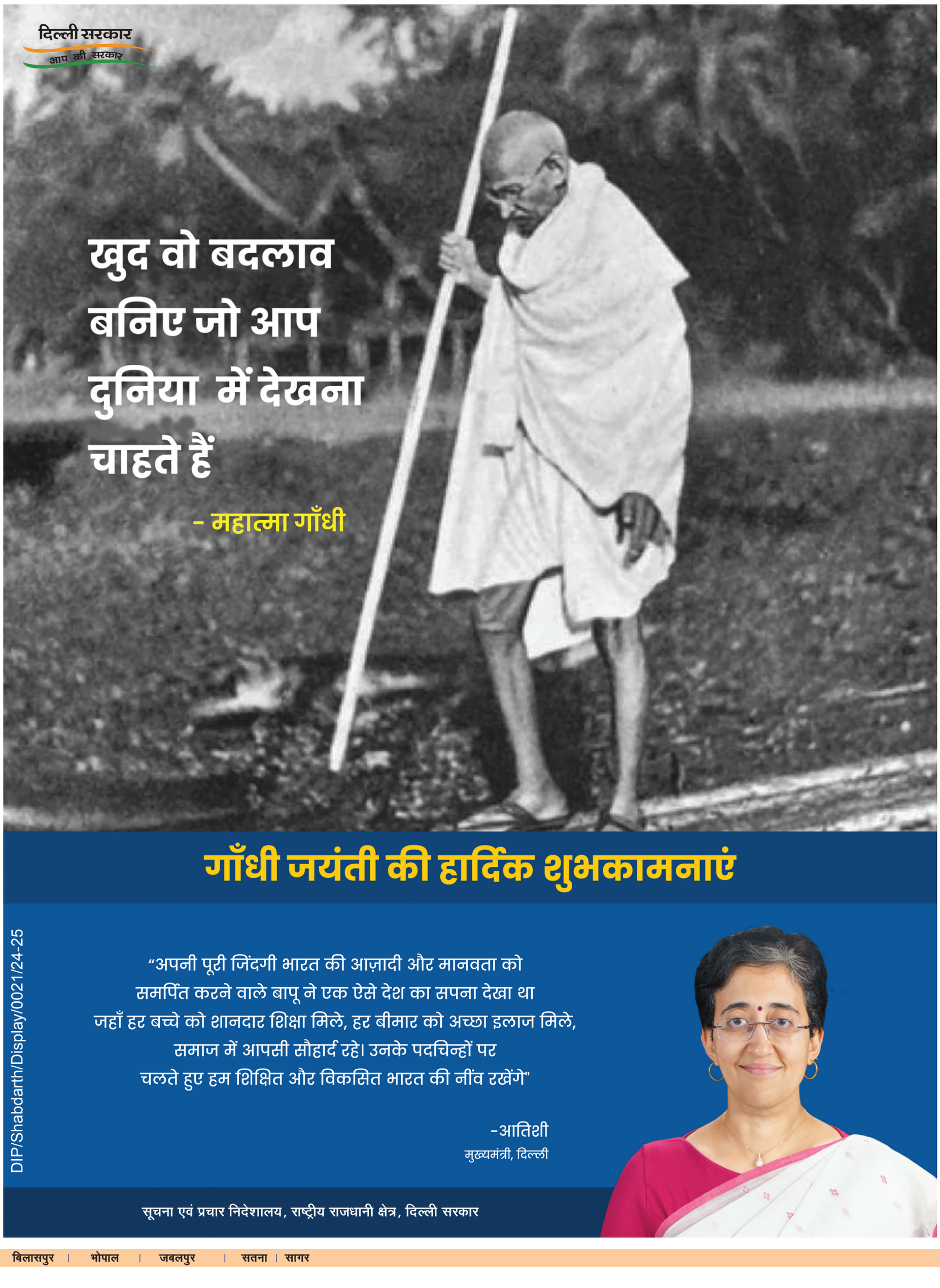

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

टेक महिंद्रा	2.93 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.22 प्रतिशत
इंफ़ोसिस	1.50 प्रतिशत
कोटक बैंक	1.48 प्रतिशत
एसबीआई	1.19 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इंडसइंड बैंक	2.68 प्रतिशत
एशियन पेंट	1.54 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनिलीवर	1.27 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	0.96 प्रतिशत
टाटा स्टील	0.86 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	77,563
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	98,000
वायदा	68,426
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	133. 63	134. 23
पौंड स्टर्लिंग	178. 94	179. 74
यूरो	149. 00	149. 81
चीन युआन	18.47	18.55

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2700-2800
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4200-4300
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4600-4700

दाल-दलहन

चना	7200-7300
दाल चना	8200-8300
मसूर काली	7450-7550
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9800-9900
अरहर दाल	10400-10500

यूपीआई से सितम्बर में हुए 20.64 लाख करोड़ रुपए के लेनदेन, ट्रांजैक्शन की संख्या 15.04 अरब के पार

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए होने वाले लेनदेन का मूल्य सितंबर में सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 20.64 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस दौरान ट्रांजैक्शन की संख्या भी सालाना आधार पर 42 प्रतिशत बढ़कर 15.04 अरब हो गई है। यह जानकारी भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की ओर से मंगलवार को जारी किए गए डेटा से मिली। बीते महीने यूपीआई पर प्रतिदिन 50.1 करोड़ लेनदेन हुए थे। अगस्त में यह आंकड़ा 48.3 करोड़ पर था। इस दौरान यूपीआई पर प्रतिदिन औसत 68,800 करोड़ रुपए के मूल्य के लेनदेन हुए। अगस्त में यह आंकड़ा 66,475 करोड़ रुपए पर था। यह लगातार पांचवां महीना है, जब मासिक यूपीआई लेनदेन की वैल्यू 20 लाख करोड़ रुपए रही है। सितम्बर में आधार आधारित पेमेंट सिस्टम (ईपीएस) से 10 करोड़ के करीब लेनदेन हुए हैं और इनकी वैल्यू 24,143 करोड़ रुपए थी। इमीडिएट पेमेंट सर्विस (आईएमपीएस) के

- लगातार पांचवां महीना मासिक यूपीआई लेनदेन की वैल्यू 20 लाख करोड़ रुपए रही
- अगस्त में यह आंकड़ा 48.3 करोड़ पर था

जरिए सितंबर में 5.65 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए हैं। इसमें सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। बीते महीने प्रतिदिन औसत 1.4 करोड़ आईएमपीएस लेनदेन हुए हैं और इनकी प्रतिदिन की औसत वैल्यू 18,841 करोड़ रुपये रही थी।

सितम्बर में फास्टैग में 31.8 करोड़ लेनदेन हुए हैं। इसमें 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान फास्टैग में 5,620 करोड़ रुपए का संग्रह हुआ है और इसमें सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सितंबर के यूपीआई के आंकड़े दिखाते हैं कि देश में डिजिटल लेनदेन में तेजी से वृद्धि हो रही है।

वर्ल्डलाइन इंडिया में इनोवेशन, स्ट्रेटेजी और एनालिटिक्स के प्रमुख, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सुनील रोंगला का कहना है कि इन आंकड़ों की सबसे अच्छी बात यह है कि जुलाई से लेकर सितंबर तक यूपीआई लेनदेन की वैल्यू 20.64 लाख करोड़ रुपये के ऊपर बनी हुई है, लेकिन लेनदेन की संख्या 14.44 अरब से बढ़कर 15.04 अरब पर पहुंच गई है, जो दिखाता है कि छोटे लेनदेन के लिए लोग पहले के मुकाबले ज्यादा यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं।

देश की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनी एससीआई को 63 वर्ष पूरे, कच्चे तेल परिवहन में अहम भूमिका

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी समुद्री जहाज कंपनी शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के बुधवार को 63 वर्ष पूरे हो रहे हैं। कंपनी की स्थापना भारत सरकार ने 2 अक्टूबर, 1961 को ईस्टर्न शिपिंग कॉरपोरेशन और वेस्टर्न शिपिंग कॉरपोरेशन का विलय कर की थी। बाद में 1973 में जयंती शिपिंग कंपनी और 1986 में मुगल लाइन कंपनी का इसमें विलय किया गया।

एससीआई की देश के कच्चे तेल के आयात में बड़ी भूमिका मानी जाती है। कंपनी ने अपनी स्थापना के दो साल के बाद 1964 में कच्चे तेल परिवहन में कदम रख दिया था। एससीआई 1975 में बैरी लार्ज क्रूड कैरियर (वीएलसीसी) भारत में लाने वाली पहली शिपिंग कंपनी थी। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, कई बार इमरजेंसी और वैश्विक तनाव जैसी स्थिति में एससीआई ने देश के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित कर लाइफ लाइन का काम किया और अर्थव्यवस्था को रफ्तार दी। शुरुआत में कंपनी के पास 19 जहाजों का बेड़ा था, जिसकी संख्या अब बढ़कर 59 हो गई है। कंपनी के पास क्रूड ऑयल, उत्पाद, गैस, बल्क कैरियर्स और लाइनर जैसे जहाज हैं। 1992 में भारत सरकार की ओर से एससीआई को शेयर बाजार में लिस्ट किया गया। इस विनिवेश के दौरान कंपनी की 18.5 हिस्सेदारी की बिक्री की गई थी। 2000 के दौरान कंपनी को 'मिनी रत्न' का स्टेटस दिया गया। 2005 में कंपनी ने अपने इतिहास में पहली बार 1,000 करोड़ रुपए का मुनाफा हासिल किया था।

सरकार की ओर से एससीआई को अगस्त 2008 में 'नवरत्न का दर्जा दिया गया था।

मौजूदा समय में इसके इंडियन ऑयल, बीएचईएल, सेल, ओएनजीसी, भारत फोर्ज, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, बीपी, कोच, पेट्रोनेट एलएनजी और जियो लॉजिस्टिक्स जैसे बड़े ग्राहक हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की बिक्री 5,046 करोड़ रुपए रही थी। इस दौरान कंपनी को 612 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

'विवाद से विश्वास स्कीम 2024' की गई शुरू

करदाता निपटा पाएंगे पुराने इनकम टैक्स विवाद

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। करदाताओं के पुराने इनकम टैक्स विवादों को समाप्त करने के लिए लाई गई 'विवाद से विश्वास स्कीम 2024' सोमवार से लागू हो गई है। इस स्कीम का ऐलान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से आम बजट 2024 की स्पीच के दौरान किया गया था। इस स्कीम का उद्देश्य देश में इनकम टैक्स के पुराने विवाद को समाप्त करना है। विवाद से विश्वास स्कीम 2024 के जरिए 22 जुलाई, 2024 तक आयकर आयुक्त (अपील), आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, उच्च न्यायालयों या सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित प्रत्यक्ष कर के मामलों को निपटाया जा सकता है। विवाद से विश्वास स्कीम 2024 का फायदा कोई भी व्यक्ति उठा सकता है, जिसका इनकम टैक्स के बकाया को लेकर मामला लंबित है। हालांकि, वे लोग इस स्कीम का फायदा नहीं उठा सकते हैं, जिन पर खोज और जब्ती, विदेशों में अघोषित आय जैसे गंभीर आयकर के मामले चल रहे हो। इस स्कीम का फायदा लेने के लिए आपको विवाद से विश्वास स्कीम 2024 के तहत जारी हुए फॉर्म 1 भरना होगा, जिसे इनकम टैक्स की वेबसाइट पर लाइव कर दिया गया है, जिसमें आपको डिक्लेरेशन देना होगा। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि आपके किसी भी डिक्लेरेशन को टैक्स अथॉरिटी की ओर से स्वीकार कर लिया जाएगा।

छोटी बचत योजनाओं पर अक्टूबर-दिसम्बर तिमाही में समान रहेगी ब्याज दर

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की ओर से अक्टूबर से दिसंबर की अवधि के लिए छोटी बचत योजनाओं जैसे पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं गया है। सरकार के इस फैसले के बाद छोटी बचत योजनाओं पर जुलाई से सितंबर की अवधि में मिल रही ब्याज दर ही जारी रहेगी। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए नोटिफिकेशन में कहा गया कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही यानी 1 अक्टूबर, 2024 से लेकर 31 दिसंबर 2024 तक की अवधि के लिए सभी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस दौरान वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (1 जुलाई, 2024 से 30 सितंबर, 2024) के लिए अधिसूचित की गई ब्याज दरें ही लागू रहेंगी। छोटी बचत योजनाओं में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस), सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई), नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी), पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट (पीओटीडी), महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट (एमएसएससी) किसान विकास पत्र (केवीपी) और पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) को शामिल किया जाता है। छोटी बचत योजनाओं में सबसे अधिक 8.2 प्रतिशत का ब्याज सुकन्या समृद्धि योजना और सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम पर मिल रहा है। इसके बाद नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट पर 7.7 प्रतिशत, किसान विकास पत्र और महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट पर 7.5 प्रतिशत, मंथली इनकम स्कीम पर 7.4 प्रतिशत और पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर 7.1 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है।

- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं

सार संक्षेप

सितम्बर में सकल जीएसटी राजस्व 1.73 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में सितम्बर महीने में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सकल राजस्व संग्रह 1.73 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है जो पिछले वित्त वर्ष में इसी महीने के करीब 1.63 लाख करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व की तुलना में 6.5 प्रतिशत अधिक है। जीएसटी निदेशालय द्वारा मंगलवार को जारी मासिक आंकड़ों के अनुसार सितंबर 2024 में रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 152782 करोड़ रुपए रहा है जो सितम्बर 2023 के शुद्ध संग्रह 147098 करोड़ रुपए से 3.9 प्रतिशत अधिक है। जीएसटी के आंकड़ों के अनुसार सितंबर 2024 में सकल जीएसटी संग्रह 173240 करोड़ रुपये रहा है जो सितंबर 2023 के 162712 करोड़ रुपए की तुलना में 6.5प्रतिशत अधिक है। सितंबर में संग्रहित राजस्व में सीजीटी 31422 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 39283 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 90594 करोड़ रुपए है, जिसमें आयात पर संग्रहित 44507 करोड़ भी शामिल है। इसके साथ ही जीएसटी क्षतिपूर्ति कर के तौर पर 11941 करोड़ रुपए, जिसमें आयात पर संग्रहित 883 करोड़ रुपए भी शामिल है।

विशाल मेहता रेडिफ डॉट कॉम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। इंफीबीम एवेन्यूज़ लिमिटेड द्वारा रेडिफ डॉट कॉम में अधिकांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण के बाद कंपनी ने आज श्री विशाल मेहता को अपने नए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। कंपनी के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। मेहता को अजीत बालकृष्णन का उत्तराधिकारी नियुक्त किया, जो 1996 में रेडिफ की स्थापना के बाद से ही इस पद पर हैं। यह कदम श्री मेहता की कंपनी को विकास और परिवर्तन के अगले चरण में मार्गदर्शन करने की क्षमता में बोर्ड के विश्वास को रेखांकित करता है। मेहता रेडिफ में अपनी नई भूमिका के अलावा, मेहता इंफीबीम एवेन्यूज़ लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में काम करना जारी रखेंगे। बालकृष्णन, जिन्होंने भारत के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में रेडिफ डॉट कॉम को एक घरेलू नाम के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, एक सहज परिवर्तन सुनिश्चित करेंगे।

राकेश मखीजा कैस्ट्रॉल इंडिया के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई। ल्यूब्रिकेंट बनाने वाली कंपनी कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड ने राकेश मखीजा को अपना नया अध्यक्ष और श्रीमती सत्यबेती बेरेरा को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने की आज घोषणा की जो तत्काल प्रभावी हो गयी है। कंपनी के निदेशक मंडल में प्रमुख नेतृत्व परिवर्तनों की घोषणा की है। मखीजा की नियुक्ति आज से प्रभावी हो गयी है। मखीजा को आर. गोपाल कृष्णन की जगह अध्यक्ष की भूमिका दी गई है जो अध्यक्ष के रूप में पांच वर्षों सहित 24 वर्षों की सेवा के बाद पद छोड़ रहे हैं।

शुरूआती तेजी गंवाकर फिसला बाजार

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व बाजार के सकारात्मक रुझान के बावजूद स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, दूरसंचार, यूटिलिटीज और तेल एवं गैस समेत आठ समूहों में हुई बिकवाली के दबाव में आज शेयर बाजार शुरूआती तेजी गंवाकर लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 33.49 अंक टूटकर 84,266.29 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 13.95 अंक फिसलकर 25,796.90 अंक रह गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में तेजी का रुख रहा। इससे मिडकैप 0.27 प्रतिशत की बढ़त लेकर 49,484.46 अंक और स्मॉलकैप 0.56 प्रतिशत उछलकर 57,450.85 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4054 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2296 में लिवाली जबकि 1668 में बिकवाली हुई वहीं 90 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 29 कंपनियां लाल जबकि अन्य 21 हरे निशान पर रही। बीएसई के आठ समूहों का रुझान नकारात्मक रहा। इससे ऊर्जा 0.64, एफएमसीजी 0.17, दूरसंचार 0.86, यूटिलिटीज 0.35, कैपिटल गुड्स 0.04, तेल एवं गैस 0.71, पावर 0.17 और रियल्टी समूह के शेयर 0.24 प्रतिशत गिर गए। वहीं, कमोडिटीज 0.71, आईटी 1.05, टेक 0.72 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.98 प्रतिशत मजबूत रहे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.28, जर्मनी का डैक्स 0.22, जापान का निक्केई 1.93, हांगकांग का हैंगसेंग 2.43 और चीन के शंघाई कम्पोजिट ने 8.06 प्रतिशत की छलांग लगाई। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 43 अंक गिरकर 84,257.17 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 84,648.40 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। लेकिन, बिकवाली होने से दोपहर से पहले 84,098.94 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 84,299.78 अंक के मुकाबले 0.04 प्रतिशत फिसलकर 84,266.29 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 22 अंक उतरकर 25,788.45 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 25,907.60 अंक के उच्चतम जबकि 25,739.20 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 25,810.85 अंक की तुलना में 0.05 प्रतिशत कमजोर होकर 25,796.90 अंक पर बंद हुआ।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली कंपनियों में इंडसइंड बैंक 2.68, एशियन पेंट 1.54, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.27, टाटा मोटर्स 0.96, टाटा स्टील 0.86, टाइटन 0.83, रिलायंस 0.81, एनटीपीसी 0.70, एलटी 0.65, पावरग्रिड 0.58, एक्सिस बैंक 0.53, आईटीसी 0.41, भारती एयरटेल 0.40, मारुति 0.40, एचडीएफसी बैंक 0.34 और जेएसडब्ल्यू स्टील 0.22 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, टेक महिंद्रा 2.93, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.22, इंफ़ोसिस 1.50, कोटक बैंक 1.48, एसबीआई 1.19, एचसीएल टेक 1.14, अडानी पोर्ट्स 0.93, नेस्ले इंडिया 0.66, आईसीआईसीआई बैंक 0.56, टीसीएस 0.42, अल्ट्रासिमको 0.33, बजाज फिनसर्व 0.12, बजाज फाइनेंस 0.01 और सन फार्मा के शेयर 0.01 प्रतिशत चढ़ गए।

वेकफिटडॉटको का राजस्व 1000 करोड़ रुपए के स्तर पर बिक्री नेटवर्क बढ़ा रही

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां) देश की प्रमुख होम और स्लीप सॉल्यूशंस कंपनी वेकफिटडॉटको ने वित्त वर्ष 2023-24 में 24 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,017 करोड़ रुपए का राजस्व हासिल करके 1,000 करोड़ रुपये के राजस्व क्लब में अपनी जगह बना ली है। कंपनी ने कहा है कि वह चालू वित्त वर्ष में अपने बिक्री स्टोर की संख्या 80 से बढ़ा कर 120 करने जा रही है तथा बिक्री के सभी मंचों पर उपस्थिति बढ़ा रही है। कंपनी 2023-24 में 65 करोड़ रुपए का परिचालन लाभ दर्ज किया और वर्ष 2024-25 में भी उसे इसमें दहाई अंक में वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि वह अपनी उत्पाद सूची का विस्तार करने, बक्री के सभी मंचों पर अपनी मौजूदगी को दोगुना करने और ब्रांड निर्माण पर जोर देने के लिए निवेश जारी रखेगी। कंपनी सह संस्थापक एवं निदेशक चैतन्य रामालिंगेगौड़ा ने कहा, हमारी कंपनी ने 1000 करोड़ रुपए का राजस्व पार किया है, और यह हमारे ग्राहकों के भरोसे का परिणाम है। सालाना 24 प्रतिशत की वृद्धि यह दर्शाती है कि हम ऐसे नए और बेहतर उत्पाद बना रहे हैं जो लोगों को पसंद आ रहे हैं। हम ग्राहकों की बदलती ज़रूरतों को समझते हैं और उन्हें पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। हम आगे नए उत्पाद लाएंगे, अपनी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की बिक्री बढ़ाएंगे और अपने ब्रांड को और भी मजबूत बनाएंगे ताकि लोग हमें और ज़्यादा पसंद करें। हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले साल में हम दहाई अंकों की वृद्धि को बनाए रखेंगे। वेकफिटडॉटको के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित गर्ग ने कहा, 'हम

- बिक्री के सभी मंचों पर उपस्थिति बढ़ा रही है। कंपनी 2023-24 में 65 करोड़ रुपए का परिचालन लाभ दर्ज किया

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अक्टूबर का पाम ऑयल वायदा 46 रिंगिट की तेजी के साथ 4170 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, अक्टूबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.82 सेंट कमजोर होकर 42.49 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव स्थिर रहे।

अनाज = अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 7.4 प्रतिशत बढ़ी नौकरियां बीते एक दशक में आया सबसे बड़ा उछाल

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 2022-23 में सालाना आधार पर रोजगार के अवसर 7.4 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। ताजा सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के द्वारा जारी डेटा के मुताबिक, देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में वित्त वर्ष 2022-23 में रोजगार बढ़कर 1.84 करोड़ हो गया है, जो कि 2021-22 में 1.72 करोड़ पर था। वित्त वर्ष 2022-23 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 55 प्रतिशत रोजगार के अवसर तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में थे। अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक के इंडस्ट्रीज के वार्षिक सर्वे (एएसआई) के मुताबिक, इंडस्ट्रीयल आउटपुट में पिछले साल के मुकाबले 21 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली। आंकड़ों के मुताबिक, ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) 2021-22 के मुकाबले 2022-23 में 7.3 प्रतिशत बढ़ा है। सर्वे के मुताबिक, 2022-23 में 2021-22 के मुकाबले मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में इनपुट 24.4 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, इस दौरान आउटपुट में 21.5 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। 2022-23 में धातु, पेट्रोलियम, खाद्य उत्पाद, केमिकल और केमिकल उत्पाद और मोटर वाहन इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा वृद्धि देखने को मिली है। समीक्षा अवधि में सेक्टर के कुल आउटपुट में इन इंडस्ट्री का योगदान 58 प्रतिशत था। इनके आउटपुट में 24.5 प्रतिशत और जीवीए में सालाना आधार पर 2.6 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। एएसआई के आंकड़ों के मुताबिक 2022-23 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में काम करने वाले लोगों की संख्या महामारी के पहले (2018-19) के आंकड़े से 22.14 लाख अधिक हो गई है। 2022-23 में जीवीए में महाराष्ट्र पूरे भारत में शीर्ष पर रहा है। इसके बाद गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश का नाम है। वित्त वर्ष 23 में ज्यादातर आर्थिक आंकड़ों में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में वृद्धि दर्ज की गई है। इसमें निवेशित पूंजी, इनपुट, आउटपुट, जीवीए और रोजगार शामिल हैं।

खेल जगत

मैं खुद को 'जादूगर' कहलाए जाने के बारे में नहीं सोचता : बुमराह

कानपुर। भारत की बांग्लादेश पर सात विकेट की जीत में कुल छह विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह खुद को जादूगर कहलाये जाने के बारे में नहीं सोचते। दोनों पारियों में तीन-तीन विकेट लेने वाले बुमराह ने मैच के बाद कहा कि यह वाकई बहुत अच्छा लग रहा है। मैं उन सभी विशेषणों के बारे में नहीं सोचता। यह जीत हासिल करना वाकई अच्छा है, हमने कुछ दिन गंवाए थे.. जिस तरह से हमने कल बल्लेबाजी की और यह हमारी फिटनेस के लिए एक परीक्षा थी और साथ ही आप देख सकते हैं कि मौसम कितना गर्म है, हर दिन गेंदबाजी करना और प्रभाव पैदा करने की कोशिश करना, यह वाकई एक खास जीत है। उन्होंने कहा कि आप अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हैं लेकिन यह कहना आसान है, करना मुश्किल, क्योंकि आपने बहुत क्रिकेट खेला है और अलग-अलग सतहों पर खेला है।

कानपुर में टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। बाएं हाथ के नौजवान सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के दोनों पारियों मे जड़े तूफानी अर्द्धशतकों तथा स्पिन ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ,रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के दूसरी पारी में चटकाए तीन-तीन विकेट की बदौलत भारत ने बांग्लादेश से दूसरा व अंतिम क्रिकेट टेस्ट पांचवें व अंतिम दिन दूसरे सत्र में सात विकेट से जीतने के साथ उसका सूपड़ा साफ कर सीरीज 2-0 से जीत ली। बारिश, कम होती रोशनी और कानपुर में ग्रीन पार्क मैदान के घटिया ड्रेनेज के चलते ढाई दिन का खेल न होने के बावजूद भारत ने अपने नए चीफ कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा की नई सोच की बदौलत अंतिम दिन एक पूरा सत्र बाकी रहते जीत दर्ज कर साबित किया की संकल्प हो तो फिर किसी भी स्थिति में जीत मुमकिन है। भारत यह टेस्ट सीरीज कर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में शीर्ष पर बरकरार रहा। भारत की यह जीत इसलिए ऐतिहासिक है जब सभी ने दूसरे टेस्ट को ड्रॉ मान लिया तो उसने हर किसी को गलत साबित कर यह जीत दर्ज की। भारत की दूसरे टेस्ट की जीत का कोई एक नहीं बल्कि पूरी टीम नायक रही। दिलचस्प बात यह रही कि भारत ने इस टेस्ट में एक ओवर भी मेडन ओवर नहीं खेला। भारत ने अपने घर में लगातार 18 वी टेस्ट जीत सीरीज कर अपना दबदबा बरकरार रखा। भारत के लिए दूसरे टेस्ट में दोनों पारियों में मिला कर जसप्रीत बुमराह ने छह, रविचंद्रन अश्विन ने पांच, रवींद्र जडेजा ने चार तथा आकाशदीप ने तीन तथा सिराज ने दो विकेट चटकाए। पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक जड़ने के साथ दोनों टेस्ट में कुल मिलाकर कुल 11 विकेट चटकाने वाले ऑफ स्पिनर ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन मैन ऑफ द' मैच रहे। भारत के ऑफ स्पिन ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन, बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और सदाबहार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने तीन-तीन विकेट चटका कर सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम के अर्द्धशतक के बावजूद बांग्लादेश की दूसरी पारी 47 ओवर में 146 पर समेट दी। भारत से पहली पारी में 52 रन से पिछड़ने के बाद बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी अंतिम दिन दो विकेट पर 26 रन से आगे शुरू करने के बाद बाकी के आगे बढ़ाएं लंच के समय अंतिम आठ विकेट 120 रन और जोड़ कर खो दिए। भारत को जीत के लिए दूसरी पारी में 95 रन बनाने का लक्ष्य मिला। कप्तान रोहित शर्मा और मैन ऑफ द' मैच यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी ने आक्रामक अंदाज में आगाज किया।

- यशस्वी ने दोनों पारियों में जड़े तूफानी अर्द्धशतक
- बुमराह ने दूसरे टेस्ट में चटकाए कुल 6 विकेट

हम जोखिम लेने के लिए तैयार थे : रोहित

कानपुर। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में दूसरा टेस्ट सात विकेट से जीतने और सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद मंगलवार को कहा कि टीम जीत के लिए कोई भी जोखिम उठाने को तैयार थी। रोहित ने मैच के बाद कहा कि हम सभी आगे बढ़ते रहते हैं। जाहिर है कि किसी न किसी स्तर पर हमें अलग-अलग लोगों के साथ काम करना शुरू करना पड़ा। जब राहुल भाई ने कहा कि वह यहां नहीं रह सकते -हमने शानदार समय बिताया लेकिन जीवन आगे बढ़ता रहता है। हम सभी को आगे बढ़ना है। कप्तान ने कहा कि कोच गौतम गंभीर, मैंने उनके साथ खेला है और जानता हूं कि वह किस तरह की मानसिकता के साथ आते हैं और खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति देते हैं। शुरुआती दिन लेकिन यह एक अच्छी शुरुआत रही है। हमें इस बारे में बहुत सोचना था कि खेल को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। एक बार जब हमने ढाई दिन खो दिए, जब हम चौथे दिन आए तो हम उन्हें जितनी जल्दी हो सके आउट करना चाहते थे और देखना चाहते थे कि हम बल्ले से क्या कर सकते हैं। रोहित ने कहा कि सब कुछ इस बात पर निर्भर करता था कि वे कितने रन बनाते हैं। जब वे 230 रन पर आउट हो गए, तो यह हमारे द्वारा बनाए गए रनों के बारे में नहीं था, बल्कि उन ओवरों के बारे में था जिन्हें हम उन्हें फेंकना चाहते थे। इसका मतलब था कि हमें रन रेट बढ़ाने की कोशिश करनी थी और जितना संभव हो सके उतने रन बनाने थे। उन्होंने कहा कि पिच में गेंदबाजों के लिए बहुत कुछ नहीं था। उस पिच पर खेल को बेहतर बनाना गेंदबाजों का शानदार प्रयास था। और फिर बल्लेबाजों ने इस मानसिकता के साथ जल्दी से जल्दी रन बनाने की सोची।

भारत ने डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर अपना स्थान किया मजबूत

कानपुर। बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 की टेस्ट सीरीज जीत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में भारत की शीर्ष पर स्थिति को और मजबूत कर दिया है। कानपुर टेस्ट मैच सात विकेट की जीत के साथ भारत ने अपने अंक प्रतिशत में सुधार करते हुए इसे 74.24 तक पहुंचा दिया, जबकि बांग्लादेश की हार के बाद वह 34.38 प्रतिशत के साथ सातवें स्थान पर है। मेहमान टीम से आगे दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड है, जो क्रमश: पांचवें और छठे स्थान काबिज हैं। ऑस्ट्रेलिया 12 मैचों में आठ जीत के बाद 62.50 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। जबकि श्रीलंका (तीसरे), इंग्लैंड (चौथे) स्थान पर 55.56 और 42.19 अंक प्रतिशत के साथ हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टीम इंडिया ने टेस्ट सीरीज क्लीन स्वीप की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत नंबर 1 पर बरकरार है और उसकी स्थिति और मजबूत हो गई है। भारत पिछले 12 साल से घर में टेस्ट सीरीज नहीं हारा है और यह टीम की लगातार 18वीं सीरीज जीत है। कानपुर टेस्ट तीन दिन बारिश से प्रभावित रहा लेकिन यहां पानी के साथ रिकार्डों की भी बारिश हुई।

अश्विन ने मुरलीधरन के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की

कानपुर। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपने विजयी आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीतकर श्रीलंका के ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। कानपुर टेस्ट की पहली पारी में दो और दूसरी पारी में तीन विकेट लेने वाले अश्विन ने इस सीरीज में कुल 114 रन बनाये और 11 विकेट लिए जिसकी बदौलत उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला जो उनके करियर में 11वीं बार था। मुरलीधरन ने भी अपने करियर में 11 प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार हासिल किये थे। इस उपलब्धि के बाद अश्विन ने कहा कि यह गेम जीतना हमारे लिए महत्वपूर्ण था। डब्लूटीसी के संदर्भ में हमारे लिए बहुत बड़ी जीत। जब हमने उन्हें कल आउट किया, तो लंच के बाद बहुत कम समय बचा था। रोहित चाहते थे कि हमें उन्हें आउट करने के लिए 80 ओवर की ज़रूरत हो। उन्होंने कहा कि अगर हम 230 रन पर आउट भी हो जाते हैं, तो कोई बात नहीं। और उन्होंने जिस तरह से पहली गेंद पर कदम रखा, उससे उन्होंने लय सेट कर दी। आपको पुरानी गेंद की तुलना में नई गेंद से ज़्यादा पकड़ मिलती है।

भारत की घर में लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीत

कानपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने कानपूर के ग्रीन पार्क में बांग्लादेश को पांचवें और अंतिम दिन मंगलवार को सात विकेट से हराकर दूसरा टेस्ट जीत लिया और दो मैचों की सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। भारत की अपने घर में यह लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीत है जिसका सिलसिला 2013 में शुरू हुआ था। भारत की अपने टेस्ट इतिहास में यह 180वीं जीत है और वह सर्वाधिक टेस्ट जीतने के मामले में दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया है।

घरेलू मैदान पर लगातार सबसे ज़्यादा टेस्ट सीरीज जीत

- 18* - भारत (2013 - 2024)
- 10 - ऑस्ट्रेलिया (1994-2000)
- 10 - ऑस्ट्रेलिया (2004-2008)
- 8 - वेस्टइंडीज (1976-1986)
- 8 - न्यूज़ीलैंड (2017-2020)

टेस्ट में सबसे ज़्यादा जीत

- 414 - ऑस्ट्रेलिया
- 397 - इंग्लैंड
- 183 - वेस्टइंडीज
- 180 - भारत
- 179 - दक्षिण अफ्रीका

भविष्य में भारतीय क्रिकेट के बल्लेबाजी स्तंभ बनेंगे गिल-जायसवाल : अश्विन

कानपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट का 'स्वर्णिम युग' चल रहा है, बीते कुछ महीने इस टीम ने हर फॉर्मेट में अपनी छाप छोड़ी है। हालांकि कई मौकों पर टीम की आलोचना भी हुई और उन्हें हार का मुंह भी देखना पड़ा, लेकिन इस दौरान सभी खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। खास तौर पर युवा खिलाड़ियों के रूप में भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्जवल नजर आ रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ भारत ने टेस्ट सीरीज अपने नाम की। इस दौरान भारतीय क्रिकेट की अगली पीढ़ी शानदार लय में नजर आई। स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को देश के दो युवा बल्लेबाज शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल से बहुत उम्मीदें हैं। दोनों खिलाड़ियों ने बांग्लादेश के खिलाफ भारत की हालिया 2-0 की टेस्ट स्वीप के दौरान प्रभावित किया। जायसवाल 47.25 की औसत से 189 रन बनाकर श्रृंखला के शीर्ष रन-स्कोरर रहे जबकि, शुभमन गिल ने 54.66 की प्रभावशाली औसत से 164 रन बनाए, जिसमें पहले टेस्ट में एक शतक भी शामिल है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अश्विन ने दोनों युवा बल्लेबाजों की तारीफ की। उन्होंने कहा की वे भारत के लिए अहम खिलाड़ी बन सकते हैं, खास तौर पर विदेशी परिस्थितियों में उनसे काफी उम्मीदें रहेगी। अश्विन ने कहा कि मुझे लगता है कि यशस्वी जायसवाल एक खास प्रतिभा है। वह खुलकर और आक्रामक खेलते हैं। उसने अभी-अभी अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया है, जबकि शुभमन गिल भी युवा हैं। वे दोनों अभी टेस्ट क्रिकेट खेलने के शुरुआती दौर में हैं, लेकिन मेरा मानना है कि वे भारतीय क्रिकेट के भविष्य के स्तंभ और विदेशी सरजमीं के सितारे होंगे। जायसवाल अपने आक्रामक अंदाज के लिए मशहूर हैं, जबकि शुभमन गिल एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो अपनी क्लास और शॉट चयन पर भरोसा करते हैं। टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ी और भारत के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक अश्विन ने माना कि दोनों का भविष्य उज्जवल है, लेकिन उन्हें लगातार अपने खेल में सुधार करने की आवश्यकता है।

- युवा खिलाड़ियों के रूप में भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्जवल नजर आ रहा है : रविचंद्रन अश्विन

सीएम योगी सरकार ने खिलाड़ियों का किया सम्मान

लखनऊ, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेरिस ओलंपिक व पैरालंपिक गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को मंगलवार को सम्मानित किया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित एक कार्यक्रम में योगी ने युवाओं और खिलाड़ियों को सफलता का मंत्र भी दिया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी के लिए आज स्मार्ट फोन सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। यह युवाओं के समय और श्रम दोनों को प्रभावित करता है। साथ ही उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को नशे से दूर रहना चाहिए, नशा नाश का का कारण है, जो नशे की तरफ गया वह जीवन में फिर किसी के लायक नहीं रह पाएगा। उन्होंने कहा कि युवा अपने आप को तैयार करें, उनकी सुविधाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकार उनके लिए समुचित माहौल तैयार कर रही है। युवा खेल के अपने जीवन का हिस्सा बनाएं इसके लिए प्रदेश के शहरों और गांवों में खेल की सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है। अच्छे प्रशिक्षण के साथ-साथ अच्छे प्रशिक्षक भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योगी ने इस अवसर पर 14 ओलंपियंस व पैरालंपिक एथलीट्स को सम्मानित किया और इन सभी खिलाड़ियों को 22.70 करोड़ रुपए की पुरस्कार सम्मान राशि वितरित की। इनमें पदक विजेता कुल सात ओलंपियंस व पैरालंपियंस और सात अन्य प्रतिभाग करने वाले ओलंपियंस व पैरालंपियंस मौजूद रहे। सम्मानित होने वाले पदक विजेताओं में प्रवीण कुमार, सुहास एलवाई, अजीत सिंह, प्रीति पाल, सिमरन, ललित उपाध्याय व राज कुमार पाल शामिल रहे।

टी-20 विश्व कप को लेकर थोड़ी नर्वस हैं सोफी मोलिनेक्स

दुबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला टी20 विश्व कप काउंटडाउन शुरू हो चुका है। टूर्नामेंट की सबसे मजबूत और खतरनाक टीम ऑस्ट्रेलिया एक बार फिर अपना दबदबा कायम करना चाहेगी। वहीं, स्टार ऑलराउंडर सोफी मोलिनेक्स राष्ट्रीय टीम में वापसी के बाद यूएई में होने वाले मेगा इवेंट को लेकर थोड़ी नर्वस हैं। दो बार की विश्व कप विजेता ने 2021 और 2024 के बीच पैर और घुटने की गंभीर चोटों के कारण दो साल से अधिक समय तक टीम से बाहर बिताया। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे विश्व कप 2022, राष्ट्रमंडल खेल और टी20 विश्व कप 2023 से चूक गईं। अब टीम में वापसी के बाद यह ऑलराउंडर कोई भी भूमिका निभाने के लिए तैयार है लेकिन, यह उनके लिए इतना आसान नहीं होगा। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने मोलिनेक्स के हवाले से कहा कि मैं पिछले कुछ वर्षों से विश्व कप के लिए नहीं खेली हूं। इसलिए इस समय मैं थोड़ा नर्वस महसूस कर रही हूं, लेकिन यह टी20 विश्व कप है और मुझे अपना बेस्ट देना होगा। 26 वर्षीय खिलाड़ी इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम में लौटी। मार्च में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। हालांकि, चोट के कारण उनकी विश्व कप की तैयारियां बाधित हुईं, लेकिन उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में टी20 सीरीज में शानदार वापसी की। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं इस टीम में किसी भी भूमिका का आनंद लेती हूं। काफी महत्वपूर्ण हैं और मुझे लगता है कि उन परिस्थितियों में एक गेंदबाज के रूप में आप हमेशा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे लेकिन, ऐसी चुनौतियों से लड़ना और कमबैक करने में सक्षम होना ही एक अच्छे खिलाड़ी की पहचान है।

- सोफी ने गंभीर चोटों के कारण दो साल से अधिक समय तक टीम से बाहर बिताया

मेरी रणनीति बेंगलुरु बुल्स के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है' : नरवाल

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 से पहले, बेंगलुरु बुल्स के स्टार खिलाड़ी और 'रिकॉर्ड ब्रेकर' प्रदीप नरवाल ने उस टीम में फिर से शामिल होने को लेकर उत्साह व्यक्त किया, जहां से सीजन 2 में उनकी यात्रा शुरू हुई थी। 18 अक्टूबर को हैदराबाद में तेलुगु टाइटन्स के खिलाफ होने वाले पीकेएल 2024 के ओपनिंग मैच के लिए भी उन्होंने अपना उत्साह शेयर किया। 'स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम' के पहले सीजन में प्रदीप नरवाल ने टीम के शुरुआती मैच के बारे में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हम बहुत उत्साहित हैं क्योंकि हम पहला मैच खेल रहे हैं। हम तेलुगु टाइटन्स के होमटाउन हैदराबाद जा रहे हैं और जहां प्रशंसक उनका समर्थन करेंगे, जबकि हमारे प्रशंसक भी पीछे नहीं है, भले ही उन्हें घरेलू मैदान का लाभ हो लेकिन हम अपना बेस्ट प्रदर्शन करेंगे। पिछले कुछ सीजन में 'डुबकी स्पेशलिस्ट' के नाम से मशहूर होने और इस साल अपने कौन से नए कौशल दिखाने की योजना पर उन्होंने कहा कि मेरी रणनीति टीम और खुद के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है, ताकि टीम को शीर्ष पर ले जाने में मदद मिल सके। मैं इस सीजन में नए कौशल लेकर आऊंगा और एक-एक करके आपको दिखाऊंगा। मेरे पास निश्चित रूप से कुछ नया होगा जिसे मैं पेश कर सकता हूं। पिछले कुछ वर्षों में उनका खेल जिस तरह से विकसित हुआ है, उस पर प्रदीप ने बताया कि दूसरे सीजन में मैं उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। लेकिन अगले सीजन में मैंने लगातार सुधार किया। खेल दिन-ब-दिन बदलता रहता है, यह हमेशा एक जैसा नहीं रहता।

पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर इयान बेल का आईपीएल के नए नियमों पर आया रिएक्शन

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने 2025 में होने वाली मेगा नीलामी से पहले आईपीएल खिलाड़ी विनियम 2025-27 की घोषणा की है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट इयान बेल ने नए नियमों पर अपने विचार साझा करते हुए दावा किया कि यह 'निष्पक्ष' है लेकिन 'संतुलन की आवश्यकता है'। आईपीएल के नए नियम आने के बाद टूर्नामेंट को लेकर चर्चा काफी तेज हो गई है। टीम किस खिलाड़ी को रिटेन करेगी और किसे नहीं यह मामला काफी रोमांचक हो गया। हालांकि, इसमें सबसे बड़ा फेरबदल विदेशी खिलाड़ियों को लेकर हुए नियमों में बदलाव को लेकर है। इन नियमों पर पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर इयान बेल का बयान भी सामने आया है। इयान बेल ने आईएएनएस से कहा कि एक उचित नियम है। अगर आपको नीलामी में चुना जाता है और फिर आप नहीं आते हैं तो यह गलत है, क्योंकि टीमें एक रणनीति बनाती हैं, विशिष्ट खिलाड़ियों की भर्ती करती हैं और फिर अगर खिलाड़ी नहीं आता है तो इसे स्टेबल करना काफी परेशानी का सबब है।

पार्थ माने ने जूनियर विश्व चैंपियनशिप में जीता दोहरा स्वर्ण पदक

लीमा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पार्थ राकेश माने ने जूनियर विश्व चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में पार्थ ने 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत खिताब जीतने के बाद, अजय मलिक और अभिनव शॉ के साथ मिलकर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता। गौतमी भालोट, शांभवी क्षीरसागर और अनुष्का थोकुर की भारतीय महिला टीम ने 10 मीटर एयर राइफल में 1894.8 के संयुक्त स्कोर के साथ नया जूनियर विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। इन तीन स्वर्ण पदकों के साथ जूनियर शूटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या आठ हो गई है। भारत टूर्नामेंट में अब तक पांच स्वर्ण और तीन कांस्य पदक जीत चुका हैं। पुरुषों की स्पर्धा में पार्थ माने, अजय मलिक और अभिनव शॉ ने 1883.5 का स्कोर अर्जित करके टीम का खिताब सुरक्षित किया। पार्थ माने ने पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार 10.0 से ऊपर शॉट लगाए। उनके 250.7 के स्कोर ने चीन के लिवानलिन हुआंग (250.0) को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। अमेरिका के ब्रैडेन वेन पेइजर ने 229.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि पेरिस 2024 ओलंपिक के रजत पदक विजेता विक्टर लिंडग्रेन 207.2 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहे। अजय मलिक को शूट-ऑफ में लिंडग्रेन से हार का सामना करना पड़ा और वह 186.7 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहे। पिछले साल व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाले अभिनव शॉ अपने खिताब को डिफेंड नहीं कर सके और 144.2 के साथ सातवें स्थान पर रहे। इससे पहले क्वालीफाइंग राउंड में अजय मलिक 628.8 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। पार्थ माने (627.7) चौथे, जबकि अभिनव शॉ (627.0) छठे स्थान पर रहे। भारतीय निशानेबाजों ने 1883.5 के संयुक्त स्कोर के साथ टीम स्पर्धा में पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया और अमेरिका (1877.6) और जर्मनी (1873.9) को पीछे छोड़ने में कामयाब रहे। क्वालीफाइंग राउंड से आठ निशानेबाजों ने व्यक्तिगत फाइनल 10 मीटर एयर राइफल फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

- भारत टूर्नामेंट में अब तक पांच स्वर्ण और तीन कांस्य पदक जीत चुका हैं

लीजेंड्स लीग क्रिकेट में ऑन-फील्ड एक्शन से कोचिंग में भी मिलेगी मदद : इयान बेल

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्रिकेट का बढ़ता क्रेज और फ्रेंचाइजी लीग की बढ़ती डिमांड इन दिनों आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। खास तौर पर रिटायर हो चुके क्रिकेटरों के लिए भी फ्रेंचाइज़ी लीग शानदार मंच तैयार कर रही है। वहीं, लीजेंड्स लीग क्रिकेट सीजन 3 में इंडिया कैपिटल्स के कप्तान इयान बेल ने इस लीग की तारीफ करते हुए कहा कि इसने उन्हें एक बार फिर खेल का लुत्फ उठाने का मौका दिया है। इयान बेल ने कहा कि खेल में वापसी से उन्हें अपनी कोचिंग रोल में भी नई तकनीक विकसित करने में मदद मिलेगी। बेल ने आईएएनएस से कहा कि हमारे पास एक अच्छी टीम है, जो अच्छी बात है क्योंकि इससे मुझ पर कम दबाव होगा। जहां तक मेरी बात है, मैं फ्रेंचाइजी और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की कोचिंग में शामिल रहा हूं और यह आपको शारीरिक रूप से फिट रखता है। थोड़ा मौज-मस्ती करना और नेट्स में जाना अच्छा है, क्योंकि आपको इसका मौका नहीं मिलता। यह आपको खेल के मानसिक पक्ष की याद दिलाता है, क्योंकि यह ऐसी चीज है जिसे आप कोचिंग की भूमिका में होने पर भूल जाते हैं। जैसे-जैसे हम टूर्नामेंट के अंतिम चरण में पहुंचेंगे, उम्मीद है कि हम मैच जीतेंगे और फाइनल में पहुंचेंगे। 2020 में क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बेल अब दुनिया की कई टीमों के लिए कोचिंग की भूमिका निभा रहे हैं। उन्हें अगस्त 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका की राष्ट्रीय टीम के लिए बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया गया था।

सार संक्षेप

दिल्ली प्रीमियर लीग: सुदेवा और डीएफसी की आसान जीत

नई दिल्ली। डीएसए प्रीमियर लीग में मंगलवार को यहां अंबेडकर स्टेडियम पर दिल्ली एफसी ने वाटिका फुटबाल क्लब को 3-0 से हरा कर पहली जीत दर्ज की। दिन के दूसरे मुकाबले में सुदेवा एफसी ने फ्रेंड्स यूनाइटेड क्लब को 5-1 से परास्त किया। आज की विजेता टीमों ने एक जीत और एक एक ड्रॉ के साथ 4-4 अंक जुटाए हैं। दिल्ली एफसी के लिए सैमसन कीशिंग, मैन ऑफ द मेच आरिस खान और अबेल्सन जैची ने गोल जमाए। सुदेवा दिल्ली की जीत का आकर्षण एजाज अहमद के दो दर्शनीय गोल रहे। पहली प्रीमियर लीग की विजेता वाटिका एफसी एक बार फिर अपनी ख्याति के अनुरुप नहीं खेल पाई । हालांकि 19वें मिनट में सैमसन द्वारा जमाए गोल के बाद लगभग साठ मिनट तक कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई लेकिन दो मिनट में दो गोल जमा कर विजेता टीम ने परीणाम को एकतरफा कर दिया। सुदेवा दिल्ली और फ्रेंड्स यूनाइटेड का मैच उतार चढ़ाव वाला रहा लेकिन युवा शक्ति के सामने अनुभव को कठिन समय गुजारना पड़ा। फ्रेंड्स यूनाइटेड के मयंक देसवाल को रेफरी राहुल कुमार गुप्ता ने फाउल प्ले के लिए लाल कार्ड दिखाया।

यूएई में हमारा लक्ष्य खिताब जीतना होगा: जेमिमा रोड्रिग्स

दुबई। महिला टी20 विश्व कप 2024 जीतने के इरादे से हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इंडिया यूएई पहुंच चुकी है। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती हैं, लेकिन दबाव में नहीं बल्कि अपना नेचुरल गेम खेलकर। खाड़ी देश में खेलने का अनुभव होने के बावजूद, दुबई और शारजाह के गर्म और उमस भरे मौसम से तालमेल बिठाना टीम के लिए अहम होगा। भारत ने रविवार को अभ्यास मैच में वेस्टइंडीज को 20 रन से हराकर 4 अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप में अपने पहले मुकाबले की तैयारी की। टीम में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, जेमिमा टीम की सफलता में अपना बेस्ट प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने आधिकारिक प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स को बताया कि मेरे लिए, यह परिस्थितियों का आकलन करने और स्थिति के अनुसार खेलने के बारे में है। मैं बस इसे सरल रखना चाहती हूं और टीम को जीतने में मदद करने के लिए जो भी करना है और जो भी टीम की जरूरत है, वह करना चाहती हूं।

अल्काराज, मेदवेदेव को हराकर चाइना ओपन के फाइनल में

बीजिंग। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने एक बार फिर शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए मंगलवार को रूसी खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव को हराकर चाइना ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां 88 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में अल्कराज ने मेदवेदेव को 7-5, 6-3 से हराया।